दैनिक
सत्ता सुधार
जनता के साथ जनता की आवाज
भोपाल ■ गुरुवार 26 फरवरी 2026 ■ वर्ष -10 ■ अंक-03 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य- ₹04

सुविचार

फल की अभिलाषा छोड़कर कर्म करने वाला मनुष्य ही मोक्ष प्राप्त करता है। - गीता

इजराइली संसद में पीएम मोदी बोले- शांति लाने की दिशा में भारत हमेशा आगे

शालोम इजराइल... मैं यहां दोबारा आकर और भी खुश हूं

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने एतिहासिक इस्राइल दौरे के दौरान बुधवार को इजराइली संसद नेसेट को संबोधित किया। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत शालोम और नमस्ते से की। उन्होंने कहा कि इस संसद के सामने खड़े होना सम्मान की बात है। भारत के प्रधानमंत्री के तौर पर यह मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं 140 करोड़ भारतीयों की शुभकामनाएं आपके लिए लाया हूं। मुझे इस्राइल की पहली यात्रा करने वाले भारत के प्रधानमंत्री बनने का सौभाग्य मिला और मैं यहां दोबारा आकर और भी खुश हूं। मेरा जन्मदिन उसी दिन होता है, जिस दिन भारत ने इजराइल को एक देश के तौर पर मान्यता दी।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत ने भी लंबे समय तक आतंकवाद के दर्द को सहा है। हम 26/11 मुंबई हमलों को याद करते हैं, जिसमें कई निर्दोष लोगों की जान गई, जिनमें इस्राइली नागरिक भी शामिल थे। भारत की आतंकवाद के खिलाफ नीति भी हमेशा सख्त रही है और इसमें कोई दोहरापन नहीं है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि आतंकवाद समाज को अस्थिर करने, विकास को रोकने और भरोसा तोड़ने के लिए होता है। इसे रोकने के लिए लगातार और संगठित वैश्विक प्रयास जरूरी हैं क्योंकि कहीं भी आतंकवाद, दुनिया में शांति के लिए खतरा है। इसीलिए भारत सभी ऐसे प्रयासों का समर्थन करता है जो स्थायी शांति और क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा दें।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिन की इजराइल यात्रा पर बुधवार को यहां तेल अवीव के बेन गुरियन हवाई अड्डे पहुंचे जहां प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी पत्नी सारा नेतन्याहू के साथ उनका गर्मजोशी से स्वागत किया, औग गले लगाकर वेलकम किया। हवाई अड्डे पर पीएम मोदी का पारंपरिक स्वागत किया गया। उनके पहुंचने पर नेतन्याहू ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि इजराइल में आपका स्वागत है, मेरे प्रिय मित्र नरेन्द्र मोदी। बता दें मोदी की इजरायल की यह दूसरी यात्रा है। इससे पहले वह 2017 में इजराइल गये थे।

मोदी-मोदी के नारों से गूंजा इजराइली संसद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस्राइली संसद नेसेट को संबोधित करने वाले हैं। संसद में पहुंचने पर तालियों की गड़गड़ाहट और मोदी-मोदी नारों के साथ उनका स्वागत हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस्राइली संसद नेसेट पहुंच गए हैं, यहां उनका संबोधन हुआ। पीएम मोदी तेल अवीव में एक होटल में सांस्कृतिक कार्यक्रम देखते हुए। उन्होंने यहां मौजूद भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी बातचीत की। पीएम मोदी इस्राइल के दो दिन के राजकीय दौरे पर हैं।

ईडी ने अनिल अंबानी का 3716 करोड़ का घर एबोड किया कुर्क

रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय ने कथित बैंक धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। बुधवार को आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने मुंबई के पॉश इलाके में स्थित उनके आलीशान घर एबोड को कुर्क कर लिया है। यह कार्रवाई वित्तीय जांच एजेंसियों के कड़े रुख को दर्शाती है और कॉर्पोरेट जगत के लिए एक बड़ा घटनाक्रम है।

ईडी द्वारा कुर्क की गई यह बहुमंजिला संपत्ति मुंबई के प्रतिष्ठित पाली हिल इलाके में स्थित है। 'एबोड' नामक यह बेहद आलीशान घर 66 मीटर ऊंचा है और इसमें 17 मंजिलें हैं। आधिकारिक सूत्रों ने पुष्टि की है कि कुर्क की गई इस एकल संपत्ति का मूल्य 3,716.83 करोड़ रुपये आंका गया है।

सूत्रों के अनुसार, अंबानी को इस मामले में दूसरे दौर की पूछताछ के लिए जल्द ही संघीय जांच एजेंसी के समक्ष पेश होना है। इससे पहले, वे अगस्त 2025 में पहली बार ईडी के सामने पेश हुए थे, जहां पीएमएलए के तहत उनका आधिकारिक बयान दर्ज किया गया था। मुंबई के सबसे महंगे और चर्चित आवासों में से एक 'एबोड' का कुर्क होना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वित्तीय धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में कोई भी रियायत नहीं दी जा रही है। 15,700 करोड़ रुपये की कुल जब्ती के साथ, यह मामला भारत के कॉर्पोरेट इतिहास के सबसे बड़े वित्तीय जांच अभियानों में से एक बन गया है, जिसके अगले घटनाक्रमों पर बाजार और निवेशकों की पैनी नजर रहेगी।

किस मामले में हुई कार्रवाई?

ईडी की यह बड़ी कार्रवाई अनिल अंबानी की समूह कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस से जुड़े एक कथित बैंक धोखाधड़ी मामले की जांच का सीधा परिणाम है। इस नवीनतम आदेश के साथ ही, इस हाई-प्रोफाइल बैंक धोखाधड़ी मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा कुर्क की गई संपत्तियों का कुल मूल्य अब लगभग 15,700 करोड़ रुपये के भारी-भरकम आंकड़े तक पहुंच गया है। इस मामले में उद्योगपति अनिल अंबानी की मुश्किलें और बढ़ती नजर आ रही हैं।

ब्रीफ न्यूज

महाराष्ट्र में सात राज्यसभा सीटों के लिए 16 को मतदान

मुंबई। महाराष्ट्र में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है, क्योंकि राज्य से सात राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव की अधिसूचना बुधवार को जारी कर दी गई है। सदस्यों के चुनाव के लिए मतदान 16 मार्च को होगा। इस बात की जानकारी रिटर्निंग ऑफिसर विलास अठवाले ने दी। उन्होंने कहा नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 5 मार्च है। 6 मार्च को नामांकनों की जांच होगी और 9 मार्च तक उम्मीदवार अपना नाम वापस ले सकते हैं।

एजीएल और हुड्डा को राहत हाईकोर्ट ने दी क्लीन चिट

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने बुधवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजीएल) और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा के खिलाफ लगे आपराधिक आरोपों को रद्द करते हुए उन्हें क्लीन चिट दे दी है। यह मामला पंचकूला में एक संस्थागत प्लॉट के पुनः आवंटन में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है।

कर्नाटक सीएम पद पर गृह मंत्री ने भी ठोका दावा

बंगलुरु। कर्नाटक में सीएम पद को लेकर खींचतान खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। अब राज्य के गृह मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जी परमेश्वर भी सीएम पद की रेस में शामिल हो गए हैं। उन्होंने कहा है कि अगर उनके समर्थक सीएम पद के लिए उनके नाम का प्रस्ताव दे रहे हैं, तो इसमें कुछ भी गलत नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि उनकी काबिलियत पर कोई सवाल नहीं उठा सकता।

वांगचुक की रिहाई को लेकर प्रदर्शन की तैयारी

जोधपुर। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुंग की रिहाई की मांग को लेकर विभिन्न संगठनों द्वारा जोधपुर सेंट्रल जेल के बाहर प्रदर्शन का एलान किया। प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस अलर्ट मोड पर नजर आई और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। पुलिस ने मोहनपुरा पुलिया के पास से सेंट्रल जेल की ओर जाने वाले मार्ग पर बैरिकेडिंग कर रास्ता बंद कर दिया।

मुख्यमंत्री ने आजीविका मिशन क्षमतावर्धन कार्यशाला का किया शुभारंभ

दीदियां प्रदेश की अर्थव्यवस्था को कर रहीं सशक्त

डॉ. यादव ने किया स्पेशल होली हैम्पर लॉन्च, उत्पाद अब अमेजन व अन्य ई-प्लेटफार्म पर होंगे उपलब्ध

- दीदियों ने किया एक साल में 310 करोड़ का व्यापार
- 5 लाख स्व-सहायता समूहों से सशक्त हुईं 65 लाख दीदियां
- संभाग व जिला स्तर पर होली मेलों का किया वर्चुअली शुभारंभ

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आजीविका मिशन से जुड़ी दीदियाँ एकता की शक्ति का सजीव उदाहरण है। बहनों द्वारा एकजुटता से किए जा रहे प्रयास 'बंद मुट्ठी लाख की' के भाव को चरितार्थ करते हुए देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। बहनें आज ट्रैक्टर से लेकर ड्रोन तक चलाने के साथ गैस और पेट्रोल रिफिलिंग जैसे कार्य भी कर रही हैं। कैफे संचालन से लेकर मार्केट का टारगेट पूरा करने में अव्वल बहनें अचार, पापड़ निर्माण सहित कई छोटे उद्योगों से बेहतर कमाई कर रही हैं।

भारतीय संस्कृति में मातृ सत्ता का विशेष महत्व है। राज्य सरकार के प्रयासों से प्रदेश की बहनें सशक्त हो रही हैं। प्रदेश के 5 लाख स्व-सहायता समूहों से 65 लाख से अधिक दीदियां जुड़कर सशक्त हुई हैं। इनमें से 12 लाख से अधिक दीदियां लखपति दीदी बन चुकी हैं। राज्य सरकार प्रदेश की बहनों के सशक्तिकरण के लिए संकल्पित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व-सहायता समूहों ने एक वर्ष में विभिन्न कंपनी और मेलों के माध्यम से 310 करोड़ रुपए का व्यापार किया है। मध्यप्रदेश, देश का सर्वाधिक प्राकृतिक खेती वाला राज्य है। हमारे स्व-सहायता समूहों की 50 हजार बहनें प्राकृतिक खेती में जुटी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2026-27 के बजट में महिला बाल विकास विभाग में 26 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। साथ ही बजट का कुल 34 प्रतिशत हिस्सा ग्रामीण विकास पर खर्च किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में स्वसहायता समूहों की आजीविका मिशन क्षमतावर्धन कार्यशाला का शुभारंभ कर कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। कार्यशाला में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, कौशल विकास मंत्री श्री गौतम टेटवाल और पंचायत और ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्रीमती राधा सिंह उपस्थित थीं।

योजना के 7 वाहनों को दिखाई झंडी

मुख्यमंत्री ने विभिन्न जिलों के स्व सहायता समूहों की दीदियों द्वारा लगाए गए विभिन्न उत्पादों के स्टालों का अवलोकन कर दीदियों से चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदर्शनी स्थल पर ग्राम छावनी पठार के मिलेट्स कैफे पर स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना के 7 वाहनों को झंडी दिखाकर रवाना किया। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की दीदीयों द्वारा तैयार स्पेशल होली हैम्पर को लॉन्च किया गया। समुदाय प्रबंधित प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में प्रशिक्षण केन्द्र पर लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आजीविका मार्ट ग्वालियर, जबलपुर एयरपोर्ट पर स्व-सहायता समूहों के रिटेल आउटलेट और संभागीय एवं जिला स्तर पर होली मेलों का वर्चुअली शुभारंभ किया।

हमारी मातृ शक्ति अपनी क्षमता से आगे बढ़ रही

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि स्वसहायता समूहों की दीदियों ने सफलता का मुकाम हासिल किया है। हमारी मातृ शक्ति अपनी क्षमता के बल पर आगे बढ़ रही है। पीएम मोदी ने देश के विकास में दीदियों की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में बहनों का महत्वपूर्ण योगदान होगा। पटेल ने कहा कि स्वावलंबन की दिशा में अग्रसर महिलाओं की सफलता केवल शब्दों तक सीमित नहीं है, बल्कि उसके प्रमाण आँकड़ों और जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने बहनों से बदलती तकनीक के साथ स्वयं को अपडेट रखते हुए आगे बढ़ने का आह्वान किया।

पांच दीदियों को किया सम्मानित

कार्यशाला में प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल का विमोचन भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के साथ (एमपीएसआरएलएम) इंडिया पोस्ट, अमेजन सहेली, एक्सेस डेवलपमेंट सर्विस, बुद्धा इंस्टीट्यूट, टीआरआईएफ और साइटसेवर संस्थान के साथ एमओयू का आदान-प्रदान हुआ। उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वालीं स्व-सहायता समूहों की 5 दीदियों को सम्मानित किया।

यह कार्यशाला मार्केटिंग में सहायता प्रदान करेगी

मुख्य कार्यपालन अधिकारी मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन हर्षिका सिंह ने कहा कि यह कार्यशाला विभिन्न जिलों के स्व-सहायता समूहों की दीदियों को उत्पादन और मार्केटिंग में सहायता व मार्गदर्शन प्रदान करेगी। इस कार्यशाला से प्रदेश के विभिन्न जिलों से समूहों को अपने उत्पाद राजधानी भोपाल में प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त हुआ है। आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना में प्रदेश के 6 जिले- बैतूल, विदिशा, राजगढ़, कटनी, ग्वालियर एवं भोपाल से 7 एजीईवाय गाड़ियों को हरी झंडी दिखाई गई है। यह गाड़ियां दूर-दराज के क्षेत्रों में दीदियों को आवागमन और उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध होंगी।

एपस्टीन फाइल्स पर बिल गेट्स का बड़ा कबूलनामा

हां, रूसी महिला से थे मेरे संबंध स्टाफ के सामने माफी मांगी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दुनिया के मशहूर उद्योगपति और परोपकारी बिल गेट्स एक बार फिर जेफ्री एपस्टीन से जुड़े विवादों के चलते सुर्खियों में हैं। इस मामले में फंसे बिल गेट्स अब माफी मांग रहे हैं। उन्होंने कबूल किया है कि उनके दो रूसी महिलाओं से संबंध थे। हाल ही में सामने आए नए दस्तावेजों के बाद बढ़े विवाद के बीच गेट्स ने अपनी संस्था बिल गेट्स फाउंडेशन के कर्मचारियों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगते हुए कहा है कि उनसे बड़ी गलती हुई है। सूत्रों के मुताबिक एक आंतरिक टाउनहॉल मीटिंग में गेट्स ने अपने पुराने संबंधों को लेकर

सवालों का जवाब देते हुए स्वीकार किया कि एपस्टीन के साथ समय बिताना और फाउंडेशन के वरिष्ठ अधिकारियों को उससे मिलवाना 'एक बड़ी गलती' थी। उन्होंने कहा कि इस फैसले के कारण संगठन के लोगों को असहज स्थिति का सामना करना पड़ा, जिसके लिए वे जिम्मेदारी लेते हैं। टाउन हॉल में, गेट्स ने कथित तौर पर यह भी माना कि एपस्टीन फाइल्स में बताए गए रूसी महिलाओं के साथ उनके दो अफेयर थे, लेकिन उन्होंने साफ किया कि उन रिश्तों का एपस्टीन के पीड़ितों से कोई लेना-देना नहीं था। यह बात मीडिया रिपोर्ट्स में एपस्टीन के साथ उनकी पिछली बातचीत की डिटेल्स सामने आने के बाद नए सिरे से जांच के बाद आई है। यह विवाद तब फिर से उभरा जब अमेरिकी न्याय विभाग से जुड़े दस्तावेज और तस्वीरें सार्वजनिक हुईं, जिनमें गेट्स और एपस्टीन की कई मुलाकातों का जिक्र है।

दो लाख करोड़ की खाद सब्सिडी सीधे खाते में

कृषि मंत्री की दो टूक: किसानों का पैसा रोकने पर लगेगा 12% ब्याज

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पूसा कृषि मेले में बड़े सुधारों का ऐलान किया। उन्होंने किसानों का पैसा रोकने पर 12% ब्याज, दो लाख करोड़ की खाद सब्सिडी डीबीटी और एमएसपी खरीद एक महीने में करने का प्रस्ताव भी दिया। केंद्र सरकार की ओर से कृषि क्षेत्र को आधुनिक बनाने के लिए कड़े और पारदर्शी सुधारों की बात कही गई है। नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) में तीन दिवसीय पूसा कृषि विज्ञान मेले का उद्घाटन करते हुए केंद्रीय कृषि व किसान कल्याण

मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि किसानों के आर्थिक हितों से जुड़ा कोई भी समझौता या लेटलतीफी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

भुगतान में देरी पर जुर्माना और डीबीटी पर जोर : किसानों के बकाये को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए कृषि मंत्री ने चेतावनी दी कि जो भी एजेंसी या राज्य सरकार किसानों का पैसा रोकेगी, उसे उस राशि पर 12 प्रतिशत ब्याज चुकाना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार वित्तीय देरी को खत्म करने के लिए अपना हिस्सा सीधे किसानों के खातों में भेजने के विकल्प पर काम कर रही है। इसके अलावा, एक बड़े नीतिगत बदलाव का संकेत देते हुए उन्होंने सालाना 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक की खाद (उर्वरक) सब्सिडी को सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजने पर विचार करने की बात कही, ताकि वास्तविक अन्नदाता को इसका सीधा फायदा मिल सके।

संज्ञान

बच्चों को 'न्यायिक भ्रष्टाचार' पढ़ाने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कोर्ट ने विवादित अध्याय पर कड़ी नाराजगी जताई

'बदनाम नहीं करने देंगे...' एनसीईआरटी पर बरसे सीजेआई

एजेंसी ■ नई दिल्ली

देश की सर्वोच्च अदालत ने एनसीईआरटी की कक्षा 8 की नई किताब में शामिल एक विवादित अध्याय पर कड़ी नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को स्पष्ट किया कि न्यायपालिका की छवि को धूमिल करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने इस मामले को बेहद गंभीर बताते हुए कहा कि वे खुद इस प्रकरण की जांच करेंगे और आवश्यकता पड़ने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। चीफ जस्टिस ने सुनवाई के दौरान कहा कि संस्था का मुखिया होने के नाते मैंने इस मामले पर संज्ञान लिया है। यह एक सोचा-समझा कदम प्रतीत होता है। बार और बेंच से लेकर हाई कोर्ट के न्यायाधीश तक इस सामग्री से परेशान हैं। मैं किसी को भी इस संवैधानिक संस्था को बदनाम करने की इजाजत नहीं दूंगा। कृपया कुछ दिन इंतजार कीजिए, कानून अपना काम करेगा।

चीफ जस्टिस ने संज्ञान लेकर कार्यवाही करने के दिए संकेत

पुराने और नए एडिशन में बड़ा अंतर

विवाद की जड़ कक्षा 8 की सोशल साइंस की नई पाठ्य पुस्तक है। पुराने एडिशन में जहां अदालतों की कार्यप्रणाली, उनकी संरचना और समाज में उनकी भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया गया था, वहीं नए एडिशन में 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' शीर्षक से एक नया सेक्शन जोड़ा गया है।

कपिल सिब्बल ने उठाया था मुद्दा

यह मामला तब प्रकाश में आया जब वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कोर्ट को सूचित किया कि एनसीईआरटी कक्षा 8 के छात्रों को 'ज्यूडिशियल करप्शन' यानी न्यायिक भ्रष्टाचार के बारे में पढ़ा रहा है। उन्होंने इसे न्यायपालिका की गरिमा के खिलाफ और अत्यंत चिंताजनक बताया। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने भी आपत्ति दर्ज कराई। उन्होंने इसे 'चयनात्मक' दृष्टिकोण बताते हुए सवाल उठाए। इस पर बेंच में शामिल जस्टिस बागची ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि यह अध्याय संविधान के 'बेसिक स्ट्रक्चर' पर ही चोट करता प्रतीत होता है।

बंगाल में एसआईआर पर अब बीजेपी का बवाल

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर जहां सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पहले से ही हंगामा कर रही है, वहीं अब इस विवाद में विपक्षी भाजपा भी कूद पड़ी है। भारतीय जनता पार्टी ने एसआईआर पर एक उच्चस्तरीय बैठक में पूर्व मुख्य सचिव मनोज पंत की मौजूदगी को लेकर सवाल खड़े किए हैं और इसे पूरी तरह अवैध करार देते हुए उनकी गिरफ्तारी की मांग की है। पश्चिम बंगाल बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने उत्तर 24 परगना के बारासात में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर न्यायपालिका को प्रभावित करने की कोशिश का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिया था कि बैठक केवल निर्धारित अधिकारियों के साथ होनी चाहिए, जिसमें राज्य के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, एडवोकेट जनरल और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल शामिल हों। मजूमदार ने कहा कि मनोज पंत अब मुख्य सचिव नहीं हैं, ऐसे में उनकी बैठक में मौजूदगी पूरी तरह गैरकानूनी है।

पूर्व मुख्य सचिव की गिरफ्तारी की उठ रही मांग

ब्रीफ न्यूज

आज से पर्यटन स्थलों पर महिला सुरक्षा को लेकर कार्यशाला

भोपाल। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा प्रदेश के पर्यटन स्थलों पर महिलाओं के लिए सुरक्षित, संवेदनशील और अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी क्रम में 'महिलाओं के लिये सुरक्षित पर्यटन स्थल परियोजना' के अंतर्गत पर्यटन स्थलों पर महिला सुरक्षाः पुलिस की भूमिका एवं रणनीति विषय पर तीन दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन 26 से 28 फरवरी तक होटल पलाश रेसिडेंसी, भोपाल में किया जा रहा है। कार्यशाला का उद्देश्य पर्यटन और पुलिस विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर पर्यटन स्थलों पर महिला पर्यटकों की सुरक्षा, सहजता और विश्वास को मजबूत करना है। कार्यक्रम में गृह, पुलिस, महिला एवं बाल विकास विभाग, पर्यटन बोर्ड, पर्यटन निगम और विभिन्न विशेषज्ञों की सक्रिय भागीदारी रहेगी।

शंकराचार्य मठ की बिल्डिंग पर चला बुलडोजर

भोपाल। मध्य प्रदेश की महाकाल नगरी उज्जैन में साल 2028 में सिंहस्थ होना है. जिसको लेकर प्रशासन द्वारा अभी से तैयारियां शुरू हो गई है। बुधवार को सिंहस्थ 2028 को लेकर प्रशासन ने अवैध अतिक्रमण पर कार्रवाई की। गौर करने वाली बात यह है कि प्रशासन द्वारा अतिक्रमण की यह कार्रवाई शंकराचार्य मठ की बिल्डिंग और धर्मशालाओं पर की गई है। लिहाजा नगर निगम ने शहर में 5 प्रॉपर्टी को ध्वस्त किया है। नगर निगम से मिली जानकारी के अनुसार शंकराचार्य मठ की 3 मंजिला बिल्डिंग है. लोहे के पुल के पास नर्सिंह घाट के लिए जाते वक्त कर्कराज पार्किंग के यहां क्षिप्रा नदी के किनारे पुण्यानंद गिरी महाराज का आश्रम है। बिल्डिंग में 54 कमरे बनाये गए थे, जो कि लगभग 15000 वर्ग फुट क्षेत्र में बना हुआ है। बिल्डिंग को सुबह से शाम तक 70 प्रतिशत ध्वस्त किया गया है, आगे कार्रवाई जारी है।

मालवा निमाड़ का 87वां ग्रिड बुरहानपुर में ऊर्जीकृत

भोपाल। शासन की महत्वपूर्ण रिवेम्प्ड डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) में मालवा निमाड़ निमाड़ में नए 33/11 केवी ग्रिड श्रृंखलाबद्ध रूप से बनाए जा रहे हैं। आरडीएसएस अंतर्गत मालवा निमाड़ का 87वां सब स्टेशन बुरहानपुर शहर के मंडी क्षेत्र में ऊर्जीकृत किया गया। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि इस नये ग्रिड से बुरहानपुर मध्य शहर के हजारों उपभोक्ताओं को पहले की तुलना में ज्यादा गुणवत्ता से बिजली मिलेगी। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि निमाड़ का 26वां और पश्चिम क्षेत्र कंपनी का यह 87वां ग्रिड बुरहानपुर के मध्य शहरी क्षेत्र में 2.18 करोड़ रूपए से निर्मित हुआ है। इसकी क्षमता 5 एमवीए है। इससे मध्य शहरी क्षेत्र को ज्यादा गुणवत्ता से बिजली मिलेगी।

सीएम ने पं. दीनदयाल शोध संस्थान के कार्यक्रम को किया वर्चुअली संबोधित, कहा-

समाजसेवा को तप से किया सिद्ध, जब गांव मजबूत होंगे तभी राष्ट्र मजबूत बनेगा

नानाजी का पूरा जीवन ग्राम विकास, शिक्षा को किया समर्पित

चित्रकूट को नानाजी की कर्मस्थली होने का भी गौरव प्राप्त है

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख केवल एक राजनेता नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन के महान साधक थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन ग्राम विकास-शिक्षा-स्वावलंबन के लिए समर्पित कर दिया और समाज सेवा के उद्देश्य को तप के साथ सिद्ध किया। स्व. नानाजी देशमुख का मानना था कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है। जब गांव मजबूत होंगे तभी राष्ट्र मजबूत बनेगा।

मुख्यमंत्री राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख की 16वीं पुण्यतिथि के संदर्भ में चित्रकूट स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध संस्थान में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम को विधानसभा भोपाल से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। स्व. नानाजी देशमुख की 16वीं पुण्यतिथि 27 फरवरी को है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चित्रकूट को भगवान श्री राम की तपोस्थली के साथ-साथ नानाजी देशमुख की कर्मस्थली होने का भी गौरव प्राप्त है। स्व. नानाजी देशमुख ने पं. दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के सपने को मूर्त रूप देने के संकल्प को, चित्रकूट से ही साकार करने का प्रण किया। इस उद्देश्य से ही ग्रामीण विश्वविद्यालय की स्थापना 1991 में चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के रूप में की गई। पीएम मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार स्व. नानाजी देशमुख की शिक्षाओं के अनुरूप समाज और देश के संवर्धन तथा सशक्तिकरण की दिशा में कार्य कर रही है। दीनदयाल शोध संस्थान, ग्रामीण विकास के साथ ही स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा, कृषि, स्वावलंबन और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की दिशा में अनुकरणीय कार्य कर रहा है। राज्य सरकार विरासत के साथ विकास को ध्यान में रखते हुए गांवों को मजबूत कर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे रही है। चित्रकूट में स्थानीय सांसद गणेश सिंह, विश्वविद्यालय के कुलगुरू आलोक दुबे, दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव अभय महाजन तथा विषय विशेषज्ञ और शोधार्थी मौजूद थे।

हर किसान के खेत तक पहुंचेगा सिंचाई के लिए पानी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों के सूखे खेतों में जब सिंचाई का पानी पहुंचता है तो मिट्टी सोना उगलती है। किसान कल्याण वर्ष 2026 में किसानों की समृद्धि के लिए उनके खेतों में सिंचाई की भरपूर व्यवस्था की जाएगी, जिससे वे वर्ष भर फसलें ले सकें। सिंचाई का रकबा बढ़ाने और हर खेत किसान के खेत तक पानी पहुंचाने के लिये मध्यप्रदेश के बजट 2026-27 में जल प्रदाय योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए है। प्रदेश में सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से सिंचित रकबे में निरंतर बढ़ोत्तरी हो रही है। शीघ्र ही प्रदेश में सिंचाई के रकबे को 100 लाख हैक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य पूरा कर लिया जाएगा।

मास्टर प्लान पर बहसः अंदरूनी खींचतान का खामियाजा जनता क्यों भुगते?

कांग्रेस ने मास्टर प्लान को लेकर प्रदेश सरकार को घेरा, सीएम और मंत्री के बीच समन्वय की कमी

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के आठवें दिन राजधानी की राजनीति का केंद्र बिंदु मास्टर प्लान बन गया। कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा परिसर में मीडिया से चर्चा के दौरान सरकार को घेरते हुए आरोप लगाया कि प्रदेश के प्रमुख शहरों भोपाल, इंदौर, ग्वालियर सहित अन्य नगरीय निकायों के मास्टर प्लान पिछले डेढ़ साल से लंबित पड़े हैं, जिससे विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि नगरीय प्रशासन मंत्री स्वयं सदन में स्वीकार कर चुके हैं कि मास्टर प्लान की फाइल लंबे समय से मुख्यमंत्री के पास लंबित है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि फाइल भेजी जा चुकी है, तो उस पर निर्णय क्यों नहीं हो रहा? सिंघार ने कहा कि भाजपा सरकार में मंत्री और मुख्यमंत्री के बीच खींचतान का खामियाजा प्रदेश की जनता भुगत रही है। नगरीय प्रशासन को न फ्री हैंड दिया जा रहा है, न ठोस निर्णय हो रहे हैं नतीजा, डेढ़ साल से शहरों का मास्टर प्लान अटका पड़ा है। उनके मुताबिक यह केवल प्रशासनिक देरी नहीं, बल्कि विकास को रोकने वाला निर्णय है। उन्होंने कहा कि इंदौर और भोपाल जैसे तेजी से बढ़ते शहरों को स्पष्ट और अद्यतन मास्टर प्लान की सख्त जरूरत है, ताकि भूमि उपयोग, सड़क नेटवर्क, जल निकासी, हरित क्षेत्र और सार्वजनिक सुविधाओं का समुचित नियोजन हो सके। सिंघार ने यह भी कहा कि मास्टर प्लान लंबित रहने का सीधा लाभ अवैध कॉलोनियों और अनियोजित निर्माण को मिल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि अवैध निर्माण पहले किए जाते हैं और बाद में उन्हें वैध कराने की कोशिश होती है, जिससे आम नागरिकों के साथ अन्याय होता है।

दो साल से क्यों अटकी फाइल?

कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के बयान का हवाला देते हुए कहा कि यदि मंत्री यह कह रहे हैं कि मास्टर प्लान की फाइल दो वर्ष पूर्व अनुमोदन के बाद मुख्यमंत्री को भेजी जा चुकी है, तो यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि निर्णय में देरी क्यों हो रही है। जयवर्धन सिंह ने कहा कि इससे सरकार के भीतर समन्वय की कमी सामने आती है। उन्होंने संकेत दिया कि यदि फाइल जानबूझकर लंबित रखी गई है, तो इसके पीछे के कारणों को सार्वजनिक किया जाना चाहिए। उनका आरोप था कि मास्टर प्लान लागू न होने से सरकारी तंत्र में कथित अनियमितताओं और अवैध वसूली की गुंजाइश बनी रहती है।

अवैध कॉलोनियों और शहरी अव्यवस्था का मुद्दा

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि मास्टर प्लान किसी भी शहर के सुनियोजित विकास की आधारशिला होता है। इसके अभाव में बेतरतीब निर्माण, ट्रैफिक समस्या, जलभराव, पार्किंग संकट और आधारभूत सुविधाओं की कमी जैसी समस्याएं बढ़ती हैं। विपक्ष का आरोप है कि बड़े शहरों में अवैध कॉलोनियों का फैलाव इसी नीति-गत देरी का परिणाम है। कांग्रेस ने मांग की है कि सरकार स्पष्ट करे कि मास्टर प्लान की फाइल वर्तमान में किस स्तर पर लंबित है और उसे लागू करने की समयसीमा क्या है। विपक्ष का कहना है कि राजधानी सहित प्रमुख शहरों के विकास को अनिश्चितता में नहीं छोड़ा जा सकता।

मंत्री ने कटारे को दी नसीहत

पीडब्लूडी मंत्री राकेश सिंह ने कांग्रेस एमएलए हेमंत कटारे को नसीहत देते हुए कहा कि आपकी टिप्पणियां हल्की होती हैं। मंत्री राकेश सिंह ने कहा, 'कटारे जी आप कितनी बार की विधायक हो? मुझे नहीं मालूम। मैं लोकसभा में 8 साल तक व्हिप चीफ रहा हूं। सदन में आप जो भी टिप्पणी करते हैं, वह बहुत हल्की होती हैं। सदन में हास परिहास भी हो सकते हैं, लेकिन उसकी संवेदनशीलता बनी रहनी चाहिए।' उन्होंने कटारे से यह भी कहा कि कई बार आपकी टिप्पणी हल्की होने से आपको लोग गंभीरता से नहीं लेते हैं।

इंजीनियरों ने इन-हाउस मरम्मत कर 100 दिन तक लगातार किया संचालित

संजय गांधी ताप विद्युत ने पेश की तकनीकी दक्षता की ऐतिहासिक मिसाल

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड की जिस यूनिट को वार्षिक रखरखाव के दौरान रोटर में क्रेक टरबाइन के लो-प्रेशर रोटर ग्रूव्स में गंभीर दरार होने और नए रोटर लगाने के लिए लगभग 48 माह लगते, उसी यूनिट को पावर जनरेटिंग कंपनी के इंजीनियरों ने इन-हाउस मरम्मत करके 100 दिन तक लगातार संचालित कर दिया। यहां जिस यूनिट का जिक्र किया जा रहा है वह संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर की 500 मेगावाट क्षमता यूनिट नंबर 5 है। इस यूनिट ने गत दिवस लगातार 100 दिन संचालित होने का रिकार्ड बनाया। संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर की 500 मेगावाट क्षमता की यूनिट नंबर 5 को गत वर्ष 10 जुलाई को के पिटल ओवरहालिंग के लिए बंद किया गया था।

देश में पहली बार यथा स्थान पर सुधारा रोटरः देश में पहली बार किसी एलपी टरबाइन रोटर की यथा स्थान पर इस तरह की मरम्मत की गई। इस जटिल व मुश्किल मरम्मत का सफल होना और उसके बाद 100 दिनों से यूनिट का एक सा संचालन इस कामयाबी को खास और शानदार बनाता है।

कंपनी मनवा रही अपना लोहा

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने कहा कंपनी के अभियंता न सिर्फ विद्युत गृहों के सुचारु संचालन से राष्ट्रीय पटल पर कंपनी का नाम रोशन कर रहे हैं, बल्कि अपने तकनीकी कौशल और काबिलियत से विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान सुदृढ़ कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तकनीकी नवाचार, जोखिम प्रबंधन और संसाधन अनुकूलन का टीम ने उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। यह उपलब्धि कंपनी के अभियंताओं व कार्मिकों की प्रतिबद्धता, दक्षता और टीम भावना का प्रमाण है।

मध्यप्रदेश में सरकारी नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया में बार-बार लापरवाही

कैग की रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा...पीएससी और विभागों में तालमेल नहीं

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मप्र लोक सेवा आयोग और प्रदेश के सरकारी विभागों के बीच समन्वय की कमी से प्रदेश में भर्तियां ही समय पर नहीं हो पा रही हैं। साल 2018 से 2023 के बीच प्रस्तावित 44 परीक्षाओं से में से सिर्फ 28 परीक्षाएं ही आयोजित की जा सकीं, बाकी 16 परीक्षाओं को लेकर विभाग विज्ञापन ही जारी नहीं कर सका। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक कैग ने प्रदेश में एमपी पीएससी स्तर की भर्ती की प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। अलग-अलग विभाग राज्य लोक सेवा आयोग की वेबसाइट के जरिए भर्ती के लिए आयोग को खाली पदों की जानकारी भेजते हैं। आयोग राज्य सिविल सेवा, वन सेवा और इंजीनियरिंग सेवाओं में भर्ती के लिए संबंधित विभागों से खाली पदों की जानकारी मांगता है।

सीएजी ने कहा-केरल मॉडल करें लागूः सीएजी ने राज्य शासन को भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए केरल लोक सेवा आयोग के मॉडल को अपनाने का सुझाव दिया है। केरल में एक माह का समय सीमा निर्धारित है। उधर सामान्य प्रशासन विभाग ने कहा है कि इसमें सुधार के लिए एक पोर्टल विकसित किया जा रहा है। इस पोर्टल पर खाली पदों को विभाग द्वारा ऑनलाइन अपलोड किया जाएगा।

बार-बार बदलते रहे कोटा

सीएम ने दिव्यांगों को आरक्षण को लेकर पूर्व में जताई गई आपत्तियों के बाद भी इसमें सुधार नहीं किया। उच्च शिक्षा विभाग में सहायक प्राध्यापक के 2371 खाली पदों की अधिसूचना फरवरी 2016 में निकाले जाने के बाद भी इसकी परीक्षा में चार साल का समय लग गया। विभाग द्वारा दिव्यांगजन कोट की गणना को लेकर बार-बार संशोधन जारी किया जाता रहा। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि आरक्षण नीति के अनुसार खाली पदों की जानकारी लेने के संबंध में कोई स्पष्ट आंतरिक व्यवस्था को नहीं अपनाया गया। इसके चलते नियुक्तियां आरक्षण विवादों में उलझती रहीं।

राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने महाकाल के किए दर्शन, कहा-

सुख हो या दुख, वे सदैव हमारी रक्षा करते हैं

सत्ता सुधार ■ भोपाल

धार्मिक नगरी उज्जैन से हमारा सदियों पुराना नाता रहा है। सूर्य मंदिर के पास हमारा आवास था और हम प्रतिदिन बाबा महाकाल के दर्शन के लिए आया करते थे। इस मंदिर से हमारी गहरी आस्था और जुड़ाव है। आज भी हम समय-समय पर यहां आते रहते हैं। बाबा महाकाल का आशीर्वाद हमेशा हमारे साथ रहता है। सुख हो या दुख, वे सदैव हमारी रक्षा करते हैं। यह बात वसुंधरा राजे ने ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन करने के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि राजस्थान के लोग बाबा महाकाल में गहरी श्रद्धा रखते हैं और बड़ी संख्या में यहां दर्शन के लिए आते हैं। पुजारी परिवार से भी हमारा पारिवारिक संबंध रहा है। सरकार की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने जनता की भावनाओं को ध्यान में रखकर मंदिर के सौंदर्यीकरण और विकास की परिकल्पना की थी। उसी का परिणाम है कि आज मंदिर भव्य और दिव्य स्वरूप में नजर आता है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं को अब किसी प्रकार की अव्यवस्था का सामना नहीं करना पड़ता। मीडिया से चर्चा से पूर्व वसुंधरा राजे ने बाबा महाकाल के दर्शन किए। इसके बाद भगवान श्री वीरभद्र जी तथा श्री महाकालेश्वर ध्वज चल समारोह में निकलने वाले ध्वज का विधिवत पूजन किया। मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल एवं सहायक प्रशासक प्रतीक द्विवेदी ने उनका स्वागत एवं सत्कार किया।

'वीमेन इन साइंस' थीम के साथ मनाया जाएगा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

नवाचार और नारी सहभागिता पर होगा विशेष फोकस

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मैपकास्ट) द्वारा 28 फरवरी को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' के अवसर पर प्रदेश में विज्ञान जागरूकता एवं नवाचार आधारित विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की थीम 'वीमेन इन साइंसः कैटेलाइजिंग विकसित भारत' है, जो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महिलाओं की सशक्त भूमिका और विकसित भारत के निर्माण में उनकी सक्रिय सहभागिता को रेखांकित करती है। थीम के अनुरूप आयोजनों में विज्ञान एवं अनुसंधान में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, महिला वैज्ञानिकों की उपलब्धियों को सम्मानित करने और छात्राओं को विज्ञान के क्षेत्र में करियर के लिए प्रेरित करने पर विशेष बल दिया जाएगा। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 का राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम 28 फरवरी को रवीन्द्र भवन, भोपाल में आयोजित होगा। कार्यक्रम में महिला वैज्ञानिकों एवं नवाचारकर्ताओं के विचार-विमर्श, विशेषज्ञ व्याख्यान, आईआईटी (बीएचयू), वाराणसी द्वारा 'स्टेम शो' और 41वें युवा वैज्ञानिक सम्मेलन के विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया जाएगा। आयोजन में लगभग 1500 विद्यार्थी एवं शिक्षक प्रत्यक्ष रूप से सहभागी होंगे। साथ ही प्रदेश के विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, स्वैच्छिक संगठनों और अनुसंधान संस्थानों से विद्यार्थी, शिक्षक, वैज्ञानिक एवं विज्ञान संचारक कार्यक्रम से ऑनलाइन जुड़ेंगे।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर प्रदेश के 45 जिलों में लगभग 260 शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों के सहयोग से व्यापक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें विज्ञान मॉडल प्रदर्शनियां, प्रेरक व्याख्यान, विज्ञान जागरूकता गतिविधियां, विद्यार्थी-उन्मुख कार्यक्रम, नवाचार आधारित प्रतियोगिताएं, विज्ञान फिल्म प्रदर्शन, भारतीय वैज्ञानिकों के योगदान पर संवाद तथा विद्यार्थी-वैज्ञानिक संवाद शामिल होंगे। इन गतिविधियों का उद्देश्य समाज में वैज्ञानिक चेतना और तार्किक सोच को प्रोत्साहित करना है।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस प्रतिवर्ष 28 फरवरी को महान भारतीय वैज्ञानिक सर सी.वी. रमन द्वारा वर्ष 1928 में 'रमन प्रभाव' की खोज की स्मृति में मनाया जाता है। इस खोज के लिए उन्हें वर्ष 1930 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वर्ष 1986 में भारत सरकार ने 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस घोषित किया। इस दिवस का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन को विज्ञान के प्रति प्रेरित करना, वैज्ञानिक उपलब्धियों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को सुदृढ़ करना है। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा आयोजित यह पहल प्रदेश में वैज्ञानिक सोच, नवाचार संस्कृति एवं लैंगिक समानता को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

बीहर रिवर फ्रंट शेष कार्य को शीघ्र पूर्ण करें: शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में रीवा शहर में पुनर्घनत्वीकरण योजना की प्रगति एवं आगामी कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न विकास योजनाओं, अधोसंरचना उन्नयन तथा सौंदर्यीकरण कार्यों पर विस्तार से चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। शुक्ल ने विशेष रूप से बीहर नदी के रिवर फ्रंट विकास कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि नदी के पूर्वी तट का सौंदर्यीकरण कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि पश्चिमी तट का कार्य शेष है। उन्होंने पश्चिमी तट पर शेष रिवर फ्रंट कार्य को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बीहर नदी के दोनों तटों का समग्र विकास होने से रीवा शहर को विशिष्ट पहचान मिलेगी तथा नागरिकों को बेहतर सार्वजनिक स्थल उपलब्ध होंगे। इसके साथ ही पुनर्घनत्वीकरण योजना अंतर्गत अन्य प्रस्तावित कार्यों को भी समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में परियोजनाओं के क्रियान्वयन की गति बढ़ाने, आवश्यक प्रशासनिक एवं तकनीकी स्वीकृतियों को शीघ्र पूर्ण करने तथा समन्वय के साथ कार्य करने पर बल दिया गया। उन्होंने केंद्रीय जेल रीवा में पुनर्घनत्वीकरण योजना के कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए।

भोपाल आज का तापमान

MIN 18 MAX 31

ब्रीफ न्यूज

पत्नी से विवाद के बाद लैब संचालक ने की खुदकुशी

भोपाल। राजधानी के कोलार इलाके में मामूली विवाद के बाद एक लैब संचालक द्वारा आत्मघाती कदम उठाने का मामला सामने आया है। गिरधर अपार्टमेंट निवासी 40 वर्षीय पुष्पेंद्र दोरे ने मंगलवार देर रात अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, घटना की जड़ में खाने को लेकर हुआ घरेलू विवाद बताया जा रहा है, दरअसल मंगलवार रात मर्जी का खाना न मिलने पर पुष्पेंद्र का पत्नी से झगड़ा हुआ था, जिसके बाद वे गुस्से में घर से निकल गए थे। देर रात वे चुपचाप घर लौटे और दूसरे कमरे में जाकर फंदे से लटक गए, जिसका पता परिजनों को बुधवार सुबह चला। कोलार थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम करा दिया है। मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है, जिसके चलते पुलिस अन्य पहलुओं पर भी जांच कर रही है।

बच्चों से न मिल पाने के गम में किसान ने की खुदकुशी

भोपाल। ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र के रायपुर गांव में एक 28 वर्षीय किसान गोलू साहू ने घरेलू कलह और पत्नी की धमकियों से तंग आकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार, गोलू का अपनी पत्नी से लंबे समय से विवाद चल रहा था और मामला दहेज प्रताड़ना के केस तक पहुंच गया था। मृतक के पिता का आरोप है कि पिछले एक साल से मायके में रह रही पत्नी न तो गोलू को अपने दो बच्चों से मिलने देती थी और न ही उसे चैन से रहने देती थी, वह लगातार फोन पर उसे अन्य झूठे केसों में फंसाने की धमकी दे रही थी। इसी मानसिक तनाव के चलते मंगलवार रात गोलू ने सल्फास का सेवन कर लिया, जिसके बाद बुधवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नई परिवहन नीति का विरोध तेज, डेढ़ लाख यात्रियों पर संकट गहराया

मध्यप्रदेश में बस ऑपरेटरों का हल्लाबोल, 2 मार्च से चक्काजाम

नई नीति में रिन्यूअल की प्रक्रिया को जटिल, महंगा कर दिया

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मध्य प्रदेश में नई परिवहन नीति के विरोध में निजी बस संचालकों ने आर-पार की जंग का ऐलान कर दिया है, जिससे प्रदेश की परिवहन व्यवस्था पूरी तरह चरमराने की कगार पर है। राजधानी भोपाल सहित प्रदेशभर के बस ऑपरेटरों ने आगामी 2 मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है। गौर करने वाली बात यह है कि यह हड़ताल होली के त्यौहार से ठीक दो दिन पहले शुरू हो रही है, जिसका सीधा असर प्रदेश के करीब 1.5 लाख दैनिक यात्रियों पर पड़ेगा। त्यौहार के कारण ट्रेनों में पहले से ही लंबी वेटिंग और टिकटों

की मारामारी है, ऐसे में बसों के पहिए थमने से घर जाने वाले आम यात्रियों की मुसीबतें कई गुना बढ़ना तय माना जा रहा है।

नई परिवहन नीति पर नाराजगी

बस एसोसिएशन का मुख्य विरोध सरकार द्वारा लागू की गई नई परिवहन नीति के प्रावधानों को लेकर है। बस ऑपरेटरों का तर्क है कि नई नीति में रूट आवंटन और रिन्यूअल की प्रक्रिया को न केवल जटिल बनाया गया है, बल्कि इसे काफी महंगा भी कर दिया गया है। इसके अलावा, डीजल की आसमान छूती कीमतों के बावजूद किराए में संशोधन का कोई लचीला प्रावधान नहीं रखा गया है। संचालकों का आरोप है कि सरकार नगर परिवहन और सरकारी बसों को प्राथमिकता देकर निजी बसों के रूट सीमित कर रही है, जो उनके व्यवसाय के लिए घातक है।

आर्थिक और सामाजिक प्रभाव

वर्तमान में प्रदेश में लगभग 28,000 बसें (ऑल इंडिया और स्टेज कैरिज) संचालित होती हैं। यदि यह हड़ताल खिंचती है, तो इसका असर केवल यात्रियों पर ही नहीं, बल्कि बस व्यवसाय से जुड़े हजारों ड्राइवरों, कंडक्टरों, मैकेनिकों और बुकिंग एजेंटों की रोजी-रोटी पर भी पड़ेगा। फिलहाल, भोपाल, इंदौर और ग्वालियर जैसे बड़े शहरों में आरटीओ को ज्ञापन सौंपे जा चुके हैं। प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस प्रतिक्रिया न आने के कारण यात्रियों में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है।

भोपाल में संविदा स्वास्थ्य कर्मियों का उग्र प्रदर्शन, महिला हुई बेहोश

पुलिस से झड़प, न्याय यात्रा रोकी, सीएम हाउस घेराव की कोशिश नाकाम, नौ सूत्रीय मांगों पर अड़ा कर्मचारी संघ

सत्ता सुधार ■ भोपाल

नियमितीकरण और नौ सूत्रीय मांगों को लेकर राजधानी के जेपी अस्पताल में बुधवार को संविदा और आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारियों ने उग्र प्रदर्शन किया। प्रदेशभर से जुटे हजारों कर्मचारियों ने जब मुख्यमंत्री निवास की ओर न्याय यात्रा निकालने की कोशिश की, तो पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर उन्हें रोक दिया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच जमकर धक्का-मुक्की और झड़प हुई। हंगामे और अफरा-तफरी के बीच धार जिले से अपने ढाई साल के बच्चे के साथ आई एक महिला कर्मचारी मीना परमार अचानक बेहोश होकर गिर पड़ीं, जिन्हें साथियों ने तत्काल प्राथमिक उपचार दिया। प्रशासन ने विधानसभा सत्र का हवाला देते हुए रैली की अनुमति देने से साफ इनकार कर दिया, जिसके बाद आक्रोशित कर्मचारी अस्पताल के मुख्य गेट पर ही धरने पर बैठ गए।

2 फरवरी से जारी है चरणबद्ध आंदोलन : समस्त स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारी महासंघ के बैनर तले यह आंदोलन पिछले 23 दिनों से जारी है। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह कौरव ने बताया कि कर्मचारी 2 फरवरी से काली पट्टी बांधकर विरोध जता रहे थे, लेकिन विभाग द्वारा मांगों

की अनदेखी किए जाने के कारण उन्हें सड़क पर उतरना पड़ा। प्रदर्शन में एड्स कंट्रोल कर्मचारी संगठन, नर्सिंग ऑफिसर एसोसिएशन और डेंगू-मलेरिया कर्मचारी संघ सहित कई संगठनों ने हिस्सा लिया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि वे प्रतिदिन 12 से 14 घंटे सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी जायज मांगों पर विचार नहीं कर रही है।

पुलिस ने उन्हें जबरदस्ती रोका : कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स एसोसिएशन की प्रेसिडेंट कोमल सिंह ने कहा, हमने बहुत इंतजार कर लिया। इससे कर्मचारियों में गुस्सा है। बुधवार को जब कर्मचारी न्याय मार्च निकाल रहे थे, तो पुलिस ने उन्हें जबरदस्ती रोक दिया। उन्होंने यह भी कहा कि कर्मचारियों के साथ हमेशा धोखा हुआ है। सरकार बदलने से हमें उम्मीद थी, लेकिन नई सरकार भी कर्मचारियों की मांगें पूरी नहीं कर रही है। अब कर्मचारियों के पास हड़ताल के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

पुलिस बोली- बिना अनुमति के प्रदर्शन : प्रोटेस्ट करने वालों को हॉस्पिटल कैंपस के गेट पर रोक दिया गया। पुलिस ने साफ किया कि किसी भी रैली या प्रदर्शन की इजाजत नहीं है। चल रहे लेजिस्लेटिव सेशन को देखते हुए कर्मचारियों से कहा गया कि वे अपना प्रोटेस्ट वहीं खत्म करें।

नियमितीकरण और वेतन वृद्धि मुख्य एजेंडा

आंदोलनकारियों की मुख्य मांग राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के आउटसोर्स कर्मचारियों को रिक्त पदों पर समायोजित कर नियमित करना है। इसके अलावा कर्मचारी न्यूनतम 21 हजार रुपए मासिक वेतन, निजी एजेंसियों को हटाकर सीधे बैंक खाते में भुगतान, 1 अप्रैल 2024 से लंबित एरियर, स्वास्थ्य बीमा और ग्रेच्युटी जैसी नौ सूत्रीय मांगों पर अड़े हैं। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उनकी मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लेते हैं, तो आने वाले दिनों में स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह ठप कर दी जाएंगी।

कैंसर का खतरा, लेकिन अलाउंस सिर्फ 50 रुपए : मध्य प्रदेश रेडियोलॉजी टेक्नीशियन एसोसिएशन के स्टेट प्रेसिडेंट वीरेंद्र राजपूत ने कहा कि सरकारी रेडियोलॉजी टेक्नीशियन को पिछले 35 सालों से रेडिएशन अलाउंस के तौर पर सिर्फ 50 रुपए मिल रहे हैं। इसमें कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, महाराष्ट्र समेत दूसरे राज्यों में अलाउंस 1,500 से 2,500 रुपये तक है। यह तब है जब लंबे समय तक रेडिएशन के संपर्क में रहने से कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। अब तक हमारे 20 साथियों की कैंसर से मौत हो चुकी है, और छह मरीजों का अभी भी इलाज चल रहा है।

भोपाल में प्रेमिका ने ही रची प्रेमी की हत्या की साजिश

डेढ़ साल से थे अवैध संबंध, सिक्योरिटी गार्ड के साथ साजिश

सत्ता सुधार ■ भोपाल

राजधानी के बीएचईएल स्पोर्ट्स क्लब के पास झाड़ियों में मिले युवक के शव की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। हत्या की मास्टरमाइंड मृतक की प्रेमिका निकली, जिसने अपने एक सुरक्षाकर्मी दोस्त के साथ मिलकर इस सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया। मंडीदीप निवासी 46 वर्षीय ताराचंद पटेल की हत्या महज इसलिए कर दी गई क्योंकि वह शराब के नशे में अपनी प्रेमिका के साथ अभद्र व्यवहार और गाली-गलौज करता था। एसीपी अदिति भावसार ने बुधवार को मामले का खुलासा करते हुए बताया कि मुख्य आरोपी रानी अहिरवार और उसके साथी कृष्णपाल यादव को गिरफ्तार कर लिया गया है। 21 फरवरी को ताराचंद का शव सुनसान इलाके में बरामद हुआ था, जिसके बाद पुलिस ने परिजनों के बयानों के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने में सफलता हासिल की।

अपमान और मारपीट से परेशान थी महिला

आरोपी महिला रानी ने पूछताछ में बताया कि ताराचंद के साथ उसके पिछले डेढ़ साल से संबंध थे। ताराचंद अक्सर उसके घर आकर रुकता था और आर्थिक मदद भी करता था, लेकिन शराब पीकर वह रानी और उसकी बच्चियों के सामने ही अश्लील बातें और मारपीट करता था। रानी का आरोप है कि ताराचंद के परिजन भी फोन पर उसे प्रताड़ित करते थे, जिससे तंग आकर उसने उसे रास्ते से हटाने का फैसला कर लिया।

झाड़ियों में बुलाकर किया जानलेवा हमला : रानी ने अपनी परेशानी अपने दोस्त कृष्णपाल यादव को बताई, जो पेशे से सिक्योरिटी गार्ड है। दोनों ने मिलकर ताराचंद को ठिकाने लगाने की योजना बनाई। साजिश के तहत रानी ने ताराचंद को मिलने के बहाने बीएचईएल स्पोर्ट्स क्लब के पास बुलाया। जैसे ही वह सुनसान जगह पहुंचा, वहां पहले से मौजूद कृष्णपाल और रानी ने मिलकर उस पर हमला कर दिया और उसकी हत्या कर दी।

होली के लिए सजे पिचकारी, रंग और गुलाल के बाजार

युवाओं के ग्रुप तैयार करवा रहे थीम बेस्ड टी-शर्ट

सत्ता सुधार ■ भोपाल

रंगों के मस्ती भरे त्यौहार होली में अब कुछ ही दिन बचे हैं। इंदौर के परंपरागत बाजार रानीपुरा में भी रंग, गुलाल और पिचकारी की दुकानें सज गई हैं। यहां से होलसेल का व्यापार होली के एक महीने पहले से शुरू हो जाता है। शहर के अन्य बाजारों में भी फुटकर व्यापारियों ने अपनी दुकानों को सजाने की तैयारियां कर ली हैं। शहर से पूरे प्रदेश में हर तरह के सामान के होलसेल व्यापार के साथ ही होली पर भी शहर से रंग, गुलाल और पिचकारियों का व्यापार होता है। होली के रंगों के होलसेल व्यापारियों के अनुसार, बीते एक महीने से रंग, गुलाल और पिचकारियों को लेकर खरीदारी शुरू हो गई है। बाजार में नई थीम की पिचकारियों की भी काफी मांग है। फिलहाल होलसेल का बाजार ही चल रहा है। होली से 3 दिन पहले रिटेल का बाजार शुरू होगा। सेल लगी इलेक्ट्रिक गन पिचकारी, प्रेशर गन पिचकारी, सीजफायर, टैंक, फैंसी पंप जैसी कई अलग-अलग पिचकारियां इस साल भी मांग में है। मुखौटे और रंगीन नकली बाल को लेकर युवाओं में क्रेज है। न्यूमार्केट में करीब 50 से अधिक छोटी-बड़ी दुकानें हैं, जहां पर रंग, गुलाल आदि मिलता है। इस साल भी हर्बल रंगों की मांग ज्यादा है।

बच्चों के लिए कार्टून प्रिंट की टी-शर्ट की मांग

होली को लेकर इस बार प्रिंट टी-शर्ट की मांग भी पिछले साल की तुलना में बेहतर है। सबसे ज्यादा राधा-कृष्ण की तस्वीर वाली टी-शर्ट, फिल्म डायलॉग लिखी टी-शर्ट पसंद की जा रही है। बच्चों के लिए खास कार्टून प्रिंट वाली टी-शर्ट मांग में बनी हुई है। होली के लिएस बसे ज्यादा उत्साहित युवा अभी से एक जैसी थीम वाली टी-शर्ट की खरीदी करने के साथ स्पेशल ऑर्डर देकर भी थीम टी-शर्ट तैयार करवा रहे हैं।

हर्बल रंगों की मांग बढ़ी

बीते कुछ साल से शहर में हर्बल रंग की मांग तेजी से बढ़ी है। बच्चों के साथ ही युवा अब इसी की मांग करते है। ये त्वचा पर सुरक्षित होने के साथ ही जल्दी से छूट जाते है। प्राकृतिक और हर्बल रंगों को बनाने के लिए शहर में कई संस्थाएं होली से एक महीने पहले से वर्कशॉप शुरू कर देती है और हर्बल रंग तैयार कर बेचती है। हर्बल गुलाल हाथरस (उत्तरप्रदेश) से आता है।

भोपाल संभाग के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक कल

भोपाल। राजधानी के संभाग आयुक्त कार्यालय में शुक्रवार को विकास कार्यों की व्यापक समीक्षा की जाएगी। प्रभारी अपर मुख्य सचिव संजय कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में शाम 5 बजे से आयोजित इस संभागीय बैठक में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी शामिल होकर प्रगति कार्यों का जायजा लेंगे। बैठक में भोपाल संभाग के सभी कलेक्टर्स, मुख्य कार्यपालन अधिकारी और संबंधित विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य की गई है। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि यदि कोई जिला कलेक्टर किसी अपरिहार्य कारणवश भौतिक रूप से उपस्थित नहीं हो पाता है, तो वह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चर्चा में शामिल हो सकेगा।

भोपाल में अक्कू गैंग का हमला बेसुध होने तक युवक को पीटा

युवक पर किए 38 सेकंड में दर्जनभर वार

सत्ता सुधार ■ भोपाल

राजधानी के भीम नगर इलाके में पुरानी रंजिश और राजीनामे के दबाव को लेकर आधा दर्जन नकाबपोश बदमाशों ने सरेराह दो युवकों पर जानलेवा हमला कर दिया, जिससे पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। अक्कू उर्फ आकाश और विशाल चपटी गैंग के करीब आधा दर्जन नकाबपोश बदमाशों ने मंगलवार रात राघवेंद्र सेन नामक युवक को घेरकर महज 38 सेकंड के भीतर चाकू, डंडे और भारी पत्थरों से एक दर्जन से अधिक वार किए। हमला इतना बर्बर और सुनियोजित था कि बदमाश राघवेंद्र के बेसुध होकर जमीन पर गिरने के बाद भी उसे लगातार पीटते रहे। वारदात का एक रोंगटे खड़े कर देने वाला सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है, जिसमें बदमाश बेखौफ होकर खूनी खेल खेलते नजर आ रहे हैं। इस हमले में बीच-बचाव करने आए राघवेंद्र के

दोस्त सौरभ विश्वकर्मा को भी गंभीर चोटें आई हैं, जिसके बाद दोनों घायलों को नाजुक हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

राजीनामे के लिए बनाया जा रहा था दबाव : पुलिस के अनुसार, पीड़ित राघवेंद्र ने पूर्व में आरोपियों के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज कराया था। बदमाश अक्कू और विशाल लगातार उसे केस वापस लेने और समझौता करने की धमकी दे रहे थे। राघवेंद्र के झुकने से इनकार करने पर बदमाशों ने दहशत फैलाने के लिए उस पर हमला बोला।

वर्चस्व कायम करने की थी मंशा

आरोपी इलाके के पुराने बदमाश हैं और लोगों में अपना खौफ बनाए रखना चाहते थे। चश्मदीदों के मुताबिक, बदमाशों ने सरेआम इस वारदात को अंजाम देकर यह संदेश देने की कोशिश की है कि उनके खिलाफ पुलिस में जाने वालों का अंजाम बुरा होगा।

कार्रवाई की मांग आरोपियों को फांसी देने की मांग, जन्नत के नाम पर युवतियों का शोषण

भोपाल धर्मांतरण कांड पर बवाल, बजरंग दल का उग्र प्रदर्शन

सत्ता सुधार ■ भोपाल

राजधानी के बागसेवनिया इलाके में धर्मांतरण और देह शोषण के सनसनीखेज गिरोह का खुलासा होने के बाद शहर में भारी जनाक्रोश व्याप्त है। बुधवार को बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने थाने का घेराव कर प्रदर्शन किया और आरोपियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की मांग की। पुलिस जांच में सामने आया है कि यह गिरोह द केरल स्टोरी फिल्म की तर्ज पर आर्थिक रूप से कमजोर छात्राओं और युवतियों को नौकरी व बेहतर जीवन का झांसा देकर अपने जाल में फंसाता था। गिरोह पर आरोप है कि वे युवतियों को नशीला पदार्थ देकर उनका शोषण करते थे और आपत्तिजनक वीडियो बनाकर उन्हें धर्म परिवर्तन के लिए ब्लैकमेल करते थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए भाजपा विधायक ने भी आरोपियों को फांसी देने की मांग उठाई है, वहीं पुलिस इस पूरे नेटवर्क के अंतरराष्ट्रीय और अंतर्राज्यीय कनेक्शन खंगालने में जुटी है।

नशीला पदार्थ और ब्लैकमेलिंग का खेल

पुलिस के अनुसार, इस गिरोह का संचालन दो सगी बहनें और उनके सहयोगी कर रहे थे। ये लोग युवतियों को बेबीसिटर या अन्य नौकरी का लालच देकर बुलाते थे, फिर उनका वीडियो बनाकर उन्हें धर्मांतरण के लिए मजबूर किया जाता था। आरोपियों के मोबाइल से कई संदिग्ध चैट और

आपत्तिजनक डिजिटल साक्ष्य मिले हैं, जिनकी फोरेंसिक जांच कराई जा रही है।

नेटवर्क की तह तक जाएगी पुलिस : प्रकरण की जांच के लिए विशेष टीम का गठन किया गया है। पुलिस यह पता लगा रही है कि इस धर्मांतरण गिरोह के तार अहमदाबाद, मुंबई या अन्य बड़े शहरों से तो नहीं जुड़े हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पीड़िताओं के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और जल्द ही इस जन्नत कनेक्शन वाले रैकेट के मास्टरमाइंड का खुलासा किया जाएगा।

हिंदू संगठनों ने दी बड़े आंदोलन की चेतावनी

प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि आरोपियों पर नए धर्मांतरण कानून के तहत केस दर्ज कर उनकी संपत्तियों पर कार्रवाई की जाए। हिंदू संगठनों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि पीड़ित युवतियों को न्याय नहीं मिला और गिरोह के सभी सदस्यों की गिरफ्तारी नहीं हुई, तो पूरे प्रदेश में उग्र आंदोलन छेड़ा जाएगा।

चाइनीज धागे का उपयोग, बिक्री व भंडारण अब दण्डनीय अपराध

भोपाल। राजधानी में पतंगबाजी के लिए इस्तेमाल होने वाले जानलेवा चायना धागे (चायनीज मांझा) पर पुलिस प्रशासन ने पूरी तरह से रोक लगा दी है। पुलिस आयुक्त संजय कुमार ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 163 (2) के तहत आदेश जारी करते हुए भोपाल मेट्रोपोलिटन सीमा में इसके उपयोग, विक्रय और भंडारण को प्रतिबंधित कर दिया है। जन-सुरक्षा को देखते हुए यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है, जिसका उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस

आयुक्त कुमार के अनुसार, चायना धागे की अत्यधिक मजबूती और उस पर लगे कांच के चूरे के कारण आए दिन राहगीर और दोपहिया वाहन चालक घायल हो रहे हैं। इसके साथ ही बेजुबान पक्षियों के फंसने और उनकी मृत्यु की घटनाएं भी लगातार सामने आ रही हैं। इसी खतरे को भांपते हुए प्रशासन ने एकपक्षीय रूप से यह प्रतिबंधात्मक आदेश पारित किया है।

शिक्षा से ही जीवन में आगे बढ़ने का मार्ग होता है प्रशस्त

- जनजातीय, गरीब परिवार को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाना सर्वोच्च प्राथमिकता
- राज्यपाल धरती आबा ग्राम सलैया के कार्यक्रम में हुए शामिल

सत्ता सुधार ■ भोपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि शिक्षा से ही जीवन में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त होता है। शिक्षा जीवन में प्रगति का आधार है। प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने जनजातीय और वंचितों को शासन की योजनाओं का प्राथमिकता से लाभ दिलाने पर जोर दिया है।

उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से समाज के अंतिम व्यक्ति का सशक्तिकरण संभव होगा। राज्यपाल मंगुभाई पटेल मऊगंज जिले के हनुमना जनपद अंतर्गत दूरस्थ जनजातीय धरती आबा ग्राम सलैया खास में आयोजित कार्यक्रम में बुधवार को शामिल हुए।

योजनाओं का लाभ जनजातीय परिवारों को मिलेगा

राज्यपाल पटेल ने कहा कि बिरसा मुंडा के त्याग से प्रेरणा लेकर जनजातीय समाज के उत्थान के लिए कार्य करना चाहिए। उन्होंने बताया कि धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना के तहत 18 विभागों की योजनाओं का लाभ जनजातीय परिवारों को मिलेगा। उन्होंने जनजातीय युवाओं को शिक्षित होकर समाज को जागरूक करने और मुख्यधारा में शामिल करने के प्रयासों में सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने महिला सशक्तिकरण में स्वसहायता समूहों के योगदान की सराहना की। सिकल सेल उन्मूलन के लिए संवेदनशील प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 15 हजार करोड़ रूपये के प्रावधान की जानकारी दी। प्रधानमंत्री के प्रति आभार प्रदर्शन किया। उन्होंने निक्षय मित्र योजना, उज्ज्वला योजना सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों को प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

144 ग्रामों को धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना से जोड़ना

राज्यपाल पटेल ने सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों की सराहना सांसद जनार्दन मिश्र ने की। उन्होंने सलैया मार्ग निर्माण के लिए सांसद निधि से राशि उपलब्ध कराने की जानकारी दी। विधायक प्रदीप पटेल ने कहा कि हनुमना क्षेत्र के 144 ग्रामों को धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना से जोड़कर जनजातीय विकास और मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम में राज्यपाल पटेल का जनजातीय पारंपरिक नृत्य शैला एवं कर्मा से स्वागत हुआ। भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ शुभारंभ हुआ।

राज्यपाल ने ग्रामीण चौपाल में किया जनसंवाद

राज्यपाल पटेल ने मऊगंज जिले के ग्राम सलैया खास में प्रथम प्रवास के दौरान ग्रामीण चौपाल में जनसंवाद किया। उन्होंने ग्रामीणों और अधिकारियों से आंगनबाड़ी, स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं की जानकारी ली। जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और अंतिम व्यक्ति तक विकास को पहुंचाने पर जोर दिया।

राज्यपाल ने हितलाभ वितरण एवं प्रदर्शनी का किया अवलोकन

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया। इस अवसर पर राज्यपाल द्वारा जनजातीय नायकों मोतीलाल बैगा, सुदर्शन सिंह गोंड़ तथा जगन्नाथ कोल का शॉल और श्रीफल से सम्मान किया। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी ली। राज्यपाल ने हितग्राहियों को योजनाओं का अधिकतम लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

ब्रीफ न्यूज़

भोपाल के 30 इलाकों में आज बिजली गुल

भोपाल। राजधानी के करीब 30 प्रमुख इलाकों में गुरुवार को बिजली कंपनी द्वारा किए जा रहे आवश्यक मेंटेनेंस कार्य के चलते 3 से 6 घंटे तक बिजली कटौती की जाएगी। इस कटौती का सर्वाधिक असर दानिशकुंज फेज-1 व 2, ईदगाह हिल्स, रोशनपुरा, प्रभु नगर और टीला जमालपुरा जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में देखने को मिलेगा। सुबह 10 बजे से शुरू होने वाला यह सिलसिला शाम 5:30 बजे तक अलग-अलग चरणों में जारी रहेगा। बिजली कंपनी ने उपभोक्ताओं को सलाह दी है कि वे सुबह 10 से दोपहर 3 बजे (दानिशकुंज, रोशनपुरा), सुबह 11 से शाम 4 बजे (ईदगाह हिल्स, संजय नगर) और दोपहर 12 से 2 बजे (टीला जमालपुरा, पुतलीघर) के बीच होने वाली इस कटौती को देखते हुए अपने बिजली संबंधी जरूरी काम समय से पहले निपटा लें। मेंटेनेंस के कारण त्रिपति अभिनव होम्स, लेक पर्ल गार्डन और आदित्य एवेन्यू जैसे क्षेत्रों में भी दोपहर के समय सप्लाई बाधित रहेगी।

होली पर भोपाल रेल मंडल चलाएगा 4 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें

भोपाल। होली के त्यौहार पर यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे ने भोपाल और आरकेएमपी से रीवा व दानापुर के लिए चार जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। यह सुविधा 27 फरवरी से शुरू होकर 5 मार्च तक उपलब्ध रहेगी, जिससे घर जाने वाले यात्रियों को कन्फर्म टिकट और आरामदायक सफर मिल सकेगा। रेल मंडल के अनुसार, गाड़ी संख्या 02192/02191 और 02186/02185 रीवा-रानी कमलापति के बीच 28 फरवरी, 2 व 3 मार्च को संचालित होगी, जो दोपहर 12:30 बजे प्रस्थान कर रात 9:15 बजे गंतव्य तक पहुंचेगी। इसी प्रकार, भोपाल-रीवा स्पेशल (01704/01703) 5 मार्च को चलेगी, जबकि लंबी दूरी के यात्रियों के लिए रानी कमलापति-दानापुर स्पेशल (01667/01668) 27 फरवरी और 2 मार्च को रवाना होगी। यात्री इन स्पेशल ट्रेनों के लिए आईआरसीटीसी की वेबसाइट या आरक्षण केंद्रों से बुकिंग करा सकते हैं।

दो साल से फरार बदमाश पिस्टल सहित जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार

भोपाल। पुराने शहर के थाना हनुमानगंज पुलिस ने एक ऐसे फरार इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है, जो 2 साल से फरार चल रहा था। पुलिस ने उसके पास से अवैध देशी पिस्टल और 2 जिंदा कारतूस बरामद किये है। पकड़ाया गया बदमाश आरोपी कपिल उर्फ कल्लू मालवीय आदतन अपराधी है, उसके खिलाफ शहर के अलग-अलग थानो में 15 से अधिक गंभीर मामले दर्ज है। 23 फरवरी को मुखबिर से सूचना मिली की पटेल मार्केट घोड़ा नक्कास में स्थित होटल अमरदीप पैलेस के कमरा नंबर 218 में एक संदिग्ध युवक मौजूद है जिसके पास अवैध पिस्टल भी है। खबर मिलने पर पुलिस टीम ने होटल के कमरे पर दबिश दी कमरे के अंदर एक युवक मिला। पूछताछ करने पर उसकी पहचान कपिल उर्फ कल्लू मालवीय पिता भगवानदास मालवीय (32) निवासी साहू मोहल्ला टीलाजमालपुरा के रुप में हुई।

अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम को बढ़ावा देने 85 महाविद्यालयों का बीओएटी के साथ एमओयू

10 हजार से अधिक विद्यार्थियों को रोजगार का प्रशिक्षण दिलाने का लक्ष्य

- सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय भोपाल में हुआ राज्यस्तरीय एमओयू कार्यक्रम

सत्ता सुधार ■ भोपाल

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों को अप्रेंटिसशिप के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ उद्योग आधारित व्यावहारिक शिक्षा प्राप्त हो और रोजगारपरक कौशल में वृद्धि हो, इस उद्देश्य से बुधवार को अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम को बढ़ावा देने के लिए अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन एवं आयुक्त उच्च शिक्षा प्रबल सिपाहा की उपस्थिति में 85 महाविद्यालयों, 5 शासकीय एवं 3 निजी विश्वविद्यालयों ने क्रिस्प, नई दिल्ली के सहयोग से बोर्ड ऑफ अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग (बीओएटी) के साथ एमओयू किया। महाविद्यालय, विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों और बोर्ड ऑफ अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग के पदाधिकारियों ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। राज्य स्तरीय समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह का आयोजन सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय में भोपाल में हुआ। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन ने कहा कि वर्ष 2024-25 में एईडीपी प्रारंभ किया गया था। विभाग का प्रयास है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसरण में, शिक्षा को रोजगारमूलक बनाया जाए तथा विद्यार्थियों को पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ, उद्योग जगत की आवश्यकता अनुरूप रोजगारोन्मुखी शिक्षा उपलब्ध कराई जाए।

ऑनलाइन पढ़ाई की सुविधा भी प्रदान की जा रही

राजन ने कहा कि वर्तमान में आईआईटी दिल्ली के सहयोग से एआई, एआई के साथ फिनटेक एवं एईडीपी पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। आज की आवश्यकता के अनुरूप विद्यार्थियों को ऑनलाइन पढ़ाई की सुविधा भी प्रदान की जा रही है। उच्च शिक्षा विभाग, स्वयं पोर्टल सहित विभिन्न डिजिटल माध्यमों के जरिए निरंतर आगे बढ़ रहा है और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान स्थापित कर रहा है। राजन ने कहा कि एईडीपी पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों को अप्रेंटिसशिप की सुविधा मिलेगी। साथ ही अप्रेंटिसशिप अवधि के दौरान प्रतिमाह स्टाइपेंड भी दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि एईडीपी कोर्स के क्रियान्वयन में निजी शैक्षणिक संस्थान भी आगे आ रहे हैं।

विद्यार्थियों को रोजगार उपलब्ध करवाने लगातार किए जा रहे प्रयास

आयुक्त, उच्च शिक्षा प्रबल सिपाहा ने कहा कि विद्यार्थियों को रोजगार उपलब्ध करवाने की दिशा में, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। कौशल आधारित एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे विद्यार्थियों में रोजगार निमित्त कौशल बढ़ेगा और उन्हें करियर के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। सेवानिवृत्त आईएएस एवं संस्थापक सदस्य, सेंटर फॉर रिसर्च इन स्कीम्स एंड पॉलिसीज (योजनाओं और नीतियों पर अनुसंधान केंद्र) राधेश्याम जुलानिया ने क्रिस्प द्वारा किए जा रहे कार्यों के संबंध में महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों को विस्तार से जानकारी दी।

एमओयू का उद्देश्य

एमओयू कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को अप्रेंटिसशिप से जोड़ना है। इसके अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2025–26 में एईडीपी लागू करने वाले संस्थानों को प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। इससे विद्यार्थियों को उद्योग आधारित व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा, जिससे उनका रोजगार निमित्त कौशल निखरेगा। साथ ही अकादमिक शिक्षा को कौशल एवं उद्योग आवश्यकताओं से जोड़कर युवाओं को भविष्य के रोजगार अवसरों के लिए सक्षम और तैयार किया जाएगा।

समझौता हस्ताक्षर कार्यक्रम में डॉ. पीएन जुमले सहित विश्वविद्यालयों के कुलगुरु, कुलसचिव तथा महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं नोडल अधिकारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक वर्ष 2024–25 में एईडीपी प्रारंभ किया गया था। इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रारंभिक चरण में 6 सेक्टर स्किल काउंसिल से जुड़े 7 पाठ्यक्रमों का संचालन प्रदेश के 36 महाविद्यालयों एवं 5 विश्वविद्यालयों में किया गया। शैक्षणिक वर्ष 2025–26 में कार्यक्रम का विस्तार करते हुए 7 सेक्टर स्किल काउंसिल से संबद्ध 10 पाठ्यक्रमों का प्रदेश के 85 महाविद्यालयों एवं 5 विश्वविद्यालयों में संचालन किया जा रहा है। आगामी शैक्षणिक वर्ष 2026–27 में इसका और अधिक विस्तार करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिससे अधिक से अधिक युवाओं को कौशल आधारित एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा उपलब्ध कराई जा सके।

एम्स भोपाल की छात्रा ने राष्ट्रीय स्तर पर लहराया परचम

भोपाल। एम्स भोपाल की नर्सिंग छात्रा हिमानी धौनी ने फरीदाबाद में आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय सम्मेलन एवं नर्सिंग रिसर्च समिट 2026 में संस्थान का नाम रोशन किया है। एम.एससी. नर्सिंग (द्वितीय वर्ष) की छात्रा हिमानी ने स्नातकोत्तर श्रेणी के मौखिक शोध प्रस्तुतीकरण में देश भर में तृतीय स्थान प्राप्त किया। उनका यह शोध मुख्य रूप से गर्भवती महिलाओं की नींद की गुणवत्ता में सुधार लाने पर केंद्रित था, जिसे विशेषज्ञों द्वारा मातृ स्वास्थ्य की दिशा में एक प्रभावी और व्यावहारिक पहल माना गया है।

जानलेवा हमला करने वालों को सात साल की सजा

भोपाल। राजधानी की जिला अदालत ने कातिलाना हमला करने वाले आरोपियों अजय पंवार, अजय बमनेरे, उमेश बमनेरे, नीलेश उर्फ नीलू बमनेरे, गोलू राठौर एवं सुरेश मैनन को सुनवाई पूरी होने के बाद दोषी करार देते हुए सात साल की सजा दिए जाने का फैसला सुनाया है। यह निर्णय अपर सत्र न्यायाधीश जयंत शर्मा की कोर्ट ने दिया है। आरोपियों ने पुरानी रंजिश को लेकर छुरी, चाकू तथा पिस्टल से हमला कर फरियादी की हत्या का प्रयास कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया था। आरोपियों को पांच साल के सश्रम कारावास सहित 7500 रुपए के अर्थदण्ड के जुर्माने की सजा भी सुनाई है। थाना टीटी नगर इलाके में 21 अगस्त 2019 को शास्त्री नगर भोपाल में सार्वजनिक स्थल पर फरियादी सुधीर डेहरिया पर पुराने विवाद को लेकर को आरोपियों ने धारदार छुरी एवं चाकू मारकर तथा पिस्टल से गोली चलाकर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया था। गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ फार्मेसी में व्याख्यान

सत्ता सुधार ■ भोपाल

एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में बी.फार्म द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए 'एंटीएपिलेप्टिक दवाओं का अवलोकन' विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

यह व्याख्यान डॉ. प्रदीप कुमार मोहंती, फैकल्टी, स्कूल ऑफ फार्मेसी द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. एके सिंघई, निदेशक, स्कूल ऑफ फार्मेसी एवं डीन एकेडमिक्स द्वारा स्वागत भाषण के साथ हुआ। अपने संबोधन में उन्होंने मिर्गी (एपिलेप्सी) के प्रभावी प्रबंधन में एंटीएपिलेप्टिक दवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को समझने की आवश्यकता पर जोर दिया। व्याख्यान के दौरान डॉ. मोहंती ने मिर्गी का विस्तृत परिचय देते हुए बताया कि यह एक दीर्घकालिक न्यूरोलॉजिकल विकार है, जिसमें मस्तिष्क में अचानक, अत्यधिक और असामान्य विद्युत गतिविधि के कारण बार-बार दौरे (सीज़र्स) आते हैं। उन्होंने समझाया कि यह स्थिति उत्तेजक न्यूरोट्रांसमीटर (जैसे ग्लूटामेट) और अवरोधक न्यूरोट्रांसमीटर के बीच असंतुलन के कारण उत्पन्न होती है। मिर्गी के वर्गीकरण को भी विस्तार से समझाया गया, जिसमें फोकल (आंशिक) और जनरलाइज़्ड सीज़र्स शामिल हैं। जनरलाइज़्ड सीज़र्स के प्रकार-टॉनिक-क्लोनिक, एब्सेंस, मायोक्लोनिक और एटोनिक-पर विशेष रूप से चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त, उन्होंने सामान्यतः उपयोग की जाने वाली एंटीएपिलेप्टिक दवाओं जैसे फेनिटोइन, कार्बामाज़ेपिन, सोडियम वैल्प्रोएट, एथोसक्सिमाइड और लेवेटिरासेटम की कार्यविधि (मेकैनिज़्म ऑफ एक्शन) पर प्रकाश डाला। साथ ही महत्वपूर्ण निषेध भी बताए, जैसे-गर्भावस्था और यकृत रोग में वैल्प्रोएट का प्रयोग न करना, बोन मैरो डिप्रेशन में कार्बामाज़ेपिन से बचना तथा गंभीर श्वसन अवसाद की स्थिति में बेंजोडायज़ेपाइन्स का उपयोग न करना।

वेंडर ने पड़ोसी युवक पर किया जानलेवा हमला

भोपाल। बजरिया थाना इलाके में स्थित विजय नगर में सोमवार शाम ट्रेनों में सामान बेचने वाले वेंडर ने पड़ोसी युवक पर धारदार वस्तु से घातक हमला कर दिया। आरोपी ने उसके गले पर वार किया था, युवक ने झुककर बचाने की कोशिश की जिसमें उसका बायां कान बुरी तरह से फट गया। गंभीर हालत में उसे इलाज के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया गया है की घायल युवक आरोपी के पिता से गाली-गलौज कर रहा था, जिसे लेकर उनके बीच विवाद हो गया। पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला कायम कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक विजय नगर स्टेशन बजरिया में रहने वाला राजू प्रजापति (30) ट्रेनों में सामान बेचने का काम करता है। उसके पड़ोस में संगम साहू अपने परिवार के साथ रहता है। संगम भी वेंडर है। दो दिन पहले किसी बात को लेकर राजू प्रजापति ने संगम के दिव्यांग पिता से गाली-गलौज कर दी थी। उस समय संगम घर पर नहीं था। दो दिन बाद 23 फरवरी की शाम पिता ने बेटे को गाली-गलौज की बात बताई। पिता की बात सुनकर संगम आक्रोशित हो गया और इसी बात को लेकर उसकी राजू से मारपीट हो गई। मारपीट के दौरान ही उसने सड़क पर पड़ी लोहे की धारदार तिकोनी तरह की धारदार वस्तु से राजू पर जानलेवा हमला कर दिया।

कार्यालय संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग दमोह
E-Mail ID - eedmohb@mp.gov.in
phone No. 07812-223809

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मंडल कालोनी धौलिवास्तेड़ा हटा स्थित एल.आई.जी. भूखण्ड क्रमांक 24 श्री रजनीश तिवारी पिता श्री रामविलास तिवारी को इस कार्यालय के आवंटन आदेश क्रमांक 2495-96 दिनांक 25.08.2014 के द्वारा आवंटित है। श्री रजनीश तिवारी ने इस भूखण्ड का मण्डल से विक्रय विलेख दिनांक 31.03.2015 को करा लिया है। तत्पश्चात दिनांक 24.11.2025 को यह भूखण्ड उपपंजीयक कार्यालय हटा के द्वारा श्री नरेन्द्र साहू पिता श्री रमेश साहू एवं श्री सुरेन्द्र साहू पिता श्री रमेश साहू को विक्रय कर दिया अब इस संबंध में क्रेता श्री नरेन्द्र साहू एवं सुरेन्द्र साहू अपने नाम से हस्तांतरण कराना चाहते हैं जिस हेतु आवेदन, शपथ पत्र, विक्रय विलेख की प्रति संयुक्त शपथ पत्र, के आधार पर ऑनलाइन के माध्यम से प्रस्तुत किया है। यदि किसी व्यक्ति / संस्था बैंक या हित रखने वाले वैध उत्तराधिकारी को आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने के 15 दिवस के अंदर लिखित वैध आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात हस्तान्तरण / नामान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी व्यक्ति/संस्था या बैंक का कोई दावा मान्य नहीं होगा।

(आर.के. बाथम)
संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल संभाग दमोह

कार्यालय संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग दमोह
E-Mail ID - eedmohb@mp.gov.in
phone No. 07812-223809

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मंडल कालोनी विवेकानंद नगर सेक्टर सी स्थित एल.आई.जी. भूखण्ड क्रमांक 135 श्री चंद्रभान तिवारी पिता श्री बाबूलाल तिवारी को संभाग कार्यालय सागर के आवंटन आदेश क्रमांक 6567-69 दिनांक 10.12.1998 के द्वारा हस्तांतरित है। श्री चंद्रभान तिवारी ने इस भूखण्ड का मण्डल से विक्रय विलेख दिनांक 17.05.2001 को करा लिया था। तत्पश्चात यह भूखण्ड चन्द्रभान तिवारी ने उपपंजीयक कार्यालय द्वारा विक्रय विलेख के माध्यम से दिनांक 18.11.2025 को श्री राकेश नायक पिता श्री श्याम सुंदर को विक्रय कर दिया। अब इस संबंध में क्रेता श्री राकेश नायक पिता श्री श्याम सुंदर अपने नाम से हस्तांतरण कराना चाहते हैं जिस हेतु आवेदन, शपथ पत्र, विक्रय विलेख की प्रति, संयुक्त शपथ पत्र, के आधार पर ऑनलाईन के माध्यम से प्रस्तुत किया है। यदि किसी व्यक्ति / संस्था बैंक या हित रखने वाले वैध उत्तराधिकारी को आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने के 15 दिवस के अंदर लिखित वैध आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात हस्तान्तरण / नामान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी व्यक्ति / संस्था या बैंक का कोई दावा मान्य नहीं होगा।

(आर.के. बाथम)
संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल संभाग दमोह

न्यायालय नायब तहसीलदार महीलाजागीर तहसील खुरई, जिला सागर, (म.प्र.) (Rakesh Kumar Ahirwar), तहसील- खुरई, जिला सागर

सूचना

रा.प्र.क्र. 0168/अ-27/ वर्ष 2025-26
ग्राम- मुड़री, प.ह.न. 48 राजस्व निरीक्षक मण्डल महीलाजागीर

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दीपक पिता रामबिहारी दांगी ठाकुर व अन्य 28 निवासी ग्राम मुड़री तहसील खुरई जिला सागर म.प्र. ने आवेदन प्रस्तुत कर लेख किया कि ग्राम मुड़री प.ह.नं. 48 रा.नि.मं. महीलाजागीर स्थित भूमि खसरा नंबर 257, 256, 287/1, 71/1/1, 287/2, 71/1/2, 287/3, 71/1/3, 218/1, 285/1, 71/1/4, 306, 217/1, 218/2, 285/2, 286, 227/2, 227/3, 287/4, 71/1/5, 287/5, 239, 218/3, 71/1/6, 65, 293 मैसे कुल रकबा 19.72 है. भूमि जो कि राजस्व प्रलेखों में दीपक पिता रामबिहारी दांगी ठाकुर व अन्य 28 पता म.प्र. देह सहभूमिस्वामी के नाम से राजस्व अभिलेख में दर्ज है। यह कि आवेदकगण द्वारा प्रश्नाधीन भूमि पर पारिवारिक बटवारा व्यवस्थापन) Family Settlement/ Partition) के आधार पर म.प्र. भू-राजस्व 1959 संहिता धारा 178 (क) के तहत बटवारा किए जाने हेतु आवेदन पत्र के मय खतौनी, खसरा, बी-1, की छायाप्रति सहित प्रस्तुत की गई है।

उक्त भू-अभिलेखों में बटवारा किए जाने की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई भी हितबद्ध व्यक्ति/पक्षकार दिनांक 02/03/2026 को प्रातः स्थान तहसील खुरई में इस न्यायालय के समक्ष स्वयं या अपने अधिवक्ता, जिसे सम्यक रूप में अनुदेश दिये गये हो, या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन नामांतरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक/म्याद अवधि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। आज दिनांक को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा के अधीन जारी किया गया।

दिनांक -20/02/2026

तहसीलदार
तहसील खुरई, जिला सागर, (म.प्र)

न्यायालय नायब तहसीलदार महीलाजागीर तहसील खुरई, जिला सागर, (म.प्र.) (Rakesh Kumar Ahirwar), तहसील- खुरई, जिला सागर

सूचना

रा.प्र.क्र. 0170/अ-27/ वर्ष 2025-26
ग्राम- मुड़री, प.ह.न. 48 राजस्व निरीक्षक मण्डल महीलाजागीर

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक ब्रजबिहारी पिता रामनारायण दांगी ठाकुर व अन्य 03 निवासी ग्राम मुड़री तहसील खुरई जिला सागर म.प्र. ने आवेदन प्रस्तुत कर लेख किया कि ग्राम मुड़री प.ह.नं. 48 रा.नि.मं. महीलाजागीर स्थित भूमि खसरा नंबर 83, 270/1, 51, 65, 293 रकबा क्रमशः 0.12, 2.55, 0.28, 0.01, 0.11 हेक्टेयर कुल रकबा 3.07 है. भूमि जो कि राजस्व प्रलेखों में [illegible] रामबिहारी, [illegible] एवं खसरा नंबर 65, 293 रकबा क्रमशः 0.01, 0.11 है. भूमि [illegible] राजस्व अभिलेख में दर्ज है। यह कि आवेदकगण द्वारा प्रश्नाधीन भूमि पर आपसी पारिवारिक सहमति के आधार पर म.प्र.भू-राजस्व 1959 संहिता धारा 178 (क) के तहत बटवारा किए जाने हेतु आवेदन पत्र के मय खतौनी, खसरा, बी-1, की छायाप्रति सहित प्रस्तुत की गई है।

उक्त भू-अभिलेखों में बटवारा किए जाने की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई भी हितबद्ध व्यक्ति / पक्षकार दिनांक -02/03/2026 को प्रातः स्थान तहसील खुरई में इस न्यायालय के समक्ष स्वयं या अपने अधिवक्ता, जिसे सम्यक रूप में अनुदेश दिये गये हो, या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन नामांतरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक/म्याद अवधि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। आज दिनांक को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा के अधीन जारी किया गया।

दिनांक:-20/02/2026
स्थान: खुरई

तहसीलदार
तहसील खुरई, जिला सागर, (म.प्र)

माध्यमिक शिक्षा मंडल ने बढ़ाया संबद्धता शुल्क

- सत्र 2026-27 से लागू होंगी नई दरें
- अतिरिक्त सीटों के लिए देने होंगे 2 लाख
- निर्धारित बैंक में ही जमा होगा चालान

सत्ता सुधार ■ भोपाल

माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने सत्र 2026-27 के लिए डीएलएड पाठ्यक्रम संचालित करने वाली निजी संस्थाओं पर आर्थिक बोझ बढ़ा दिया है। कार्यपालिका समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के बाद मंडल ने संबद्धता, नवीनीकरण और अतिरिक्त इंटेक (सीटों) की फीस में भारी बढ़ोतरी कर दी है। संशोधित आदेश के अनुसार, नई दरें तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई हैं। सभी संस्थाओं को 10 मार्च 2026 तक बढ़ा हुआ शुल्क अनिवार्य रूप से जमा कर आवेदन की प्रति मंडल कार्यालय में जमा करनी होगी। माशिमं ने सख्त चेतावनी दी है कि यदि तय समय सीमा में राशि जमा नहीं की गई, तो संबंधित संस्थान की संबद्धता समाप्त कर दी जाएगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी संस्था की होगी।

संबद्धता और अतिरिक्त सीटों पर 50 हजार की वृद्धि

मंडल द्वारा जारी नई फीस संरचना के तहत, पहली बार संबद्धता लेने के लिए अब 1.50 लाख के बजाय 2 लाख रुपए चुकाने होंगे। इसी तरह, यदि कोई संस्थान 50 विद्यार्थियों का अतिरिक्त इंटेक (सीट) चाहता है, तो उसे भी 2 लाख रुपए का एकमुश्त शुल्क देना होगा। वार्षिक शुल्क में भी इंटेक के आधार पर 15 से 25 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की गई है।

भुगतान के लिए बैंक और प्रक्रिया तय

संस्थाओं को यह शुल्क माशिमं परिसर स्थित यूको बैंक की हबीबगंज शाखा में सचिव के नाम से चालान के माध्यम से जमा करना होगा। मंडल ने स्पष्ट किया है कि अन्य किसी बैंक का चालान स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसके अलावा आरटीजीएस या एनईएफटी का विकल्प भी दिया गया है। भुगतान के बाद उसकी पुष्टि करना और 10 मार्च तक रसीद के साथ आवेदन प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

कार्यालय नगर परिषद बिलहरा जिला सागर

क्र0/लो.नि./निविदा/2026/277 — बिलहरा, दिनांक 25.02.2026

//निविदा आमंत्रण सूचना//

एतद द्वारा सर्व संबंधितो को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद बिलहरा को निम्नलिखित सामग्री की आवश्यकता है, इस हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदाकार निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर देख सकते है।

क्र.	टेंडर क्र. जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं अनु. लागत	निविदा प्रपत्र एवं अमानत राशि	निविदा की अंतिम तिथि
1	2026_UAD_485288_1 26-02-2026	जल प्रदाय सामग्री सप्लाई कार्य	1– 01 वर्ष 2– 5.00 लाख	1– 2000.00 2– 5000.00	07-03-2026

नोटः– निविदा में किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन www.mptenders.gov.in की बेबसाइट पर ही प्रकाशित किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद बिलहरा
जिला सागर

ब्रीफ न्यूज

कोर्ट के फैसले के बाद भड़के ट्रंप बोले- जो देश यूएस को लूट रहे थे वो अरबों दे रहे हैं

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने हालिया स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन में व्यापारिक शुल्कों (टैरिफ) और न्यायपालिका के हस्तक्षेप को लेकर अत्यंत कड़ा रुख अपनाया है। राष्ट्रपति ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले की तीखी आलोचना की है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम के तहत लागू की गई आयात शुल्क व्यवस्था को अवैध घोषित कर दिया गया था। अदालत ने 6-3 के बहुमत से दिए गए अपने निर्णय में स्पष्ट किया था कि राष्ट्रपति ने इस मामले में अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन किया है और इस तरह के शुल्कों के लिए अमेरिकी संसद कांग्रेस की मंजूरी अनिवार्य होनी चाहिए थी। अदालत के इस दुर्भाग्यपूर्ण हस्तक्षेप पर असंतोष व्यक्त करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया कि जो देश दशकों से अमेरिका का आर्थिक शोषण कर रहे थे, वे अब अरबों डॉलर का भुगतान कर रहे हैं।

ट्रंप का दावा बोले- मैं दखल नहीं देता तो मारे जाते पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच उपजे तनाव को लेकर एक बार फिर चौंकाने वाला दावा किया है। बुधवार को दिए अपने ताजा बयान में ट्रंप ने कहा कि यदि उन्होंने समय रहते हस्तक्षेप नहीं किया होता, तो पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अपनी जान गंवा देते। अपने स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन के दौरान उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित युद्ध को रुकवाने में अपनी भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। ट्रंप ने विशेष रूप से ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने इस सैन्य कार्रवाई को रुकवाने के लिए दखल दिया, जिससे न केवल पाकिस्तानी प्रधानमंत्री की रक्षा हुई, बल्कि एक बड़ी मानवीय त्रासदी भी टल गई। ट्रंप के मुताबिक, अगर वह हस्तक्षेप नहीं करते तो इस संघर्ष में कम से कम 35 मिलियन (साढ़े तीन करोड़) पाकिस्तानियों की मौत हो सकती थी।

ट्रंप का उत्तराधिकारी बनने जेडी वेंस और रूबियो में छिड़ी अंदरुनी जंग

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों मुश्किलों में घिरे हुए हैं। अमेरकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप की टैरिफ नीति को 'अवैध' करार देकर उन्हें बड़ा झटका दिया है। इस बीच वॉशिंगटन में मिड-टर्म चुनाव की टेंशन भी है। इस गहमागहमी के बीच ट्रंप ने अपनी गद्दी सौंपने के संकेत दिए हैं। ऐसे में रिपब्लिकन पार्टी में ट्रंप का उत्तराधिकारी बनने के लिए दो दिग्गज फाइट कर रहे हैं। ट्रंप की जगह लेने के लिए इंटर्नल फाइट मार्को रूबियो और जेडी वेंस के बीच में है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप के सलाहकारों का कहना है कि राष्ट्रपति की नजर में वेंस-रूबियो की जोड़ी एक 'ड्रीम टिकट' है। ट्रंप फिलहाल जेडी वेंस को थोड़ा आगे मान रहे हैं क्योंकि वह उनके रनिंग मेट रहे हैं, लेकिन ट्रंप ये भी मान रहे हैं कि मार्को रूबियो की लोकप्रियता भी रॉकेट की रफ्तार से बढ़ रही है। वहीं जेडी वेंस का नाम सबसे ऊपर आ रहा है।

अल्बनीज को सुरक्षित निकाला गया

ऑस्ट्रेलियाई पीएम के आवास को बम से उड़ाने की धमकी

एजेंसी ■ कैनबरा

ऑस्ट्रेलिया की राजधानी कैनबरा में मंगलवार शाम उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के आधिकारिक आवास 'द लॉज' को बम से उड़ाने की धमकी मिली। सुरक्षा एजेंसियों ने इस सूचना को बेहद गंभीरता से लिया और तत्काल हाई अलर्ट जारी करते हुए प्रधानमंत्री अल्बनीज को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। करीब तीन घंटे तक चले सघन तलाशी अभियान और तनावपूर्ण माहौल के बाद जब परिसर को पूरी तरह सुरक्षित घोषित किया गया, तब जाकर प्रधानमंत्री अपने आवास पर वापस लौट सके।

जानकारी के अनुसार, मंगलवार शाम करीब 6 बजे सुरक्षा अधिकारियों को प्रधानमंत्री के सरकारी आवास में किसी विस्फोटक उपकरण या संभावित सुरक्षा खतरे की सूचना मिली थी। संसद भवन के पास स्थित इस अति-सुरक्षित क्षेत्र में तुरंत स्थानीय पुलिस और विशेष बम निरोधक दस्तों ने मोर्चा संभाल लिया। सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए प्रधानमंत्री को बिना देरी किए वहां से बाहर निकाला गया और पूरे परिसर की घेराबंदी कर दी गई। पुलिस और सुरक्षाबलों ने अत्याधुनिक उपकरणों की मदद से चप्पे-चप्पे की तलाशी ली। लगभग तीन घंटे की कड़ी मशक्कत और जांच के बाद रात 9 बजे के आसपास यह स्पष्ट हुआ कि वहां कोई संदिग्ध वस्तु मौजूद नहीं है। ऑस्ट्रेलियन फेडरल पुलिस के प्रवक्ता ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि एक आवास में सुरक्षा खतरे की सूचना मिलने के बाद मानक प्रक्रियाओं के तहत व्यापक तलाशी ली गई थी। हालांकि शुरुआत में सुरक्षा कारणों से विवरण गोपनीय रखा गया था, लेकिन बाद में यह स्पष्ट हुआ कि मामला बम की धमकी से जुड़ा था। पुलिस ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि परिसर पूरी तरह सुरक्षित है और आम जनता को इस घटना से कोई खतरा नहीं है। यह घटना इसलिए भी हैरान करने वाली है क्योंकि धमकी मिलने के कुछ घंटे पहले ही प्रधानमंत्री अल्बनीज ने इसी आवास में एक टेलीविजन इंटरव्यू रिकॉर्ड किया था। यह घटना ऑस्ट्रेलिया में राजनेताओं और शीर्ष अधिकारियों की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं को फिर से उजागर करती है। पिछले कुछ महीनों में प्रधानमंत्री और कई संघीय सांसदों को मिलने वाली धमकियों में काफी बढ़ोतरी देखी गई है। इसी बढ़ते खतरे को देखते हुए पिछले साल ऑस्ट्रेलियन फेडरल पुलिस ने 'विशेष राष्ट्रीय सुरक्षा जांच दल' का गठन किया था। पुलिस कमिश्नर क्रिसी बैरेट ने हाल ही में संसदीय सीनेट समिति को अवगत कराया था कि हिंसक प्रवृत्ति वाले लोग अब न केवल ऑनलाइन धमकियां दे रहे हैं, बल्कि वास्तविक दुनिया में भी हमला करने की मंशा रख रहे हैं। रिकॉर्ड के अनुसार, पिछले साल के अंत से अब तक धमकियां देने और सुरक्षा व्यवस्था भंग करने की कोशिश के आरोप में 20 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि इंटरनेट पर फैलने वाला व्यक्तिगत आक्रोश अब वास्तविक सुरक्षा चुनौतियों में बदल रहा है। फिलहाल, सुरक्षा एजेंसियां प्रधानमंत्री आवास पर आए इस धमकी भरे संदेश के स्रोत की जांच कर रही हैं और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इसके पीछे किस व्यक्ति या संगठन का हाथ है।

रुस-यूक्रेन युद्ध वाले प्रस्ताव पर भारत अमेरिका-चीन ने वोटिंग से बनाई दूरी

यूक्रेन को उलटा पड़ा दांव, जेलेंस्की ने प्रस्ताव में बिना शर्त युद्धविराम की मांग की थी

एजेंसी ■ कीव

ह्यह्यासंयुक्त राष्ट्र में रूस से युद्ध पर यूक्रेन ने एक अहम प्रस्ताव पेश किया। मंगलवार को इस प्रस्ताव पर वोटिंग हुई लेकिन दुनिया दो हिस्सों में बंट गई। यूक्रेन का मकसद युद्धविराम पर सपोर्ट लेना था, लेकिन भारत संयुक्त राष्ट्र महासभा में रूस-यूक्रेन युद्ध वाले प्रस्ताव पर हुए वोटिंग में शामिल नहीं हुआ। भारत वाली कतार में अमेरिका और चीन भी खड़ा था यानी इन देशों ने भी इस वोटिंग से खुद को दूर रखा। दरअसल यूक्रेन के इस प्रस्ताव में पूरी तरह और बिना शर्त युद्धविराम की मांग की गई थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस प्रस्ताव को यूएन में 24 फरवरी को रूस-यूक्रेन युद्ध के चार साल पूरे होने पर पेश किया गया था। रूस-यूक्रेन युद्ध पर शांति वाले प्रस्ताव को 193 सदस्यों वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा में से 107 देशों का साथ मिला। इस प्रस्ताव के पक्ष में 107 देशों ने वोट किया। 12 देश इसके खिलाफ रहे, जबकि 51 देशों ने वोट नहीं दिया जिन देशों ने वोटिंग से खुद को दूर रखा, उसमें भारत, अमेरिका और चीन शामिल थे।

दरअसल, रूस और यूक्रेन जंग को चार साल हो गए। इस मौके पर संयुक्त राष्ट्र में यूक्रेन ने एक बड़ा दांव खेला। जंग खत्म कराने को लेकर उसने एक प्रस्ताव पेश किया। इसमें यूक्रेन ने रूस से तुरंत, पूरी तरह और बिना शर्त सीजफायर की मांग की थी। इसमें यूक्रेन की संप्रभुता, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता का समर्थन किया गया था लेकिन जब वोटिंग हुई तो यूक्रेन के पैरों तले जमीन खिसक गई। उसने सोचा भी नहीं था कि उसका सबसे अहम साथी साथ छोड़ देगा, जिसके दम पर वह जंग लड़ रहा है। यूएन में यूक्रेन को अमेरिका से केवल धोखा ही मिला। इस तरह यूक्रेन को बड़ा झटका लगा और रूस के लिए यह किसी बड़ी जीत से कम नहीं है। अमेरिका का साथ यूक्रेन को नहीं मिलने से रूस पर इंटरनेशनल प्रेशर थोड़ा कम हो जाएगा। अब सवाल है कि आखिर भारत, चीन और अमेरिका के एक साथ आने का क्या मतलब? भारत का स्टैंड शुरू से क्लियर है। बातचीत से युद्ध का खात्मा। भारत शुरू से तटस्थ और स्वतंत्र रहा है। वह अपने पुराने दोस्त न तो रूस को नाराज करना चाहता और न यूक्रेन को। चीन का भी हाल कुछ ऐसा ही है। चीन भी रूस के विरोध में नहीं जाना चाहता।

उसे पता है यूक्रेन को हथियार अमेरिका ही दे रहा है। अब डोनाल्ड ट्रंप का यह बदलाव उसकी अमेरिका नीति को लेकर है। ट्रंप का मानना है कि अमेरिका ने यूक्रेन पर बहुत पैसे खर्च किए, मगर बदले में उसे कुछ नहीं मिला। वहीं, भारत और चीन से भी अमेरिका अब सीधे टकराव की स्थिति में नहीं आना चाहता है। ट्रंप भी रूस से बेहतर रिश्ते चाहते हैं। वह भी बातचीत के जरिए ही मसले को हल करना चाहते हैं। यही कारण है कि अमेरिका भी भारत और चीन वाली कतार में खड़ा हो गया है। दरअसल, यूक्रेन ने यह प्रस्ताव लाकर रूस पर दबाव बनाने की कोशिश की थी लेकिन अमेरिका ने ही उसे चौंका दिया। अमेरिकी प्रतिनिधि टैमी ब्रूस के मुताबिक प्रस्ताव में कुछ शब्द ऐसे थे, जो शांति वार्ता में बाधा डाल सकते हैं वैसे भी डोनाल्ड ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिका की नीति बदली है।

107 देशों ने पक्ष में वोट दिया

संयुक्त राष्ट्र में 193 सदस्य देशों वाली महासभा में प्रस्ताव पर 107 देशों ने पक्ष में वोट दिया। इसमें यूरोपीय संघ के कई देश, ब्रिटेन और इजराइल शामिल थे। 12 देशों ने विरोध में वोट किया। इनमें रूस, बेलारूस, उत्तर कोरिया, ईरान और सूडान थे, लेकिन सबसे बड़ा ट्विस्ट 51 देशों के अलग रहने वाले फैसले में था। इनमें अमेरिका, चीन, भारत, ब्राजील, यूएई, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, कजाकिस्तान और हंगरी जैसे देश थे। यूक्रेन को उम्मीद थी कि अमेरिका जैसे देश उसके साथ आएंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

ईरान अमेरिका के साथ न्यायसंगत और बराबरी वाला समझौता करना चाहता: अराघची

एजेंसी ■ तेहरान

ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा है कि ईरान अमेरिका के साथ जल्द एक न्यायसंगत और बराबरी वाला समझौता करना चाहता है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के पास एक ऐतिहासिक मौका है, जिसके तहत वे एक ऐसा समझौता कर सकते हैं जैसा पहले कभी नहीं हुआ। उन्होंने यह बात एक्स पर पोस्ट में कही।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अराघची का यह बयान तेहरान और वॉशिंगटन के बीच होने वाली तीसरे दौर की अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता से पहले आया है। यह वार्ता गुरुवार को जिनेवा में होने वाली है। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देश पहले भी दो चरणों में बातचीत कर चुके हैं। अराघची ने कहा कि पिछले राउंड में बनी समझ के आधार पर ईरान जिनेवा में अमेरिका के साथ बातचीत फिर से शुरू करेगा, इस पक्के इरादे के साथ कि वह कम से कम समय में एक सही और बराबर डील करेगा।

उन्होंने कहा कि हमारे बुनियादी यकीन बिल्कुल साफ हैं। ईरान किसी भी हालत में कभी भी न्यूक्लियर हथियार नहीं बनाएगा, न ही हम ईरानी अपने लोगों के लिए शांतिपूर्ण न्यूक्लियर टेक्नोलॉजी के फायदों का इस्तेमाल करने के अपने अधिकार को कभी छोड़ेंगे। अराघची ने कहा कि दोनों पक्षों के पास एक ऐसा ऐतिहासिक मौका है जिससे आपसी चिंताओं को दूर किया जा सके और साझा हितों को हासिल किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि अगर डिप्लोमेसी को प्राथमिकता दी जाए तो डील हो सकती है। ईरान के राजनीतिक मामलों के डिप्टी विदेश मंत्री माजिद तख्त रवांची ने कहा कि ईरान यूएस के साथ न्यूक्लियर एग्रीमेंट करने के लिए जो भी जरूरी होगा करने को तैयार है। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि हम समझौता करने के लिए पूरी ईमानदारी और सकारात्मक सोच के साथ जिनेवा में बातचीत करने जाएंगे। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि अमेरिका भी इसी तरह सकारात्मक रुख अपनाएगा।

तुर्की में वायुसेना का एफ-16 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त

हादसे में जांबाज पायलट की मौत

एजेंसी ■ बालिकेसिर

तुर्की के पश्चिमी हिस्से में स्थित बालिकेसिर शहर में एक बड़ा विमान हादसा हो गया, जिसमें तुर्की वायुसेना का एक एफ-16 लड़ाकू विमान क्रैश हो गया। इस दुखद घटना में विमान उड़ा रहे पायलट की मौत हो गई है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, यह हादसा बुरसा-इजमिर हाईवे के पास हुआ। दुर्घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन ने तुरंत आपातकालीन सेवाओं को सक्रिय कर दिया और एंबुलेंस व पुलिस की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। बताया जा रहा है कि यह फाइटर जेट बालिकेसिर स्थित 9वीं मेन जेट बेस कमांड का हिस्सा था। स्थानीय समयानुसार रात करीब एक बजे जब विमान नियमित उड़ान पर था, तभी अचानक रडार से इसका संपर्क टूट गया और रेडियो ट्रैकिंग भी बंद हो गई। इसके बाद वायुसेना ने तत्काल तलाश अभियान शुरू किया, जिसमें हाईवे के पास विमान का मलबा बिखरा हुआ पाया गया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में दुर्घटनास्थल पर मलबे के ढेर और सुरक्षा घेरे में जुटे अधिकारी देखे जा सकते हैं। तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान जारी कर इस घटना की पुष्टि की है और पायलट को शहीद बताते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि दी है। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए एक विशेष जांच दल का गठन किया गया है। वहीं, न्याय मंत्री अकिन गुरलेक ने कहा कि मामले की औपचारिक जांच शुरू कर दी गई है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि हादसा तकनीकी खराबी की वजह से हुआ या मानवीय चूक के कारण। उल्लेखनीय है कि एफ-16 लड़ाकू विमानों के क्रैश होने का इतिहास काफी पुराना रहा है। पिछले एक दशक में दुनिया के विभिन्न हिस्सों में ऐसे कई हादसे हुए हैं। साल 2019 में इस्लामाबाद के पास परेड अभ्यास के दौरान और 2015 में स्पेन के अल्बासेटे एयर बेस पर भी एफ-16 हादसे का शिकार हुए थे। इसके अलावा, हाल के वर्षों में दक्षिण कोरिया और आयोनियन सागर में भी प्रशिक्षण उड़ानों के दौरान इस श्रेणी के विमानों में तकनीकी खराबी की खबरें सामने आती रही हैं।

पालतू कुत्ते के चाटने से भारतीय मूल की महिला ने गंवाए हाथ-पैर

लंदन। शाम दफ्तर से घर लौटना और अगली सुबह मौत के दरवाजे पर खड़े होना यह किसी डरावनी फिल्म की कहानी नहीं, बल्कि ब्रिटेन में रहने वाली भारतीय मूल की 56 वर्षीय मंजीत संघा की आपबीती है। जिसे डॉक्टर एक चमत्कार मान रहे हैं, वह असल में 32 सप्ताह की उस खौफनाक जंग की दास्तां है, जिसमें मंजीत ने अपनी जान तो बचा ली, लेकिन उन्हें अपने दोनों हाथ और दोनों पैर हमेशा के लिए गंवाने पड़े। एक मामूली सी खरोंच को पालतू कुत्ते द्वारा चाटने से फैला सेप्सिस का जहर उनके पूरे शरीर में इस कदर फैल गया कि उनका दिल एक या दो बार नहीं, बल्कि पूरे छह बार धड़कना बंद हुआ।

पिछले साल जुलाई में घटी यह घटना मंजीत के जीवन के लिए सबसे बड़ी त्रासदी साबित हुई। पेशे से पूर्व फार्मेसी कर्मचारी मंजीत के शरीर पर मौजूद एक छोटे से कट या खरोंच को उनके पालतू कुत्ते ने चाट लिया था।

विदेशी देशों से लगाए टैरिफ से भविष्य में आम लोगों पर टैक्स का बोझ कम होगा

सुप्रीम कोर्ट के फैसले को बता दुर्भाग्यपूर्ण

एजेंसी ■ वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कांग्रेस में अपने दूसरे कार्यकाल का दूसरा 'स्टेट ऑफ द यूनियन' भाषण दिया। इस भाषण में ट्रंप अपना पुराना झुनझुना निकालते हुए नजर आए। ट्रंप ने एक बार फिर टैरिफ पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को बहुत दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि करीब सभी देश अमेरिका के साथ समझौता बनाए रखना चाहते हैं और उनका दावा है कि विदेशी देशों से वसूले जा रहे टैरिफ भविष्य में आयकर की जगह ले सकते हैं, जिससे आम लोगों पर टैक्स का बोझ कम होगा।उन्होंने यह भी कहा कि नए बिल के तहत टिप, ओवरटाइम और सोशल सिक्योरिटी पर टैक्स नहीं लगेगा। हालांकि रिपोर्ट के मुताबिक यह छूट सभी को नहीं मिलेगी। कम आय वाले बुजुर्ग, 65 साल से पहले लाभ लेने वाले और तय आय सीमा से ऊपर के लोग इसका फायदा नहीं उठा पाएंगे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि टैरिफ से होने वाली कमाई अमेरिका के बजट घाटे को कम करने के लिए पर्याप्त नहीं है। अनुमान के मुताबिक टैरिफ से 10 साल में करीब 3 ट्रिलियन डॉलर जुटाए जा सकते थे, जो 4.7 ट्रिलियन डॉलर के टैक्स कटौती खर्च को कवर करने के लिए काफी नहीं है। पिछले साल अमेरिका का बजट घाटा 1.78 ट्रिलियन डॉलर था। ट्रंप ने कहा कि टैरिफ का पैसा विदेशी देश देते हैं, लेकिन अध्ययनों के मुताबिक इसका ज्यादातर बोझ अमेरिकी उपभोक्ताओं और कंपनियों पर पड़ता है। एक स्टडी के मुताबिक टैरिफ का 86-94फीसदी असर अमेरिकी लोगों ने झेला। वहीं सुप्रीम कोर्ट द्वारा रद्द किए गए टैरिफ से पिछले साल करीब 175 अरब डॉलर की वसूली हुई थी। बता दें सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के बड़े पैमाने पर लगाए गए ग्लोबल टैरिफ को रद्द कर दिया था। कोर्ट ने कहा कि इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (आईईईपीए) के तहत राष्ट्रपति को टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं है।

रिसर्च अमेरिकी शोधकर्ताओं का दावा

दिल की धकड़न रुक जाने के बाद भी इंसान का दिमाग जिंदा रहता

एजेंसी ■ न्यूयार्क

सोचिए.....जब आपका दिल धड़कना बंद कर देता है। डॉक्टर सीपीआर रोक देते हैं। इसके बाद इंसार को 'डेथ' घोषित कर दिया जाता है, लेकिन आपका दिमाग अब भी जिंदा है, और आपको सब कुछ सुनाई दे रहा है।

मौत आज भी दुनिया के लिए एक रहस्य बनी हुई है। इंसान के साथ मौत के बाद क्या होता है और आखिरी क्षणों में उसका अनुभव कैसा होता है। इस पर बहुत कुछ कहा जा चुका है। इन विषयों पर कई रिसर्च भी हो चुके हैं, लेकिन हाल ही में आई एक नई रिसर्च ने सभी को चौंका दिया है। इस नई रिसर्च में दावा किया गया है कि इंसान की मौत के बाद भी उसका दिमाग कुछ समय तक सक्रिय रहता है और वह अपने आसपास की आवाजें सुन सकता है। न्यूयॉर्क में एक डॉक्टर ने ऐसा खुलासा किया है जिसने मौत की परिभाषा को बदल दिया है। दिल की धड़कन रुक जाने के बाद भी इंसानी दिमाग सक्रिय रहता है, और कई बार मरीज डॉक्टरों द्वारा अपनी मौत की घोषणा तक सुन लेते हैं। यह दावा एक भयावह लेकिन महत्वपूर्ण स्टडी में किया गया है। इस स्टडी का नेतृत्व न्यूयॉर्क के डॉक्टर ने किया। उन्होंने उन मरीजों से बात की जिन्हें डॉक्टरी भाषा में मृत घोषित कर दिया गया था। यानी जिनका दिल धड़कना बंद हो चुका था, लेकिन बाद में वे दोबारा जिंदा हो गए। चौंकाने वाली बात थी कि कई मरीजों ने अपने कमरे में हो रही घटनाओं को सटीक रूप से याद किया। शोधकर्ता डॉक्टर के अनुसार, इन मरीजों की याददाश्त इतनी स्पष्ट इसलिए थी क्योंकि दिल रुकने के बाद भी लगभग एक घंटे तक दिमाग में सामान्य और करीब सामान्य ब्रेन गतिविधि मिली। उन्होंने बताया कि ये अनुभव न सपने जैसे होते हैं।

इस शोध में अमेरिका और ब्रिटेन के 25 अस्पतालों में कार्डियक अरेस्ट से बचे 53 मरीजों की दिमागी गतिविधि और जागरूकता का अध्ययन किया। जिसमें पाया गया कि 40 फीसदी मरीजों ने यादें या सचेत विचार होने की बात कही। शोधकर्ता के अनुसार, मौत के दौरान कई लोगों को लगता है कि वे अपने शरीर से अलग हो चुके हैं और कमरे में घूमकर चीजें देख-पहचान रहे हैं। इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राम (ईईजी) से पता चला कि मरीजों में दिल रुकने के 35 से 60 मिनट बाद तक कई ब्रेन वेव्स मौजूद थीं, जो सोचने और जागरूकता से जुड़ी होती हैं। यह बताता है कि दिमाग दिल रुकने के बाद भी पूरी तरह बंद नहीं होता, बल्कि कभी-कभी उच्च स्तरीय गतिविधि दिखाता है, मानो कोई बंद कंप्यूटर अचानक रीबूट हो रहा हो।

जिस रास्ते से भारत का तेल आता है वहीं पुतिन ने बढ़ा दी सुरक्षा व्यवस्था

एजेंसी ■ मॉस्को

रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे भीषण युद्ध को चार साल पूरे हो चुके हैं, लेकिन शांति की कोई भी गुंजाइश फिलहाल नजर नहीं आ रही है। इस लंबी अवधि में दोनों देशों को जान-माल का भारी नुकसान उठाना पड़ा है। इसी बीच, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक ऐसा बयान दिया है जिसने अंतरराष्ट्रीय बाजारों और तेल आयात करने वाले देशों के बीच हलचल मचा दी है। पुतिन ने अचानक उस समुद्री रास्ते की सुरक्षा बढ़ाने के कड़े निर्देश दिए हैं, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति, विशेषकर भारत के लिए तेल निर्यात के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है।

पुतिन ने आशंका जताई है कि ब्लैक सी (काला सागर) के नीचे बिछी रूस की ऊर्जा पाइपलाइनों और अन्य परिवहन बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया जा सकता है। उन्होंने टेलीविजन के माध्यम से दिए गए संबोधन में स्पष्ट आदेश जारी किया है कि इन सभी रणनीतिक ठिकानों पर एंटी-टेररिस्ट सुरक्षा घेरा कई गुना मजबूत किया जाए। राष्ट्रपति ने अधिकारियों से कहा है कि यदि आवश्यकता हो, तो इन महत्वपूर्ण संपत्तियों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त उन्नत सुरक्षा उपकरणों की तैनाती में देरी न की जाए।

पादरी लोरन भड़के क्या सुधरेंगे राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना राज्य के शार्लोट स्थित सेंट्रल चर्च के वरिष्ठ पादरी लोरन लिविंगस्टन ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भाषा और उनके सार्वजनिक आचरण को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है। हालिया धर्मोपदेश में उन्होंने कहा, देश के सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्ति को संयमित, शालीन और मर्यादित भाषा का प्रयोग करना चाहिए। उनका कहना था, नेतृत्व केवल नीतियों और निर्णयों से नहीं होता है। बल्कि स्वयं के चरित्र, व्यवहार और वाणी से व्यक्ति की पहचान होती है। हर सफल व्यक्ति के पीछे उसका चरित्र, व्यवहार और उसकी कही हुई बातें ही महत्व रखती हैं। अमेरिका में अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर राजनीति के साथ-साथ धार्मिक क्षेत्र में भी बड़े पैमाने पर विरोध होने लगा है। पादरी लिविंगस्टन ने कहा, कि सार्वजनिक जीवन में अपमानजनक और अशोभनीय शब्दों का प्रयोग पूरे समाज को गलत संदेश देता है। उन्होंने पवित्र बाइबिल का हवाला देते हुए कहा, हृदय की प्रचुरता एवं संवेदनशीलता से ही मुख से बातें निकलती हैं। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सीख देते हुए समझाया, व्यक्ति की भाषा ही उसके भीतर के विचारों और चारित्रिक मूल्यों को दर्शाती है। यदि नेता की वाणी कटु और अपमानजनक है, तो यह उसके आंतरिक दृष्टिकोण को प्रकट करती है। उन्होंने स्पष्ट किया, राजनीतिक विचारधारा और ईसाई आस्था को एक-दूसरे के समान नहीं माना जा सकता है। डोनाल्ड ट्रंप अपने आप को 'रूढ़िवादी', 'जीवन समर्थक' या 'बाइबिल आधारित परिवार का समर्थक' बताना उन्हें सच्चा ईसाई नहीं बनाता है। उन्होंने नस्लीय आधार पर धर्म को विभाजित करने की प्रवृत्ति पर भी भारी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने कहा, मसीही समुदाय में श्वेत ओर अश्वेत जैसी अलग पहचान नहीं है। बिना किसी भेदभाव के जो व्यक्ति ईसा मसीह पर विश्वास करता है, यह विश्वास ही उन्हें सच्चा मसीही बनाता है। सभी में मसीह हैं और मसीह एक ही है। उनके इस बयान के बाद अमेरिका में राजनीतिक, धार्मिक, सामाजिक एवं राजनीतिक मुद्दों पर बहस तेज हो गई है। पादरी के इस बयान की बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया अमेरिका में हो रही है। पादरी के इस बयान के बाद अमेरिका में ट्रंप के खिलाफ संसद से लेकर सड़क तक

एक नाराजगी देखने को मिल रही है।

अमेरिका के नागरिक और धर्म समर्थकों के बीच इसकी बड़ी तीव्र प्रक्रिया हुई है। अमेरिका के नागरिक पादरी के बयान को नैतिक मूल्यों की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण नसीहत मान रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप जिस तरह से विभिन्न राज्यों के नागरिकों के साथ अलग व्यवहार कर रहे हैं, अमेरिकी समाज को उन्होंने कई हिस्सों में बांट दिया है। मानों सब एक-दूसरे के खिलाफ खड़े हुए हैं। यह अमेरिका की संस्कृति और सामाजिक व्यवस्था के कहीं से भी अनुकूल नहीं है।

म.प्र. में खेल को बढ़ावा देती मोहन यादव सरकार

▪ निलय श्रीवास्तव

देश का दिल मध्यप्रदेश कला, संस्कृति, पर्यटन के साथ - साथ खेल के क्षेत्र में भी अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। सूने पड़े स्टेडियम जहाँ कोई जाना पसंद नहीं करता था अब सभी संसाधनों के साथ खेल गतिविधियों का केन्द्र बने हुए हैं। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव खेलों से बेहद लगाव रखते हैं। अपने निश्चित कार्यक्रमों में वे खेल को अत्याधिक महत्व देते हैं।

इस तरह खेलों को प्रोत्साहन जितना मध्यप्रदेश में मिलता है उतना दूसरे अन्य राज्य में नहीं दिया जाता होगा। मध्यप्रदेश में अनेक खेल प्रतिभायें हैं। इस प्रदेश की खेल प्रतिभाओं ने देश और विदेश में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश का नाम रोशन किया, अपना तथा प्रदेश का गौरव बढ़ाया। मध्यप्रदेश की मोहन यादव सरकार भी इसमें पीछे नहीं हैं, उसने खिलाड़ियों को उभारने तथा खेलों के प्रति आकर्षण पैदा करने के लिये खेलो एम.पी. यूथ गेम्स जैसे आयोजन किये हैं। प्रसंगवश बता दें कि देश के अन्य राज्यों की अपेक्षा मध्यप्रदेश खेल क्षेत्र पर अधिक व्यय कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव स्वयं खेल प्रेमी हैं, वे प्रदेश के युवा खिलाड़ियों का आव्हान करते हैं कि आप तो खेल की चिंता करें, आपके भविष्य की चिंता मध्यप्रदेश सरकार करेगी। उनके शब्दों में ''खेलों के उत्कृष्ट आयोजन से मध्यप्रदेश के युवाओं में खासा जोश है, जिस संकल्प और उत्साह के साथ हम इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, हम दावे के साथ कह सकते हैं कि मध्यप्रदेश के खिलाड़ी अपने बेहतर प्रदर्शन के लिये विश्व में पहचाने जायेंगे।'' यहाँ बता दें कि खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन पर सरकार उन्हें आर्थिक मदद के साथ शासकीय नौकरी भी दे रही है। कई दिव्यांग युवा खिलाड़ियों को भी पुरस्कृत कर शासकीय सेवाओं में पद दिया गया है। प्रदेश के खेल बजट में हर वर्ष इजाफा कर खेल गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिये कई शहरों और तहसीलों में स्टेडियम बनाने के लिये सरकार प्रयास कर रही है। एक दौर था जब क्रिकेट, हॉकी खेलों तक ही लोगों की दिलचस्पी सीमित थी लेकिन अब बाक्सिंग, शूटिंग, घुड़सवारी और बालिकाओं के आत्मरक्षार्थ जूडो कराटे जैसे खेलों में सभी की रोचकता बढ़ रही है। इन खेलों में हमारे प्रदेश के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक मेडल भी जीते हैं। याद दिलाना जरूरी है कि एक समय था जब बालिकाओं का खेल में भाग लेना असामान्य सा लगता था लेकिन लगातार मिले प्रोत्साहन और सहयोग के कारण आज ऐसा कोई खेल नहीं है जिसमें बालिकायें हिस्सा न लेती हों। बल्कि कई बार तो वे लड़कों से बेहतर प्रदर्शन भी करती हैं। देश में मध्यप्रदेश एक मात्र ऐसा राज्य है जहाँ खेलों में युवाओं को प्रोत्साहन दिया जाता

है। इससे खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ रहा है। नयी पीढ़ी के खिलाड़ियों की महत्वकांक्षा बढ़ाने के लिये विगत् माह भोपाल में खेलों एम.पी.यूथ गेम्स का भव्य आयोजन हुआ था। कुल 28 खेलों में प्रदेश भर के एक लाख से अधिक खिलाड़ियों ने अपना प्रदर्शन दिखाया। इनमें बालिकाओं की संख्या भी अधिक थी। यह प्रतियोगिता ब्लॉक, जिला एवं संभाग स्तरों पर आयोजित थीं जिसमें शहरी, ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ियों ने एक साथ अपना जौहर दिखलाया। समारोह में प्रसिद्ध गायक कैलाश खैर की प्रस्तुति प्रमुख थी। खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम और आतिशबाजी से लोग रोमांचित हो गये। मध्यप्रदेश में तलवारबाजी, कायाकिंग, कैनोइंग, कैनो स्लेलम, रोइंग खेलों के साथ मलखंभ के प्रति भी लोगों का उत्साह बढ़ा है। यहाँ बता दें कि मलखंभ मध्यप्रदेश का पारम्परिक तथा राज्य खेल है। बॉक्सिंग और शूटिंग जैसे खेलों को अब लोकप्रियता अधिक मिल रही है। इनमें बालिकायें बड़ी संख्या में भाग लेती हैं। मध्यप्रदेश में एक समय था जब लड़कियों का खेलना सामाजिक दृष्टि से गलत समझा जाता था। उस दौर में महिला खिलाड़ियों ने विश्व स्तर पर खेलकर मध्यप्रदेश को प्रतिष्ठा दिलायी थी और अन्य बालिकाओं को खेल क्षेत्र में आगे बढ़कर अपनी योग्यता दिलाने के लिये प्रेरित किया। क्रिकेट, हॉकी, टेबिल टेनिस में मध्यप्रदेश की महिला खिलाड़ियों का नाम इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो चुका है। संध्या अग्रवाल मध्यप्रदेश में रहकर अभ्यास करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर नाम कमा चुकी हैं। वे भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान थीं। राजेश्वरी ढोलकिया भी क्रिकेट की अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी थीं। मधु यादव ने हॉकी तथा टेबिल टेनिस में स्निग्धा मेहता और रीता जैन ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलकर मध्यप्रदेश के लिए ख्याति अर्जित की और प्रदेश की बेटियों को खेल क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया था। आज जो बालिकायें मध्यप्रदेश के लिए खेल क्षेत्र में गोल्ड, रजत और कांस्य पदक अर्जित कर रही हैं इसके पीछे पूर्व की उन्हीं महिला खिलाड़ियों की प्रेरणा रही थी।

ध्यान रहे कि मध्यप्रदेश देश के मध्य स्थित है। यहाँ खेल गतिविधियों को लगातार क्रियान्वित रखा जाये तो पूरे देश का आकर्षण इस ओर बढ़ेगा।

इस प्रदेश में राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं के आरम्भ होने से खिलाड़ियों का यहाँ आना जाना बना रहेगा, इससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। सरकार का यह दायित्व है कि वह अन्य क्षेत्रों के साथ - साथ खेल के लिए भी आवश्यक धन राशि जुटाये। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले युवाओं को भी खेल के क्षेत्र में अपना जौहर दिखाने का मौका मिलना चाहिये। प्रोत्साहन और सहयोग नहीं मिलने से वे अपनी प्रतिभा को निखार नहीं पाते। अगर सही दिशा में उपयुक्त प्रयास किये जायें तो मध्यप्रदेश खेल के मामले में देश में अग्रणी स्थान प्राप्त कर सकता है। विभिन्न खेलों के साथ - साथ योग और सूर्य नमस्कार को भी प्राथमिकता देना चाहिये क्योंकि इससे तन और मन प्रसन्न रहता है, शरीर निरोग रहता है। हालांकि अब इनके प्रति चेतना जाग गयी है और बड़ी संख्या में लोग योग और सूर्य नमस्कार को अपनी दिनचर्या में नियमित रूप से स्थान दे रहे हैं।

क्रांति, राष्ट्रवाद और वैचारिक साहस की अमर गाथा

वीर सावरकर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के उन महान राष्ट्रनायकों में से हैं जिनका जीवन केवल अंग्रेज़ी सत्ता के विरुद्ध संघर्ष तक सीमित नहीं था, बल्कि राष्ट्र, संस्कृति, समाज और इतिहास की पुनर्व्याख्या का साहसी प्रयास था। 26 फरवरी उनकी पुण्यतिथि है, जो भारत के उस क्रांतिकारी विचारक को स्मरण करने का अवसर देती है जिसने राष्ट्रवाद को भावनात्मक नहीं, बल्कि वैचारिक और बौद्धिक आधार प्रदान किया।

वीर सावरकर- प्रारंभिक जीवनः देशभक्ति का संस्कारः वीर सावरकर का जन्म 28 मई 1883 को महाराष्ट्र के नासिक ज़िले के भगूर गाँव में हुआ। बचपन से ही उनके मन में देशभक्ति के गहरे संस्कार थे। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम की कथाएँ, अंग्रेज़ी शासन के अत्याचार और स्वाभिमान की भावना ने उनके व्यक्तित्व को प्रारंभ से ही निर्भीक और विद्रोही बनाया। किशोरावस्था में ही उन्होंने विदेशी सत्ता के विरुद्ध संघर्ष को अपने जीवन का लक्ष्य बना लिया।

शिक्षा और क्रांतिकारी चेतना का विकासः पुणे के फ़र्ग्यूसन कॉलेज में अध्ययन के दौरान सावरकर की प्रतिभा, संगठन क्षमता और ओजस्वी वक्तृत्व उभरकर सामने आया। उन्होंने युवाओं को संगठित करने के लिए 'अभिनव भारत' जैसे क्रांतिकारी संगठन की स्थापना की। उनके लिए स्वतंत्रता याचना या प्रार्थना का विषय नहीं थी, बल्कि संगठित और सशक्त संघर्ष का मार्ग थी।

डॉ भूपेन्द्र कुमार सुल्झेरे

लंदन प्रवास और अंतरराष्ट्रीय क्रांतिः लंदन प्रवास के दौरान सावरकर ने भारतीय छात्रों और प्रवासी भारतीयों के बीच क्रांतिकारी चेतना को प्रबल किया। वे विदेशी धरती पर रहते हुए भी भारत की स्वतंत्रता के लिए सतत सक्रिय रहे। ब्रिटिश शासन को यह स्पष्ट हो गया था कि सावरकर केवल लेखक या वक्ता नहीं, बल्कि क्रांति के वैचारिक और संगठनात्मक सूत्रधार हैं।

1857: प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की वैचारिक स्थापनाः वीर सावरकर का ऐतिहासिक योगदान यह रहा कि उन्होंने 1857 के विद्रोह को सिपाही विद्रोह नहीं, बल्कि भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम घोषित किया। उनकी पुस्तक The Indian War of Independence (1857) ने औपनिवेशिक इतिहास लेखन को चुनौती दी और भारतीय दृष्टिकोण से इतिहास को पुनः स्थापित किया। यह पुस्तक केवल इतिहास नहीं, बल्कि गुलामी के विरुद्ध वैचारिक विद्रोह थी।

काला पानीः असहनीय यातनाएँ और अडिग संकल्पः ब्रिटिश शासन ने सावरकर को अंडमान की सेल्युलर जेल में दो आजीवन कारावास की सज़ा दी। वहाँ उन्हें कोल्हू में जोतना, बेड़ियों में जकड़ना, एकांतवास और मानसिक-शारीरिक यातनाएँ सहनी पड़ीं। इन अमानवीय परिस्थितियों के बावजूद उनका राष्ट्रबोध और वैचारिक दृढ़ता कभी नहीं टूटी। उन्होंने जेल को भी राष्ट्रचिंतन का केंद्र बना दिया।

हिंदुत्वः सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की अवधारणाः वीर सावरकर द्वारा प्रतिपादित हिंदुत्व किसी संकीर्ण धार्मिक परिभाषा का नाम नहीं था। उनके अनुसार हिंदुत्व भारत की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सभ्यतागत पहचान है। वे भारत को एक सांस्कृतिक राष्ट्र मानते थे, जहाँ राष्ट्रीय एकता का आधार साझा इतिहास, भूगोल और जीवन-मूल्य हैं। उनका हिंदुत्व राष्ट्र की एकता और आत्मसम्मान से जुड़ा विचार था।

समाज सुधारक के रूप में सावरकरः सावरकर केवल क्रांतिकारी ही नहीं, बल्कि निर्भीक समाज सुधारक भी थे। उन्होंने छुआछूत का विरोध किया, जातिगत भेदभाव को राष्ट्र के लिए घातक बताया और मंदिर प्रवेश जैसे आंदोलनों का समर्थन किया। उनका स्पष्ट मत था कि सामाजिक विभाजन राष्ट्र को कमजोर करता है और गुलामी को जन्म देता है।

स्वतंत्रता के बाद उपेक्षा और मौन संघर्षः स्वतंत्र भारत में भी वीर सावरकर को उनके योगदान के अनुरूप सम्मान नहीं मिला। राजनीतिक और वैचारिक मतभेदों के कारण उन्हें हाशिए पर रखा गया, किंतु उन्होंने कभी राष्ट्रहित से समझौता नहीं किया। उनका जीवन स्वतंत्रता के बाद भी वैचारिक संघर्ष का प्रतीक बना रहा।

आत्मार्पण और पुण्यतिथि का अर्थः 26 फ़रवरी 1966 को वीर सावरकर ने अन्न-जल त्याग कर जीवन का आत्मार्पण किया। यह सामान्य मृत्यु नहीं थी, बल्कि एक तपस्वी राष्ट्रभक्त का महाप्रस्थान था, जिसने अपना संपूर्ण जीवन भारत माता को समर्पित कर दिया।

आज के भारत में वीर सावरकरः आज जब भारत सांस्कृतिक पुनर्जागरण और राष्ट्रीय आत्मविश्वास के दौर से गुजर रहा है, तब वीर सावरकर के विचार और अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। वे हमें सिखाते हैं कि स्वतंत्रता केवल राजनीतिक नहीं, वैचारिक भी होती है और राष्ट्र सर्वोपरि होता है।

वीर सावरकर एक महान देशभक्त थे, हैं और सदैव रहेंगे।

कश्मीर से कोलकाता तमिलनाडु तक आतंक के तार

मनोज कुमार अग्रवाल

हाल ही में देश में एक बार फिर बड़ी आतंकी साजिश बेनकाब हुई है. पाकिस्तान आइएसआइ और बांग्लादेश के आतंकी संगठनों की शह पर बड़ी आतंकी साजिश रचने वाले 8 संदिग्धों को कल गिरफ्तार किया गया . उनकी गिरफ्तारी को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। बीते दस दिनों में दिल्ली और कोलकाता के कई इलाकों में ÷फ्री कश्मीर÷ और ÷कश्मीर में जनसंहार बंद करो÷ जैसे पोस्टर लगाने की घटना के बाद शुरू हुई जांच अब एक अंतरराष्ट्रीय आतंकी नेटवर्क तक पहुंच गई है. इस पूरे ऑपरेशन में अब तक कुल 8 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है 6 तमिलनाडु से और 2 पश्चिम बंगाल से हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार, पोस्टर लगाने की घटना के बाद संदिग्ध तुरंत दिल्ली और कोलकाता से निकलकर अपने-अपने ठिकानों पर लौट गए थे. इस मामले में सबसे पहले मालदा से दो आरोपियों की गिरफ्तारी हुई, जिनसे पूछताछ और मोबाइल डेटा एनालिसिस के आधार पर तमिलनाडु में सक्रिय मॉड्यूल का पता चला. इसके बाद तिरुप्पुर जिले के उथुकुली (2), पल्लडम (3) और तिरुमुरुगनपूंडी (1) स्थित गारमेंट यूनिट्स पर छापेमारी करते हुए छह और आरोपियों को पकड़ा गया.तमिलनाडु से गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान मिजानुर रहमान, मोहम्मद शबत, उमर, मोहम्मद लितान, मोहम्मद शाहिद और मोहम्मद उज्जल के रूप में हुई है. इनमें से अधिकांश के बारे में पता चला है कि वे बांग्लादेशी नागरिक हैं और भारत में फर्जी आधार कार्ड व नकली पहचान के जरिए रह रहे थे. सभी को पूछताछ के लिए दिल्ली लाया जा रहा है. जांच में सामने आया है कि इनका सीधा या परोक्ष संबंध पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ढ्ढस्ढ्ढ और बांग्लादेश के आतंकी संगठनों से था. कुछ संदिग्ध हाल ही में बांग्लादेश भी गए थे, जहां वे सक्रिय आतंकी नेटवर्क के संपर्क में आए.सुरक्षा एजेंसियों ने कोलकाता में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की गहरी पैठ और एक सुनियोजित साजिश का सनसनीखेज खुलासा किया है। खुफिया सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी उमर फारूक ने कोलकाता महानगर को ही अपना मुख्य परिचालन केंद्र बना लिया था और वह लश्कर के एक सक्रिय हैंडलर के तौर पर काम कर रहा था। जांच में यह तथ्य सामने आया है कि उमर का संपर्क मार्च 2025 में कश्मीर निवासीसब्बिर अहमद लोन से हुआ था, जिसके बाद कोलकाता को दहलाने की खतरनाक साजिश की पटकथा लिखी गई।

इस नेटवर्क ने सुरक्षा एजेंसियों को चकमा देने के लिए न केवल हिंदू नामों का सहारा लिया, बल्कि शहर के अति-संवेदनशील धार्मिक स्थलों की रेकी कर उनके वीडियो सीमा पार अपने आकाओं को भेजे।खुफिया एजेंसियों के दावे के मुताबिक, हैंडलर सब्बिर के सीधे निर्देश पर उमर ने कोलकाता में एक किराए का मकान लिया था. जिसे साजिश को अंजाम देने के लिए सेफ हाउस के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था। जांच में सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह हुआ है कि आतंकियों के निशाने पर चांदनी चौक इलाके के पास स्थित एक प्रमुख मंदिर था। उमर और उसके साथियों ने अपनी पहचान छिपाकर इस मंदिर की येह ली और उसका विस्तृत वीडियो बनाकर कश्मीर मेंबैठे अपने हैंडलर को भेजा।

फीचर

तुलसी के पास छिपकली के आना होता है शुभ

सनातन धर्म में तुलसी के पौधे का विशेष महत्व है। इसके बिना घर का आंगन अधूरा सा लगता है। लोग तुलसी पूजा के साथ ही दिन की शुरुआत करते हैं।

धार्मिक मान्यता है कि तुलसी के पौधे में मां लक्ष्मी का वास होता है। इसके अलावा, तुलसी को लेकर तमाम मान्यताएं भी प्रचलित हैं।

तुलसी के पास छिपकली के दिखने का मतलब आर्थिक लाभः ज्योतिषाचार्य के अनुसार, तुलसी के पास छिपकली का दिखना शुभ संकेत है। माना जाता है कि, यदि तुलसी के पौधे के पास छिपकली दिखाई देती तो इसका मतलब है कि धन-लाभ और समृद्धि हो सकती है।

सुख-समृद्धिः तुलसी के पास छिपकली का दिखना समृद्धि का प्रतीक भी माना जाता है। यह घर में सुख-समृद्धि और खुशहाली लाने वाला माना जाता है।

घर में सुख-शांतिः तुलसी के पौधे के पास छिपकली का दिखना घर में सकारात्मक ऊर्जा के बढ़ने और अच्छे समय के आगमन का प्रतीक माना जाता है।

मनोकामनाएं पूरी होंगीः अगर तुलसी पर छिपकली दिखाई दे और वह सुरक्षित रूप से चली जाए, तो इसे शुभ माना जाता है और यह संकेत करता है कि आपकी मनोकामनाएं पूरी होने वाली हैं।

परिवार की रक्षाः कुछ संस्कृतियों में, छिपकली को बुरी शक्तियों से सुरक्षा प्रदान करने वाला माना जाता है। इसलिए, तुलसी के पास छिपकली का दिखना घर और परिवार की सुरक्षा का प्रतीक भी माना जाता है।

गृह क्लेश का कारणः ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, लेकिन यदि छिपकली बार-बार तुलसी के पौधे पर आती दिखे, तो यह घर में कलह या विवाद का संकेत हो सकता है।

तुलसी की मंजरी का क्या करेंः तुलसी में मंजरी आने का मतलब है कि जीवन में आने वाले संकटों से निजात मिलेगी।

प्रेरणा

शरीर तो मंदिर है

आस्तिकता और कर्त्तव्यपरायणता की सद्वृत्ति का प्रभाव सबसे पहले सबसे समीपवर्ती स्वजन पर पड़ना चाहिए। हमारा सबसे निकटवर्ती सम्बन्धी हमारा शरीर हैं। उसके साथ सद्व्यवहार करना, उसे स्वस्थ और सुरक्षित रखना अत्यावश्यक है। शरीर को नर कहकर उसकी उपेक्षा करना अथवा उसे सजाने-संवारने में सारी शक्ति खर्च कर देना, दोनों ही ढंग अकल्याणकारी हैं। शरीर हमारा सदा सहायक सेवक है। वह चौबीसों घंटे सोते-जागते हमारे लिए काम करता रहता है। वह अपनी सामर्थ्य भर आज्ञा पालन के लिए तत्पर रहता है। उसकी पांच ज्ञानेन्द्रियां न केवल ज्ञान वृद्धि का दायित्व उठाती हैं, वरन अपने-अपने ढंग से अनेक रसास्वादन भी कराती रहती हैं। इन विशेषताओं के कारण आत्मा उसकी सेवा-साधना पर मुग्ध हो जाती है और अपना सुख ही नहीं, अस्तित्व तक भूल उसी में रम जाती है। यह घनिष्ठता इतनी सघन हो जाती है कि व्यक्ति आत्मा की सत्ता और आवश्यकता तक भूल जाता है और शरीर को अपना ही आपा मानने लगता है।

ऐसे वफादार सेवक को समर्थ, निरोग एवं दीर्घजीवी बनाए रखना प्रत्येक विचारशील का कर्त्तव्य है। चाहते तो सभी ऐसा ही हैं, पर जो रहन-सहन, आहार-विहार अपनाते हैं, वह विधा ऐसी उल्टी पड़ जाती है कि उसके कारण अपने प्रिय पात्र को अपार हानि उठानी पड़ती है और रोता-कलपता, दुर्बलता से ग्रसित होकर व्यक्ति असमय दम तोड़ देता है। स्वस्थ-समर्थ रहना कठिन नहीं है। प्रकृति के संकेतों का अनुसरण करने भर से यह प्रयोजन सिद्ध हो सकता है।

अपनी बात

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नागरिकों के हित में भारतीय डाक व्यवस्था ने अपनी सार्थक भूमिका सिद्ध की है। ब्रिटिश काल से प्रारंभ व्यवस्थाओं को नया स्वरूप मिलता गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डाक व्यवस्था में निर्णायक परिवर्तन आये हैं और डाक विभाग की भूमिका को महत्वपूर्ण बनाने की ठोस पहल हुई है।

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि सभी ग्रामीण डाक सेवक मेरे परिवार के सदस्य हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में डाक विभाग देश के विकास में अपनी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर रहा है। डाक विभाग को तकनीकी रूप से सुदृढ बनाने के लिए कई कदम उठाए गए है। हमारा संकल्प है कि देश के डाक विभाग को विश्व की सबसे बड़ी लाजिस्टिक शक्ति के रूप में स्थापित करेंगे।

ब्रीफ न्यूज

तौल विभाग गुना के द्वारा जिले में 65 विभिन्न संस्थानों की जांच, 05 प्रकरण पंजीबद्ध

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशानुसार में विगत दिवस 24 फरवरी 26 को नाप तौल विभाग गुना के द्वारा जिले में 65 विभिन्न संस्थानों (किराना, दूध डेयरी, मिठाई संस्थानों, कबाडा, लोहा व्यापारी मसाला आटा चक्की, कृषि सेवा केंद्र, गल्ला एवं अन्य संस्थान) की जांच कर विधिक माप विज्ञान अधिनियम 2009 की विभिन्न धाराओं के तहत 05 प्रकरण पंजीबद्ध किये गये, ये जांच संपूर्ण जिले में निरंतर जारी रहेगी।

समाजसेवी प्रमोद भार्गव ने थैलेसीमिया पीड़ित बच्चे के लिए किया रक्तदान

गुना। जिला अस्पताल से मिली सूचना पर त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए समाजसेवी प्रमोद भार्गव ने ग्रामीण क्षेत्र के एक थैलेसीमिया पीड़ित बच्चे के लिए बी पॉजिटिव रक्तदान कर मानवता का परिचय दिया। वर्षों से नियमित रक्तदान और जागरूकता शिविरों के माध्यम से सक्रिय भार्गव ने तत्काल अस्पताल पहुँचकर बच्चे की जान बचाई। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि थैलेसीमिया पीड़ित सैकड़ों बच्चों के जीवनदान के लिए लोग अधिक से अधिक रक्तदान करें। स्थानीय नागरिकों ने भार्गव के इस प्रेरणादायक कार्य की मुक्तकंठ से सराहना की। इस अवसर पर अस्पताल स्टाफ सहित अन्य सेवाभावी लोग उपस्थित रहे।

होली त्यौहार के मद्देजर खाद्य सुरक्षा विभाग ने लिए मावा एवं मिठाईयों के भरे सैम्पल

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशानुसार एवं अभिहित अधिकारी, खाद्य सुरक्षा प्रशासन डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा होली त्यौहार के मद्देनजर जिले में होटल, रेस्टोरेंट एवं मिठाई दुकानों की जाँच कर मावा एवं मिठाई के सैम्पल संग्रहित किए। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा एबी रोड़ रूठियाई स्थित महाकाल रेस्टोरेंट से मावा बर्फी, नमकीन सेव, अग्रवाल मिष्ठान भण्डार से बेसन के लड्डू एवं मलाई बर्फी, अंजली रेस्टोरेंट रूठियाई से मलाई बर्फी, नमकीन सेव, आर्य समाज स्कूल के सामने, एबी रोड़ए गुना स्थित राज स्वीट्स से मावा, बर्फी एवं महावीर मिष्ठान भण्डार से मावा के लड्डू एवं बूँदी के लड्डू के सैम्पल जाँच हेतु संग्रहित कर राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला को भेजे हैं। जिनकी जाँच रिपोर्ट आने पर आगे की वैधानिक कार्यवाही की जावेगी। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान खाद्य कारोबारकर्ताओं को साफ-सफाई एवं शुद्ध व ताजा मिठाई एवं अन्य खाद्य सामग्री बेचने संबंधी निर्देश दिए। कलेक्टर कन्याल के निर्देशानुसार मिलावट के विरूद्ध अभियान अंतर्गत खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले में खाद्य प्रतिष्ठनों की जांच एवं सैम्पलिंग कार्यवाही निरंतर जारी है।

समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये 07 मार्च तक होगा पंजीयन

गुना। मौजूदा रबी विपणन वर्ष में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये किसान भाई 07 मार्च तक पंजीयन करा सकते हैं। पंजीयन व्यवस्था को सहज और सुगम बनाया गया है। गुना जिले में 35 पंजीयन केन्द्र बनाये गए हैं।

युवा संगम कार्यक्रम का किया गया आयोजन

निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा 108 से अधिक युवाओं को दिये ऑफर लेटर

सत्ता सुधार ■ गुना

मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम विभाग एवं कौशल विकास एवं रोजगार विभाग व ग्रामीण विकास विभाग द्वारा युवा संगम के तहत एक ही छत के नीचे युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार उपलब्ध कराने के उदेश्य से हर माह निर्धारित दिवस को युवा संगम कार्यक्रम अंतर्गत जिला स्तरीय रोजगार व स्वरोजगार मेला का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में कार्यक्रम के नोडल व जिला रोजगार अधिकारी बीएस मीना ने बताया कि कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक दुबे के मार्गदर्शन में आज 25 फरवरी 2026 को जिला पंचायत विश्राम गृह, गुना में युवा संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कलेक्टर सहित जनप्रतिनिधियों द्वारा सरस्वती पूजन कर किया गया।

आज के कार्यक्रम में निजी क्षेत्र की 7 कम्पनियों द्वारा भाग लिया गया। इस दौरान कुल 285 युवाओं द्वारा पंजीयन कराया गया एवं 108 आकांक्षी युवाओं ऑफर लेटर प्रदान किया गया। युवा संगम में प्रदेश की निजी क्षेत्र की विभिन्न कंपनियां शामिल हुई, जिनके द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से निजी क्षेत्र में रोजगार के लिए ऑफर लेटर उपलब्ध कराये गये। कार्यक्रम में उपस्थित गुना नगरपालिका उपाध्यक्ष श्री धर्म सोनी, जिला पंचायत सदस्य श्री महेंद्र सिंह सामरसिंगा, श्री रमेश मालवीय सहित अन्य जनप्रतिनिधि द्वारा भी युवाओं/हितग्राहियों को संबोधित करते हुए जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे नवाचारों की जानकारी देते हुए सभी बधाई दी।

युवा संगम कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल ने कहा कि हमारी सरकार की सोच है कि अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार से जोड़ा जाए। निजी क्षेत्र की कंपनियां आपकी योग्यता और कौशल के हिसाब से चयन करती हैं। आज कार्यक्रम में चयनित युवा निजी क्षेत्र की कंपनी में ज्वाइनिंग देकर अपने काम की शुरुआत करें। कलेक्टर श्री कन्याल ने कहा गुना जिले में गुलाब और अमरूद की खेती की बहुत संभावना है। आप कम से कम भूमि में गुलाब उगा कर अपना स्वरोजगार स्थापित कर सकते है। गुना के गुलाब की महक दूर दूर तक पहुंचती जा रही हैं। हम गुलाब की खेती को बढ़ावा देने और लोगों को जागरूक करने के लिए आगामी 28 फरवरी 2026 को मानस भवन गुना में एक गुलाब की प्रदर्शनी लगाने जा रहे हैं।

कलेक्टर ने उपस्थित युवाओं दिलाई नशा मुक्ति की शपथ

युवा संगम में शासन के आदेशानुसार अब युवा संगम में युवाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, नशामुक्ति की जानकारी, दी गई और कलेक्टर द्वारा उपस्थित युवाओं को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई तथा कौशल विकास के लिए राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना, प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना की जानकारी भी युवाओं को उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम के दौरान नशा मुक्ति अभियान के दौरान नशे से मुक्ति कैसे पाए इस सम्बन्ध में जानकारी दी गई। चिकित्सकों द्वारा युवाओं और हितग्राहियों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया। कार्यक्रम के दौरान संयुक्त संचालक कौशल सौरभ सिंह तोमर, जोनल टीपीओ भगीरथ अग्निहोत्री आईटीआई ग्वालियर, उप संचालक उद्यानिकी केपीएस किरार, उपायुक्त सहकारिता मुकेश जैन, गुना आई टी आई प्राचार्य श्वेता कुशवाह, ग्रामोद्योग अधिकारी मिलिंद देशपांडे, जिला आजीविका मिशन जिला प्रबंधक डी पी कम्ठान, सहायक प्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र वासुदेव रावत, शिववीर जाटव, कंपनी प्रतिनिधि बी एम यादव सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में युवा व हितग्राही उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला रोजगार अधिकारी बीएस मीना द्वारा किया गया।

केदारनाथ धाम के कपाट खोलने और ओलावृष्टि से तबाह फसल के मुआवजे की उठी पुरजोर मांग

विधानसभा में गूंजी गुना की आवाज, बमोरी विधायक ऋषि अग्रवाल ने रखी मांग

सत्ता सुधार ■ गुना

मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र में बमोरी विधायक ऋषि अग्रवाल ने अपने क्षेत्र की दो प्रमुख समस्याओं को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। विधायक ने जहां एक ओर हिंदुओं की आस्था के केंद्र प्राचीन केदारनाथ धाम के कपाट पुनः खुलवाने के लिए विधानसभा में याचिका लगाई है, वहीं दूसरी ओर ओलावृष्टि से बर्बाद हुई धनिया की फसल के मुआवजे और इसे फसल बीमा में शामिल करने की मांग को लेकर सरकार को घेरा है। विधायक ने सदन में स्पष्ट किया कि प्रशासन की अनदेखी के कारण क्षेत्र का किसान और आम नागरिक दोनों ही मानसिक और आर्थिक रूप से प्रताड़ित हो रहे हैं।

विधायक ऋषि अग्रवाल ने सदन को अवगत कराया कि गुना जिले के बमोरी विधानसभा अंतर्गत ग्राम महोदरा में स्थित प्राचीन शिव मंदिर केदारनाथ धाम लाखों लोगों की आस्था का केंद्र है। यहां न केवल गुना बल्कि आसपास के कई जिलों से हजारों श्रद्धालु प्रतिदिन और विशेषकर शिवरात्रि व सावन मास में दर्शन हेतु आते थे। करीब दो वर्ष पूर्व मंदिर के रास्ते की एक चट्टान खिसकने के कारण जिला प्रशासन ने सुरक्षा का हवाला देते हुए श्रद्धालुओं का प्रवेश पूरी तरह बंद कर दिया था। विधायक का आरोप है कि पिछले विधानसभा सत्र में भी उन्होंने यह मुद्दा उठाया था, लेकिन सरकार ने आज तक न तो वैकल्पिक मार्ग का निर्माण कराया और न ही उन चट्टानों को हटाने या रोकने का प्रयास किया। आस्था के इस केंद्र पर लगे ताले को खुलवाने के लिए विधायक ने पुनः याचिका लगाते हुए मांग की है कि चट्टानें हटाकर रास्ते का निर्माण शीघ्र कराया जाए ताकि श्रद्धालु पुनः दर्शन लाभ ले सकें।

आस्था के साथ-साथ विधायक ने किसानों की बदहाली का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने विधानसभा में कहा कि गुना जिले का धनिया अपनी गुणवत्ता के लिए विश्व प्रसिद्ध है, लेकिन सरकार की नीतियों के कारण यहां का किसान हाशिए पर है। विधायक ने बताया कि धनिया की फसल वर्तमान में फसल बीमा योजना के अंतर्गत सम्मिलित नहीं है। इसका दुष्परिणाम यह है कि जब भी अतिवृष्टि या ओलावृष्टि जैसी प्राकृतिक आपदा आती है, तो किसानों को कोई बीमा लाभ नहीं मिल पाता।

इस वर्ष बमोरी क्षेत्र के लगभग 40 से 50 गांवों में ओलावृष्टि के कारण धनिया की फसल 100 प्रतिशत तक नष्ट हो गई है, लेकिन सरकार और प्रशासन इसे मानने को तैयार नहीं हैं।

विधायक ऋषि अग्रवाल ने सदन में सरकार के उस दावे पर भी कड़ा ऐतराज जताया जिसमें मंत्री ने कहा कि गुना जिले में किसानों का कोई नुकसान नहीं हुआ है। विधायक ने इसे हकीकत से परे बताते हुए कहा कि दर्जनों गांवों में फसलें पूरी तरह बर्बाद हो चुकी हैं और आज तक धरातल पर कोई सर्वे नहीं किया गया है। उन्होंने मांग की है कि सरकार अपनी हठधर्मिता छोड़कर तत्काल सर्वे कराए और किसानों को उचित मुआवजा प्रदान करे। साथ ही, उन्होंने धनिया की फसल को तत्काल फसल बीमा योजना में शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि भविष्य में प्राकृतिक आपदा आने पर किसानों को आर्थिक सुरक्षा मिल सके। इन दोनों संवेदनशील मुद्दों पर विधायक के कड़े तेवरों ने सदन का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम से नई मुस्कान

06 माह में स्वस्थ हुआ मासूल अनिकेत

गुना। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत गुना जिले में एक और प्रेरणादायक सफलता कहानी सामने आई है। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर के मार्गदर्शन में मासूम अनिकेत को जन्मजात विकृति से पूर्णतः स्वस्थ किया गया। ग्राम बापचा, तहसील राघौगढ़ निवासी ब्रजमोहन के परिवार में तीन बेटियों के बाद पुत्र अनिकेत का जन्म जामनेर के शासकीय अस्पताल में सामान्य प्रसव से हुआ। परिवार में खुशी का माहौल था, किंतु जन्म के समय चिकित्सकों ने पाया कि बच्चे के दोनों पैर अंदर की ओर मुड़े हुए हैं, जिसे चिकित्सकीय भाषा में क्लब फुट कहा जाता है।

जामनेर प्रसव केंद्र से डॉ. मोहित यादव द्वारा तुरंत टीम को सूचना दी गई। तत्पश्चात बच्चे को जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र रेफर किया गया। जिला शीघ्र हस्तक्षेप प्रबंधक विनीता सोनी के समन्वय में तथा अनुष्का फाउंडेशन के सहयोग से जिला चिकित्सालय में संचालित क्लब फुट क्लीनिक में उपचार प्रारंभ किया गया। अस्थि रोग

विशेषज्ञ डॉ. वीरेंद्र धाकड़ द्वारा बच्चे के पैरों की 6 से 7 बार कास्टिंग की गई तथा एक छोटी शल्य क्रिया (टेनिटॉमी) भी सफलतापूर्वक जिला चिकित्सालय में की गई। उपचार के पश्चात अनिकेत को निःशुल्क कैलिपर्स (विशेष जूते) प्रदान किए गए, जिससे पैरों की स्थिति सामान्य बनी रहे। आज अनिकेत 06 माह का हो चुका है और उसके दोनों पैर पूरी तरह से सामान्य हो गए हैं। अब वह अन्य बच्चों की तरह सामान्य विकास की ओर अग्रसर है। बच्चे के स्वास्थ्य में आए सकारात्मक बदलाव को देखकर परिवार अत्यंत प्रसन्न है और उन्होंने स्वास्थ्य विभाग एवं चिकित्सकीय टीम के प्रति आभार व्यक्त किया।

बिजली कंपनी में करोड़ों के घोटाले का आरोप, कर्मचारी यूनियन ने की स्पेशल ऑडिट की मांग

गुना। मध्य प्रदेश विद्युत कर्मचारी जनता यूनियन ने बिजली कंपनी के गुना स्थित उपमहाप्रबंधक कार्यालय में करोड़ों रुपये के वित्तीय घोटाले का आरोप लगाते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। यूनियन के प्रांतीय उपाध्यक्ष नरेंद्र भदोरिया ने प्रबंध संचालक भोपाल और जबलपुर को पत्र लिखकर मांग की है कि जनवरी 2022 से फरवरी 2026 तक की अवधि का स्पेशल ऑडिट कराया जाए। श्री भदोरिया का आरोप है कि लगभग 60.98 लाख रुपये के गबन मामले में प्रशासन ने केवल एक आउटसोर्स कर्मचारी पर एफआईआर दर्ज कराकर बड़े अधिकारियों को बचाने का प्रयास किया है। उन्होंने दावा किया कि इस अवधि में खरीद-फरोख्त और आउटसोर्स भुगतानों में भारी अनियमितताएं हुई हैं। यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि एक माह के भीतर स्पेशल ऑडिट समिति का गठन नहीं हुआ, तो संगठन उग्र आंदोलन करेगा। भदोरिया ने यह भी आरोप लगाया कि संबंधित अधिकारी पुलिस जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं और कार्रवाई से बचने के लिए स्थानांतरण का प्रयास कर रहे हैं।

राज्य स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम में जिले के स्वसहायता समूहों ने किया गुना जिले का प्रतिनिधित्व

कार्यक्रम में गुना जिले के कार्यो को मिला प्रोत्साहन एवं सराहना

सत्ता सुधार ■ गुना

म.प्र.डे.राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला गुना अन्तर्गत कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गुना अभिषेक दुबे द्वारा स्व सहायता समूह की दीदीयों को सामाजिक एंव आर्थिक रूप से सशक्त करने के उद्देश्य से विभिन्न नवाचार एवं पहल की जा रही है एवं शासन स्तर से हर संभव सहयोग एवं प्रोत्साहन किया जा रहा है। स्वसहायता समूह सदस्यों को आत्मनिर्भर एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों की गुणवत्ता, विपणन एवं विभिन्न माध्यमो से प्रचार-प्रसार करने में महत्तवपूर्ण भूमिका रही है।

जिला परियोजना प्रबंधक श्रीमती सोनू सुशीला यादव द्वारा बताया गया कि स्वसहायता समूह द्वारा निर्मित स्थानीय उत्पादों के प्रचार-प्रसार, बाजार उपलब्ध कराना एवं ग्राहकों तक सरल पहुच बनाने एवं वोकल फॉर लोकल एवं आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश की परिकल्पना को साकार करते हुए दिनांक 25 फरवरी 2026 को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभा ग्रह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल के मुख्य अतिथ्य में स्व सहायता समूह के निर्मित उत्पादों की मार्केटिंग हेतु उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे गुना जिले की स्व सहायता समूह की दीदियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। गुना जिले की बमोरी विकासखंड में संचालित उन्नत एग्रो फूड प्रोसेसिंग यूनिट की श्रीमति मीना फराकटे दीदी द्वारा मंच के माध्यम से माननीय अतिथियों के समक्ष अपने उत्पादों के विपणन से सम्बंधित अनुभव साझा किये, जिसे माननीय अतिथियों द्वारा अपने उद्बोधन में काफी सराहना की गयी एवं उनके द्वारा किये जा रहे कार्यो को प्रोत्साहित किया गया एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

संगठन की मजबूती के लिए गुना पहुंचीं सहः जाटव

गुना। मध्यप्रदेश कांग्रेस की नवनियुक्त सह-प्रभारी और भरतपुर सांसद संजना जाटव अपने प्रथम प्रवास पर बुधवार को गुना पहुंचीं। यहां कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया, जिसके बाद उन्होंने जिला कांग्रेस समन्वय समिति की महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में सांसद जाटव ने संगठन की मजबूती के लिए एकजुटता को सबसे बड़ा हथियार बताया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सफलता के लिए नेताओं को आपसी मतभेद भुलाकर समन्वय के साथ काम करना होगा। सामूहिक चर्चा के उपरांत संजना जाटव ने जिले के वरिष्ठ नेताओं, पूर्व विधायकों और पदाधिकारियों के साथ वन-टू-वन संवाद किया। बंद कमरे में हुई इस चर्चा के दौरान उन्होंने जिले में व्याप्त गुटबाजी, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और स्थानीय राजनीतिक चुनौतियों का फीडबैक लिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे केवल सोशल मीडिया तक सीमित न रहें, बल्कि बूथ स्तर पर जाकर जनता से सीधा संवाद करें और सरकार की विफलताओं को उजागर करें। इस दौरान जिला कांग्रेस के तमाम बड़े पदाधिकारी और सक्रिय कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नपाध्यक्ष ने उपाध्यक्ष सहित 7 पार्षदों पर ठोंका मानहानि का मुकदमा

सत्ता सुधार ■ गुना

नगर पालिका परिषद में चल रही अंदरूनी कलह अब सड़क से निकलकर न्यायालय की चौखट तक पहुँच गई है। भाजपा शासित नगर पालिका की अध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता ने अपनी ही पार्टी के उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सोनी सहित सात पार्षदों के विरुद्ध मानहानि का मुकदमा दायर किया है। अध्यक्ष का आरोप है कि ये सभी लोग न केवल उनकी व्यक्तिगत छवि धूमिल कर रहे हैं, बल्कि शहर के विकास कार्यों में भी रोड़ा अटका रहे हैं।

झूठे आरोपों से छवि खराब करने का प्रयासः नपाध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता ने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सोनी और उनके साथी पार्षद पिछले लंबे समय से उन पर मिथ्या और आधारहीन आरोप लगाकर राजनीतिक रोटियां सेंकने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये पार्षद कांग्रेस के साथ मिलकर भाजपा की ही परिषद को बदनाम करने और विकास कार्यों को बाधित करने की साजिश रच रहे हैं। अध्यक्ष के अनुसार, पूर्व में भी उन्होंने मानहानि का दावा किया था, लेकिन पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के हस्तक्षेप पर उसे वापस ले लिया गया था। बावजूद इसके, संबंधित गुट की ओर से मानसिक प्रताड़ना और चरित्र हनन का सिलसिला जारी रहा।

संगठन से नहीं मिला संरक्षण, अब न्यायपालिका से आसः श्रीमती गुप्ता ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि एक वायरल वीडियो के मामले में बयान देने वाले व्यक्ति ने भी पुलिस के समक्ष माना था कि वीडियो उपाध्यक्ष द्वारा दबाव बनाकर बनवाया गया था, फिर भी पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। उन्होंने दुख जताया कि जब पार्टी संगठन और वरिष्ठ नेतृत्व से उन्हें अपेक्षित संरक्षण नहीं मिला, तब उन्हें मजबूरन न्यायालय की शरण लेनी पड़ी। अध्यक्ष ने इन सभी पार्षदों को विकास व संगठन विरोधी बताते हुए कहा कि वे और उनका परिवार इस दुष्प्रचार से बेहद आहत हैं और उन्हें पूर्ण विश्वास है कि न्यायालय से उन्हें न्याय प्राप्त होगा।

हक की लड़ाई में झुका प्रशासन, गुना पीडब्ल्यूडी कार्यालय पर कोर्ट की बड़ी कार्रवाई

38 लाख के बकाया वेतन के लिए एसडीओ की कार और दफ्तर का सामान कुर्क

सत्ता सुधार ■ गुना

लोक निर्माण विभाग की लापरवाही और एक रिटायर्ड कर्मचारी के हक को दबाने की कोशिश विभाग को बहुत महंगी पड़ गई। बुधवार को जिला न्यायालय के सख्त आदेश पर विभाग के कार्यालय में कुर्की की अभूतपूर्व कार्रवाई को अंजाम दिया गया। आलम यह था कि न्यायालय की टीम ने न केवल दफ्तर के कंप्यूटर और फर्नीचर को कब्जे में लिया, बल्कि मौके पर मौजूद एसडीओ की सरकारी कार को भी कुर्क कर लिया। यह पूरी कार्रवाई रिटायर्ड क्लर्क कौशल किशोर राठौर के बकाया वेतन और एरियर के भुगतान को लेकर की गई है, जिसकी कुल राशि लगभग 36.68 लाख रुपये आंकी गई है।

इस पूरे मामले की जड़ें साल 1995 से जुड़ी हैं। विभाग में एलडीसी के पद पर कार्यरत रहे कौशल किशोर राठौर को उनके पद के अनुसार उचित वेतन नहीं दिया जा रहा था। अपने अधिकार के लिए उन्होंने लोअर कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी और हर स्तर पर जीत हासिल की। विभाग ने साल 2013 तक के एरियर का भुगतान तो कर दिया था, लेकिन 2014 से लेकर दिसंबर 2025 में उनके रिटायरमेंट तक की करीब 40 लाख की बकाया राशि को रोक कर रखा गया था। प्रशासन की इस हठधर्मिता के खिलाफ श्री राठौर ने हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर की थी, जिस पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने निचली अदालत को 6 माह के भीतर वसूली सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए थे।

बुधवार दोपहर जब प्रथम व्यवहार न्यायाधीश मधुलिका मुले के न्यायालय से जारी आदेश को लेकर जिला नाजिर राकेश शर्मा की टीम पीडब्ल्यूडी दफ्तर पहुंची, तो वहां हड़कंप मच गया। टीम ने कार्रवाई करते हुए कार्यालय की कुर्सियां, टेबल, पंखे और कंप्यूटर सिस्टम को जब्त करना शुरू कर दिया। इसी दौरान एसडीओ की गाड़ी को भी कुर्की की जद में ले लिया गया। अदालती टीम ने स्पष्ट संदेश दिया है कि फिलहाल चल संपत्ति की कुर्की की जा रही है, लेकिन यदि इससे बकाया राशि की भरपाई नहीं होती है, तो आने वाले समय में विभाग की जमीन और भवन को भी कुर्क किया जा सकता है। करीब तीन दशक पुराने इस मामले में हुई इस कार्रवाई ने सरकारी विभागों में कर्मचारियों के अधिकारों की अनदेखी करने वाले अधिकारियों के बीच हड़कंप मचा दिया है।

---

200 कट्टे पशु आहार डकारने वाले ट्रक चालक और खरीददार गिरफ्तार

गुना। शहर के एक व्यापारी के साथ अमानत में खयानत कर पशु आहार के 200 कट्टे खुर्द-बुर्द करने वाले ट्रक चालक और माल खरीदने वाले ढाबा संचालक को गुना कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बेचे गए माल की कुल राशि 3 लाख रुपये नकद और घटना में प्रयुक्त ट्रक जब्त कर लिया है। पकड़े गए दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से उन्हें जेल भेज दिया गया है।घटनाक्रम के अनुसार, महावीरपुरा निवासी व्यापारी देवेंद्र साहू ने देवास से पशु आहार के 600 कट्टे मंगवाए थे, जो इंदौर के एक ट्रक आरजे 09 जीसी 0144 से गुना पहुँचे थे। 16 फरवरी 2026 को ट्रक चालक ने 500 कट्टे गुना में उतारे, जिसके बाद व्यापारी ने शेष 100 कट्टे और अतिरिक्त 100 कट्टे (कुल 200 कट्टे) बेरखेड़ी स्थित दीनू किराना पर उतारने के लिए भेजे थे। लेकिन चालक देवेंद्र सिसोदिया इन कट्टों को गंतव्य पर पहुँचाने के बजाय कहीं और ले गया। व्यापारी की शिकायत पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 316(3) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। कोतवाली पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए 22 फरवरी को नजीराबाद निवासी ट्रक चालक देवेंद्र सिसोदिया को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने कबूल किया कि उसने 3 लाख रुपये कीमत का पशु आहार ब्यावरा के संस्कृति ढाबा संचालक राहुल सौंधिया को मात्र 2 लाख रुपये में बेच दिया था।

बोरियत को न बनाएं अपनी आदत!

सारा काम खत्म हो गया, डिनर के लिए बाहर जाने का मन नहीं है, इस सप्ताह कोई अच्छी फिल्म भी रिलीज नहीं हुई, समझ नहीं आ रहा क्या करें, कहां जाएं? आपको भी अपने आसपास अक्सर ऐसी बातें सुनने को मिलती होंगी। ऐसा सोचने या कहने का सीधा मतलब यही है कि व्यक्ति अपनी वर्तमान मनस्थिति से खुश ही है और इसी वजह से उसे बोरियत महसूस हो रही है।

समस्या की जड़ें

जब कभी जीवन में ठहराव आने लगता है तो इससे बोरियत पैदा होती है। आज की तेज रफ्तार जिंदगी ने इंसान को काफी हद तक वर्कोहॉलिक बना दिया है। अब लोग दिन-रात मशीन की तरह काम में जुटे रहते हैं। जैसे ही उनका कार्य पूरा हो जाता है, उन्हें खालीपन महसूस होने लगता है। आज लोगों के सामने मनोरंजन के विकल्पों का अंबार है, फिर भी वे बोरियत से परेशान रहते हैं। सीमित साधनों के बीच संतुष्ट और खुश रहना आसान है, लेकिन ढेर सारे विकल्प हमें केवल भ्रमित करते हैं और अंततः इनकी वजह से बोरियत पैदा होने लगती है।

बोर होते बच्चे

आजकल बच्चों को भी बहुत जल्दी बोरियत महसूस होती है। पुराने समय में बच्चे एक ही खिलौने से महीनों तक खेलते थे, पर आज के बच्चे दो ही दिनों के बाद अपने लिए नए खिलौने की मांग करने लगते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि अब पैरेंट्स के पास बच्चों के लिए समय नहीं है। इस समस्या से बचने के लिए वे छोटी उम्र से ही बच्चों को उनकी मनमर्जी का काम करने की छूट दे देते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चों की फ्रस्ट्रेशन टॉलरेंस खत्म हो रही है। अगर माहौल उनकी पसंद के प्रतिकूल हो तो वे पांच मिनट में ही ऊबने लगते हैं। कभी-कभी बोरियत होना स्वाभाविक है, लेकिन जब यह स्थायी मनोदशा बन जाए तो चिंताजनक है। बोरियत नकारात्मक विचारों की जड़ है। इससे व्यवहार में चिड़चिड़ापन आने लगता है। कार्यक्षमता और रिश्तों पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसकी वजह से व्यक्ति को डिप्रेशन भी हो सकता है।

कैसे करें बचाव

खुद को बोरियत से बचाने के लिए जीवन में संतुलन बेहद जरूरी है। जिस तरह वर्कोहॉलिक होना नुकसानदेह है, उसी तरह ज्यादा आरामतलबी और मनोरंजन की अधिकता भी व्यक्ति को बहुत जल्दी बोर कर देती है। इन दोनों स्थितियों से बचते हुए दिनचर्या में संतुलन बनाए रखना चाहिए। जिस तरह शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए आप एक्सरसाइज करते हैं या जिम जाते हैं। ठीक उसी तरह दिमागी सेहत का भी ध्यान रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए फुर्सत के पलों में टीवी देखने के बजाय कोई अच्छी किताब पढ़ें, अपने करीबी लोगों से बातचीत करें या बागवानी करें। कोई भी ऐसी गतिविधि, जिसमें व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक ऊर्जा खर्च होती हो, वह उसे बोरियत से बचाती है। ऐसी समस्या से बचने के लिए सहनशीलता बहुत जरूरी है।

बच्चे के पुराने खिलौने फेंके नहीं बल्कि ऐसे करें इस्तेमाल

अपने बच्चों के लिएही खिलौने चुनने में पेरेंट्स बहुत समय लगा देते हैं। आप जिस खिलौने को पसंद करने में घंटों लगा देते हैं, बच्चा उससे कुछ साल ही खेल पाता है और बड़ा होने पर वो खिलौने उसके किसी काम के नहीं रहते हैं। जब बच्चा खिलौनों से खेलना बंद कर देता है, तो पेरेंट्स के लिए इन्हें संभालकर रखना मुश्किल हो जाता है। उन्हें समझ नहीं आता है कि वो इन खिलौनों को कहां रखें या इनका क्या करें।

खिलौनों का क्या करें

अगर आपके बच्चे के ढेरों खिलौने अब बेकार पड़े हैं और घर में उनसे खेलने वाला कोई नहीं है, तो आप उन्हें दान कर सकते हैं। इस तरह से खिलौने उन बच्चों तक पहुंच पाएंगे, जिन्हें सच में इसकी जरूरत हो। आपकी इस कोशिश से किसी मासूम बच्चे के चेहरे पर मुस्कान आ सकती है। यहां हम आपको कुछ ऐसे तरीके और जगहें बता रहे हैं, जहां आप अपने बच्चों के खिलौनों को दान कर सकते हैं।

कैसे खिलौने कर सकते हैं दान

जो खिलौने अच्छी कंडीशन में हों और ज्यादा इस्तेमाल न किए गए हों, उन्हें दान के रूप में स्वीकार कर लिया जाता है। आप ब्लॉक्स, पजल्स, बोर्ड गेम, स्टफ्ड एनीमल, टॉय कार, क्राफ्ट किट, स्पोर्ट्स किट, एक्टिविटी बुक जैसे कई तरह के टॉएज दान कर सकते हैं। हालांकि, कई जगहों पर मुंह में लेने वाले खिलौने दान में नहीं लिए जाते हैं जैसे कि पैसिफायर और टीथर आदि। आप खिलौनों को दान करने से पहले कंफर्म कर लें कि उस जगह पर किस तरह के टॉएज लिए जाते हैं।

चैरिटी में

आप उन संस्थानों में खिलौनों को दान कर सकते हैं जो चैरिटी करती हों। ये संस्थाएं अनाथ बच्चों को ये खिलौने देती हैं। इसके अलावा इनके द्वारा गरीब परिवारों के बच्चों को भी खिलौने और जरूरी सामान दिए जाते हैं।

शेल्टर या आश्रय स्थल

वुमेन शेल्टर होम में भी आप खिलौनों को दान कर सकते हैं। इन जगहों पर बच्चों के पास बहुत कम चीजें और सुविधाएं होती हैं। ये लोग आपके गिफ्ट और खिलौनों को आसानी से ले लेंगे। आप इन्हें खिलौनों के अलावा कपड़े और टॉयलेटरीज भी दान कर सकते हैं। इसके अलावा और क्या-क्या दान कर सकते हैं, यह जानने के लिए आप सीधा शेल्टर होम में बात कर सकते हैं।

चिल्ड्रेन होम

आप अनाथ आश्रम में भी बच्चों के खिलौने दान कर सकते हैं। यहां हर उम्र के बच्चे होते हैं जिन्हें आपके खिलौने पसंद आ सकते हैं।

अस्पताल या धार्मिक केंद्र

कई अस्पताल भी बच्चों के खिलौने लेते हैं। यहां दाखिल होने वाले बच्चों को ट्रीटमेंट के दौरान खिलौनों से खेलने दिया जाता है। इसके अलावा आपके आसपास के धार्मिक केंद्रों में भी बच्चों के खिलौने लिए जा सकते हैं। आप मंदिर के बाहर बैठे बच्चों को खिलौने दे सकते हैं। इन बच्चों के पास बचपन की सबसे प्यारी चीज यानि खिलौनों के नाम पर कुछ नहीं होता है। ऐसे में आपकी छोटी सी मदद इनके चेहरे पर मुस्कान ला सकती है।

अपने बच्चों को बाहरी दुनिया में रहने के लिए ट्रेनिंग दें। क्योंकि चाहे चिड़ियां को उड़ना सिखाना नहीं पड़ता हो, फिर भी मां बच्चों को उड़ने की ट्रेनिंग दिया करती है। कभी अपने घर के आंगन में अपने बच्चों को उड़ना सिखाती चिड़िया को देखें तो आपको एहसास होगा कि उड़ने की कला उन्हें प्रकृति से मिली जरूर है, लेकिन कौशल उन्हें खुद ही हासिल करना होता है। देखें आप अपने बच्चे को कैसे आत्मविश्वासी और आत्म-निर्भर बना सकते हैं।

बच्चों को भविष्य के लिए इस तरह से करें तैयार

प्रवीर और मृदुल इत्तेफाक से रूममेट बन गए। मृदुल की मां कॉर्पोरेट सेक्टर में काम करती है, इसलिए उसका परिवेश एकदम ही अलग है। दूसरी और प्रवीर की मां सरकारी दफ्तर में काम करती है इसलिए उसका परिवेश मृदुल से कुछ अलग था। एक तरफ मृदुल हर तरह से आत्म-निर्भर और आत्मविश्वासी है तो दूसरी तरफ प्रवीर हर चीज को टालता रहता है। शुरुआत में दोनों को एक-दूसरे के साथ एडजस्ट होने में बहुत दिक्कतें पेश आईं। मृदुल क्या पहनना है से लेकर पिकनिक पर कहां जाना है और शाम को क्या सब्जी बनाने से लेकर बुक-शॉप से कौन-सी बुक खरीदनी है, जैसे सारे निर्णय स्वयं लेता है तो दूसरी तरफ प्रवीर को हर तरह का निर्णय लेने में दूसरों की जरूरत लगती है। वजह.स्पष्ट है-मृदुल को बचपन से ही निर्णय लेने के लिए प्रेरित भी किया और निर्णय लेने भी दिया गया। प्रवीर को हमेशा ही बच्चा कहा गया और हर उस अवसर से उसे दूर रखा गया, जहां विकल्पों में से चुनाव करना था। अक्सर हम बच्चों के बड़े होने के दौरान ही उन्हें निर्णय लेने की क्रिया से वंचित करते चलते हैं और फिर जब वे बड़े हो जाते हैं तब एकाएक उन्हें कहने लगते हैं कि अब बड़े हो गए हो, अपने निर्णय खुद ही करो। उस पर जब उनका निर्णय गलत सिद्ध होता है तब हम उन्हें ही दोष देने लगते हैं कि इतने बड़े हो गए, लेकिन अब तक यह समझ नहीं आया कि अपने लिए क्या सही है और क्या गलत है?

बच्चों को अपने पैरों पर खड़ा होने देना सिर्फ एक कहावत नहीं है, बल्कि उन्हें हर तरह से आने वाले जीवन और हकीकतों के सामने खड़े होने और लड़ने की कूव्वत देना है। इस मामले में एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि जब बच्चे घर से बाहर पढ़ने के लिए जाते हैं तब लड़कियां लड़कों की तुलना में जल्दी एडजस्ट कर लेती है। हो सकता है इसके सामाजिक कारण भी हो, लेकिन एक बात यह भी है कि बहुत सारे मामलों में लड़कियां ज्यादा लचीली होती है और दूसरे घर के छोटे-मोटे कामों में मां का हाथ बंटाते-बंटाते वह कब आत्मविश्वास पा लेती है, इसका उन्हें खुद भी ज्ञान नहीं होता है। अपने बच्चों को बाहरी दुनिया में रहने के लिए ट्रेनिंग दें। क्योंकि चाहे चिड़ियां को उड़ना सिखाना नहीं पड़ता हो, फिर भी मां बच्चों को उड़ने की ट्रेनिंग दिया करती है। कभी अपने घर के आंगन में अपने बच्चों को उड़ना सिखाती चिड़िया को देखें तो आपको एहसास होगा कि उड़ने की कला उन्हें प्रकृति से मिली जरूर है, लेकिन कौशल उन्हें खुद ही हासिल करना होता है। देखें आप अपने बच्चे को कैसे आत्मविश्वासी और आत्म-निर्भर बना सकते हैं।

उन्हें एक कोना दें

चाहे जो परिस्थिति हो, आप अपने बच्चे को एक ऐसा कोना जरूर उपलब्ध कराएं, जिसे वह स्वयं व्यवस्थित करें। याद करें स्कूलों में बच्चों को दिया जाना वाला लॉकर। इसी तरह एक ड्रॉवर या एक लॉकर उसे जरूर दें, जहां वह अपनी चीजें व्यवस्थित कर रख सकें। इससे उसमें जिम्मेदारी का भाव भी आएगा और निर्णय करने की क्षमता का विकास भी होगा। जब वह उसे अपनी तरह से व्यवस्थित कर पाएगा तो उसमें आत्मविश्वास भी आएगा।

छोटे-छोटे निर्णय करने दें

अपने बच्चे को छोटे-छोटे निर्णय स्वयं करने दें। जैसे अपने दोस्त की बर्थडे पार्टी में वह क्या पहन कर जाना चाहता है? या फिर डिनर के लिए जाते हुए वह किस तरह के कपड़े पहनना चाहता है? या रेस्टोरेंट में उसे स्वयं अपना ऑर्डर देने के लिए कहें। आइसक्रीम का कौन-सा फ्लैवर या किस तरह का पित्जा वह खाना चाहता है, इसका निर्णय उसे स्वयं करने दें।

अपने रिश्ते उसे ही निभाने दें

यदि उसके दोस्त का जन्मदिन है या वह अपने दोस्त को किसी खास मौके पर पार्टी देना चाहता है या गिफ्ट देना चाहता है तो उसे खुद ही निर्णय करने दें। यदि वह आपसे राय मांगे तो उसे सुझाव दें। उसके समक्ष विकल्प रखें, उसे निर्णय न सुनाएं। उससे पूछे कि उसके दोस्त की रूचि क्या करने में है? उसी हिसाब से वह उसे गिफ्ट दें, लेकिन यह न बताएं कि उसे क्या गिफ्ट दे!

घर के छोटे-छोटे काम करने के लिए कहें

भारतीय घरों में अक्सर घर के कामों को लड़कियों के हिस्से में माना जाता है। ऐसे में अक्सर हम लड़कों को इससे अलग रखते हैं। लेकिन अब चूंकि लड़कों को भी अलग-अलग वजहों से घर से बाहर जाना पड़ता है, इसलिए उन्हें भी घर के काम करना आना चाहिए। इससे घर से बाहर एडजस्ट करने में उन्हें असुविधा नहीं होगी। खासतौर पर चाय बनाना, नाश्ता बना पाना और हां अपने कपड़ों को खुद ही धोना अपने बच्चे को जरूर सिखाएं।

अपनी समस्याओं को उन्हें ही हल करने दें

भाई-बहनों के बीच के झगड़े हो या फिर दोस्तों के बीच हुए विवादब्च्चे को अपनी समस्याओं से खुद ही लड़ने को कहें। स्कूल के एंन्यूएल फंक्शन में पार्टिसिपेशन के लिए डांस की तैयारी करनी हो या फिर कॉस्ट्यूम अरेंज करना हो, बच्चों को मार्गदर्शन तो दें, लेकिन उसका काम आप न करें।

इस तरह की छोटी-छोटी चीजें करके आप बच्चे को भविष्य के लिए तैयार कर सकते हैं। आखिर उसे आपके घर की छत से बाहर जाकर अपने लिए जमीन तलाशनी है और दुनिया बनानी है। अपनी छाया से अलग करके ही आप उसे विकसित होने का अवसर देंगी, ये न सिर्फ आपके लिए बल्कि स्वयं बच्चे के लिए भी अच्छा होगा।

छोटी-सी तारीफ भी देती है बड़ी खुशी

कोई भी महिला तब और निखर उठती है, जब कोई उसकी खूबसूरती की तारीफ करने वाला हो। कोई उसकी छोटी-छोटी जरूरतों का खयाल रखने वाला हो। अगर वह अपने साथी के लिए कुछ करे तो वह उसे नोटिस करे। जब साथी इन बातों का खयाल रखता है तो दांपत्य जीवन खुशियों से महक उठता है।

आज सुबह से ही तन्वी का मन कुछ उदास था, न जाने किस सोच में गुम थी। पिछले काफी समय से सोच रही थी कि उसकी शादीशुदा जिंदगी में कुछ कमी-सी है लेकिन तभी मोबाइल पर आए एक मैसेज ने जिंदगी में छाई सारी निराशाओं को पल भर में मानो दूर भगा दिया और तन्वी के मन में एकाएक नई उमंगें तैरने लगीं। इसमें लिखा था-'कैसी हो स्वीटहार्ट' ? तुम्हारा दिन कैसा बीत रहा है?

यह मैसेज पढ़ते ही तन्वी का उदासी में डूबा दिन खुशनुमा हो उठा। उसके मन में शाम की कई प्लानिंग चलने लगीं। आईने में खुद को बार-बार निहारने लगी। वाकई में तन्वी जितनी खुश थी, उसकी चमक उसके चेहरे पर स्पष्ट दिखाई दे रही थी। उसके बाद ही तन्वी ने भी पूरी गर्मजोशी से मैसेज का जवाब भी दिया और उसके खुश रहने के साथ पूरे घर का माहौल खुशनुमा हो गया।

क्या चाहती हैं महिलाएं

अक्सर पुरुष सोचते हैं कि स्त्रियों को खुश करना बड़ा मुश्किल है, लेकिन वे नहीं जानते कि उनकी जीवनसंगिनी खुश होने के लिए बेशकीमती तोहफा नहीं चाहती, उसे तो प्यार से दी गई एक कैंडी भी खुश कर सकती है। लंबे से मेल के बजाय प्यार में डूबी छोटी-सी पंक्ति भी जीवनसाथी को प्रसन्ना कर सकती है। बस, इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

बस थोड़ी-सी केयर

सचाई यह है कि करियर में कोई स्त्री कितनी भी कामयाब क्यों न हो जाए, उसे सबसे बड़ी खुशी तब मिलती है, जब उसका साथी उसकी छोटी-छोटी ख्वाहिशों को समझता हो, उनका खयाल रखता हो। दरअसल, ऐसा करते हुए वह यह जता देता है कि वह उसके लिए कितनी खास है। महिलाएं हमेशा से चाहती हैं कि उनका साथी कार में पहले खुद बैठने की बजाय उनके लिए कार का दरवाजा खोले। ये चाहत इसलिए नहीं है कि वह यह काम खुद नहीं कर सकती या फिर शारीरिक रूप से कमजोर हैं, वह सिर्फ अपने पार्टनर से एक स्नेह भरे रिश्ते की अपेक्षा रखती हैं।

प्रकृति ने पुरुष को फिजिकली मजबूत बनाया है। वह मेहनत करता है, परिवार चलाता है। स्त्री उसका खयाल रखती है। आदिकाल से ऐसा ही होता रहा है लेकिन समय के साथ इसमें बदलाव भी आया है। अब स्त्रियां घर-ऑफिस साथ संभाल रही हैं। पुरुष उनकी मेहनत की कद्र करता है, लेकिन कहीं न कहीं वह इसका इजहार करने से चूक जाता है।

माथे पर बढ़ रही लकीरों को हटाएंगे ये होममेड मास्क

बिजी लाइफ के दौरान त्वचा का ख्याल नहीं रख पाते हैं। लेकिन जब कहीं जाना होता है तब हमें अपनी स्किन का ख्याल आता है, पर उस वक्त कोई उपाय नहीं सूझता है और बेकार मूड से फंक्शन में जाना पड़ता है। कोई बात नहीं अब भी केयर कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं कैसे माथे पर आ रही चिंता की लकीरों को हटाए कुछ ही दिनों में।

गाजर और अंडे का पैक

गाजर में मौजूद तत्व बीटा कैरोटीन, आयोडीन झुर्रियों को कम करने में मदद करते हैं। साथ ही अंडे में भी पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो त्वचा में कसावट पैदा करते हैं। गाजर को मिक्सी में किस लें और एग व्हाइट को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद चेहरे पर चेहरे पर लगा लें। 20 मिनट बाद चेहरे को नॉर्मल पानी से धो लें। हफ्ते में कम से कम दो बार इस पैक का जरूर इस्तेमाल करें।

ऑलिव ऑयल और शहद

माथें पर उभरने वाले लकीरे आपकी खूबसूरती कम कर देती है। लेकिन 1 चम्मच शहद और 1 चम्मच ऑलिव ऑयल लें। दोनों को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद रात को सोने सेपहले सिर पर लगा लें।सुबह उठकर मुंह को धो लें । हफ्ते में 2 या 3 बार ऐसा करें। कुछ ही दिन में आराम मिल जाएगा।

कोको पाउडर और ऑलिव ऑयल

माथे पर दिखती लकीरे आपको बहुत जल्दी शर्मिंदा करा देती है। लेकिन अब नहीं होना पड़ेगा। 1 चम्मच कोको पाउडर और 1 चम्मच ऑलिव ऑयल लें। दानों को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद चेहरे पर 20 मिनट के लिए लगा लें। फिर नॉर्मल पानी से धो लें। कुछ ही दिन में आराम मिल जाएगा।

अब 'प्रोड्यूसर' बन लोगों का दिल जीतेंगी नित्या मेनन

अपने अभिनय से लोगों के दिलों में राज करने वाली साउथ सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री नित्या मेनन अब नई शुरुआत करने जा रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि वे अब बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू करने जा रही हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खास वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने नए प्रोडक्शन हाउस का ऐलान किया। अभिनेत्री नित्या मेनन ने लिखा, 'मेरे लिए फिल्में बनाना सिर्फ कहानियां सुनाना नहीं है, बल्कि दिल से दिल जुड़ने का तरीका है। जब मैं कुछ बनाती हूं तो यह न सिर्फ दर्शकों को बदलता है, बल्कि मुझे भी बदल देता है।' अभिनेत्री ने बताया कि रचनात्मक प्रक्रिया में डूबकर मैं खुद में बदलाव महसूस करती हूं और जो इसे देखते हैं, उनके अंदर भी एक हल्का-सा परिवर्तन आता है। अभिनेत्री ने लिखा, 'यह बदलाव शुरू में शायद नजर न आए, लेकिन यह हमेशा के लिए असर छोड़ जाता है। फिल्म बनाना मेरे लिए व्यक्तित्व के उस सच्चे और संवेदनशील हिस्से को छूने जैसा है, जो सबसे असली होता है, जब मैं अभिनय करती थी। उसी समय मैंने सोच लिया था कि मैं प्रोड्यूसर बनूंगी और अब प्रोड्यूस करने पर भी यही सोच बनी रहेगी। आपके सामने पेश है- कीयूरी प्रोडक्शंस।' वीडियो में बताया गया है कि कियूरी धरती की गुफाओं से निकली है, चट्टान से बनी है, रोशनी से प्यार करती है, और किसी खास रूप में नहीं बंधी है। यह नाम और उसका मतलब नित्या की रचनात्मक सोच को दर्शाता है, जहां वे ऐसी कहानियां बनाना चाहती हैं जो गहरी भावनाओं को छूएं और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएं।

नित्या मेनन साउथ इंडियन सिनेमा में अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाती है। वे अभिनेत्री होने के साथ-साथ पार्श्व गायिका भी है, जो मुख्य रूप से मलयालम, तेलुगु, तमिल और कन्नड़ फिल्मों में अपने दमदार अभिनय के लिए जानी जाती है। उन्हें 'थिरुचित्राम्बलम' (2022) के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और चार फिल्मफेयर अवार्ड साउथ मिल चुके हैं। साल 1998 में एक बाल कलाकार के रूप में शुरुआत करने वाली नित्या मेनन बॉलीवुड की फिल्म 'मिशन मंगल' में नजर आई थीं।

'द वॉर्डरोब' से होगा दिव्या अग्रवाल का बॉलीवुड डेब्यू

अपकमिंग बॉलीवुड हॉरर फिल्म 'द वॉर्डरोब' का फर्स्ट-लुक पोस्टर आ गया है। टीवी रियलिटी शोज की विजेता रह चुकी दिव्या अग्रवाल इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू कर रही है।

पोस्टर में एक पुरानी, आधी खुली लकड़ी की अलमारी से एक रहस्यमयी महिला बाहर आती दिखाई दे रही है। अलमारी के अंदर से निकलती लाल रोशनी उसके खून से सने सफेद गाउन को और डरावना बना रही है। चारों ओर धुआं, गहरे साए और खौफ का माहौल, पूरा सीन किसी डरावने सपने जैसा लगता है। लाल रंग में लिखा फिल्म का टाइटल 'द वॉर्डरोब' अंधेरे बैकग्राउंड पर और भी डरावना एहसास दे रहा है। दिव्या ने कहा, 'इस फिल्म ने मुझे एक कलाकार के तौर पर चैलेंज किया। कहानी बहुत ग्रिपिंग और एटमॉस्फेरिक है। मैं चाहती हूं कि दर्शक इसे जल्द से जल्द देखें।' वहीं रजनीश दुग्गल ने भी फिल्म की स्क्रिप्ट की तारीफ करते हुए कहा कि इसमें सस्पेंस और साइकोलॉजिकल एलिमेंट्स का शानदार बैलेंस है।

फिल्म की कहानी एक साधारण-सी दिखने वाली अलमारी से शुरू होती है, जो धीरे-धीरे डरावनी घटनाओं की एक लंबी कड़ी को जन्म देती है। ट्विस्ट, शॉक और रहस्य से भरी यह कहानी दर्शकों को सीट से बांधे रखने पर मजबूर कर सकती है। फिल्म 24 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इंडो-हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनी प्रियामणि

प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड से निकलकर हॉलीवुड में एक अलग मुकाम बनाया है। साथ ही बाकी भारतीय कलाकारों के लिए भी राह खोली है। प्रियंका की राह पर चलते हुए साउथ एक्ट्रेस प्रियामणि भी अब एक इंडो-हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बन रही हैं। इसमें उनके साथ टीवी पर 'महादेव' का किरदार निभाने वाला एक चर्चित एक्टर नजर आएगा।

मोहित रैना होंगे प्रियामणि के अपोजिट

इस फिल्म में प्रियामण के अपोजिट टीवी के चर्चित एक्टर मोहित रैना नजर आएंगे। वह बॉलीवुड फिल्मों और सीरीज में भी दमदार किरदार निभा चुके हैं। लेकिन टीवी सीरियल 'देवों के देव महादेव' में उन्होंने भगवान शिव की भूमिका निभाई थी। इस फिल्म का हिस्सा बनने पर मोहित रैना कहते हैं, 'यह प्रोजेक्ट मेरे दिल के बहुत करीब है क्योंकि यह पहचान और अपनेपन को बहुत ईमानदारी से दिखाता है।' वहीं प्रियामणि ने कहा, 'जिस चीज ने मुझे तुरंत इस फिल्म की तरफ खींचा, वह थी कहानी का इमोशन और सच्चाई।' यूएस बेस्ड रेड बाइसन प्रोडक्शंस ने इस क्रॉस बॉर्डर फीचर फिल्म के लिए मुंबई के एज्योर एंटरटेनमेंट के साथ पार्टनरशिप की है। यह फिल्म हर्ष महादेश्वर द्वारा लिखी गई। वही इसका डायरेक्ट करेंगे। अभी तक फिल्म का टाइटल नहीं रखा गया है। यह एक फीचर फिल्म होगी, जिसकी कहानी सच्ची कहानी पर आधारित है। इसमें एक अप्रवासी परिवार की भावुक कहानी दिखाई जाएगी। यह प्रोजेक्ट अप्रैल 2026 में शुरू होगा।

युवराज सिंह की बायोपिक करना चाहते हैं सिद्धांत चतुर्वेदी

अपनी आगामी फिल्म ' दो दीवाने सहर में' को लेकर चर्चा में बने अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने एक बार फिर अपने उस ड्रीम रोल के बारे में खुलकर बात की है, जो सालों से उनके दिल के बेहद करीब है। जी हाँ, अपने करियर की शुरुआत क्रिकेट पर आधारित वेब सीरीज 'इनसाइड एज' से करनेवाले सिद्धांत चतुर्वेदी ने एक बार फिर क्रिकेट की तरफ लौटते हुए भारतीय क्रिकेट के दिग्गज क्रिकेटर युवराज सिंह की बायोपिक करने की इच्छा जताई है। गौरतलब है कि अमेजॉन प्राइम विडिओ के वेब सीरीज 'इनसाइड एज' में क्रिकेट की चमक-दमक के पीछे की अंधेरी दुनिया को सिद्धांत ने बखूबी उकेरा था। फिलहाल बायोपिक के संदर्भ में सिद्धांत कहते हैं, 'मैं वर्ष 2019 से कहता आ रहा हूं और आज भी कहूंगा और कहूंगा, बल्कि इसे मैनिफेस्टभी करता हूँ एक दिन मुझे मशहूर क्रिकेटर युवराज सिंह की बायोपिक करने का मौका मिले। उनकी जर्नी एक रोलरकोस्टर की तरह वाकई अविश्वसनीय रही है। मुझे वे न सिर्फ क्रिकेटर के तौर पर पसंद है, बल्कि व्यक्तित्व भी उनका शानदार है। मैं उनके क्रिकेट के साथ उनकी लाइफस्टाइल, और समस्याओं के प्रति उनके जज्बे को सलाम करता हूँ, जिस तरह उन्होंने परेशानियों को मात दी। वाकई वे एक आइकन है, और दुनिया को उनकी कहानी जरूर जाननी चाहिए।' वैसे बायोपिक की बात करें तो सिद्धांत जल्द ही दिग्गज फिल्ममेकर 'वी. शांताराम' का चुनौतीपूर्ण बायोपिक में नजर आनेवाले हैं और इसके फर्स्ट लुक के साथ ही वे अपने दर्शकों की सराहना भी पा चुके हैं।

'धुरंधर 2' और 'टॉक्सिक' की टक्कर से बचकर निकले सनी देओल; आगे खिसकी 'गबरू' की रिलीज डेट

सनी देओल अभिनीत फिल्म 'बॉर्डर 2' बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त तरीके से सफल हुई है। इस बीच वे अपने आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में है, जिनमें फिल्म 'गबरू' का भी नाम है। पहले यह फिल्म मार्च में रिलीज होने वाली थी। मगर, अब दर्शकों को इसके लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा। रिलीज डेट में बदलाव किया गया है।

'गबरू' कब होगी रिलीज?

'बॉर्डर 2' के बाद सनी देओल के फैंस की नजर उनकी आगामी फिल्मों पर टिकी है। शशांक उदयपुरकर निर्देशित यह फिल्म पहले 13 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। मगर, अब इसमें बदलाव कर दिया गया है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, यह फिल्म 08 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। हाल ही में, द्बु के साथ बातचीत में सनी देओल ने 'गबरू' को अपने दिल के सबसे करीब फिल्मों में से एक बताया।

फिल्म 'चांद मेरा दिल' से होगा टकराव

फिल्म 'गबरू' को विशाल राणा और ओम छंगानी के प्रोड्यूस किया है। फिल्म में सनी देओल के साथ सिमरन और प्रीत कमानी अहम रोल में हैं। सनी देओल की 'गबरू' की रिलीज डेट में बदलाव के बाद अब इसका मुकाबला लक्ष्य ललवानी और अनन्या पांडे की फिल्म 'चांद मेरा दिल' से होगा। यह फिल्म भी 08 मई को रिलीज होने वाली है। अनन्या और लक्ष्य की फिल्म को करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाया गया है।

'धुरंधर 2' और 'टॉक्सिक' से बच निकले सनी देओल

बता दें कि मार्च में दो बड़ी फिल्में सिनेमाघरों में दस्तक दे रही हैं। रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' और यश की 'टॉक्सिक'। दोनों ही फिल्में 19 मार्च 2026 को रिलीज हो रही हैं। 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त तरीके से सफल रही। इसके दूसरे पार्ट का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे है। दूसरी तरफ, 'टॉक्सिक' का भी क्रेज है। संभवत: इन दोनों फिल्मों से भिड़ंत से बचने के लिए मेकर्स ने सनी देओल की 'गबरू' की रिलीज में बदलाव किया है।

फिल्म बनाने के लिए प्रियंका ने किया प्रेरित

मीरा चोपड़ा साउथ और बॉलीवुड फिल्मों के अलावा प्रियंका चोपड़ा की कजिन बहन के तौर पर पहचानी जाती है। शादी के बाद वह फिल्मों से दूर थी लेकिन अब बतौर फिल्ममेकर उन्होंने साइलेंट फिल्म 'गांधी टॉक्स' के साथ वापसी की। हमसे खास बातचीत में उन्होंने अपने करियर, प्रियंका चोपड़ा की सलाह सहित कई विषयों पर बात की।

बतौर फिल्ममेकर डेब्यू करने के बाद क्या वह आगे अपनी फिल्म में बहन प्रियंका चोपड़ा को कास्ट करने के बारे में सोचती हैं। इस सवाल के जवाब में उन्होंने हंसते हुए कहा, 'नहीं_नहीं। अभी तो मैं वो नहीं कर सकती। मैं अभी उनको एफोर्ड ही नहीं कर सकती हूं। मैं कभी सपने में भी ऐसा नहीं सोचती हूं। हां जब बड़ी फिल्ममेकर बन जाऊंगी तो एक दिन अपनी फिल्म में प्रियंका को कास्ट करना चाहूंगी।'

बिजनेस में हाथ आजमाने के मीरा के फैसले पर बहन प्रियंका चोपड़ा का क्या रिएक्शन था? इस बारे में वह बताती है, 'मैंने सीधे उन्हें अपनी फिल्म (गांधी टॉक्स) का टीजर भेजा। मैंने उनको बताया कि ये फिल्म मैंने प्रोड्यूस की है। उनको इस पर बहुत गर्व महसूस हुआ। प्रियंका का व्यवहार कुछ ऐसा है कि हम में से कोई जब कुछ अच्छा करता है, तो वह बहुत गौरवान्वित महसूस करती हैं। प्रियंका ने मुझे कहा था कि फिल्म बनाना बिल्कुल भी आसान काम नहीं है, आपने टीजर बना दिया है तो प्लीज अब फिल्म बनाओ। दरअसल, उन्होंने इस इंडस्ट्री में ही नहीं, बल्कि इस वर्ल्ड में जिस तरह से अपनी पहचान बनाई है, वो ग्लोबल स्टार बन चुकी हैं। जब आपके परिवार में ऐसा कोई होता है तो आप उससे प्रेरित होते हैं। आप पहले उसको देखते हैं। हमेशा एक चाह थी कि मैं कुछ ऐसा करूं कि प्रियंका कहे कि मुझे तुम पर गर्व है और उन्होंने ऐसा कहा, ये मेरे लिए ये बड़ी है।

एक्टिंग में लगातार काम नहीं मिलता

एक इंटरव्यू में मीरा ने कहा था कि वह स्क्रीन पर वापसी के लिए लोगों के संपर्क में हैं। लेकिन अब वह बतौर फिल्ममेकर वापसी कर रही हैं। क्या शादी के बाद एक्टिंग में लौटना उनके लिए चुनौती भरा फैसला है? इस पर वह कहती हैं, 'मेरे सामने ऐसी कोई चुनौती नहीं आई। लेकिन एक्टिंग में क्या है कि आपको दो साल काम नहीं मिला तो आप काम नहीं करोगे, फिर एकदम से एक ही साल में दो प्रोजेक्ट आ जाएं तो आप काम करोगे। दरअसल, एक्टिंग ऐसा पेशा नहीं है कि लगातार आपको काम दे ही देगा। मैं ऐसा प्रोफेशन चाहती थी कि आपका लगातार काम चलता रहे, इसलिए मैंने प्रोडक्शन का काम शुरू किया। वो मेरे कंट्रोल में है कि मुझे कब क्या बनाना है, क्या करना है।

एक्टिंग में तो जब प्रोजेक्ट मिलेगा, जब आपको कुछ अच्छा लगेगा तब आप कर पाओगे। मैंने तीन साल काम करने के बाद फिर सोचा कि अब एक्टिंग में वापसी करूंगी और बहुत जल्द मैं आपको स्क्रीन पर दिखूंगी। एक्टिंग मेरा प्यार है, मैं जिंदगी में चाहे कुछ भी करूं, एक्टिंग नहीं छोडूंगी।'

फिल्म के गाने बनाने में समय लग गया

साइलेंट फिल्म के साथ बतौर प्रोड्यूसर वापसी करना और फिल्म की स्क्रीनिंग के लंबे समय बाद रिलीज करना कितनी बड़ी चुनौती थी? इस बारे में वह कहती हैं, 'जब हमने स्क्रीनिंग की थी तो हमारा मकसद था कि इतना बड़ा स्टेप उठाने पर लोगों का रिएक्शन कैसा रहेगा, जो कि काफी अच्छा था। फिर हमने एक बड़ा बदलाव किया कि फिल्म का संगीत पांच भाषाओं में बनाएंगे, क्योंकि फिल्म में डायलॉग नहीं थे तो फिल्म को एक भाषा में रिलीज करना हमें सही नहीं लगा। इसलिए ए.आर रहमान सर ने शुरू से फिल्म का संगीत बनाना शुरू किया। हिंदी के गाने पहले से ही तैयार थे, तमिल, मलयालम, तेलुगु, मराठी के गाने बनाने शुरू किए। उसमें एक साल और लग गया। लेकिन हमारी मंशा थी कि चाहे एक-दो साल लग जाएं लेकिन जब फिल्म दर्शकों के सामने आए तो लोगों की वाहवाही मिले।

ब्रीफ न्यूज

भव्य भजन संध्या एवं श्याम की होली महोत्सव

सीहोर । शुक्रवार को शाम 05 बजे से सेकडाखेड़ी बाईपास स्थित श्यामेश्वर धाम सीहोर, खाटू श्याम मंदिर में भव्य भजन संध्या के संग श्याम की होली - फाग महोत्सव का आयोजन होने जा रहा है जानकारी देते हुए मंदिर संस्थापक ऋषि सोलंकी ने बताया कि एक ऐसा आध्यात्मिक उत्सव जहाँ श्याम नाम की गूंज, भजनों की रसधार और रंग-गुलाल व फूलों की होली का अद्भुत आनंद मिलेगा विशेष आकषज़्ण में इत्र वषाज़्, गुलाल और फूलों की होली होगी । इस आध्यात्मिक कायज़्क्रम के आयोजक है खाटू श्याम मंदिर के संस्थापक ऋषि सोलंकी जिन्होंने सिद्धपुर की पावन धारा पर घर घर तक श्याम नाम की भक्ति पहुंचाई है इस पावन अवसर पर हमारे बीच उपस्थित रहेंगे मंदिर प्रमुख संरक्षक विवेक राठौर ,नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर, मंदिर समिति अध्यक्ष जगदीश सोलंकी ,मंदिर मुख्य संरक्षक मांगीलाल सोलंकी , मंदिर सह सचिव मनीष सोलंकी मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे । मंदिर प्रमुख संरक्षक विवेक राठौर ने जानकारी देते हुए बताया कि 25 फरवरी से 5 माचज़् तक सीहोर नरेश के दरबार में फाग उत्सव मेला भी आयोजित किया जा रहा है । मैं आप सभी सनातन प्रेमियों से आग्रह करता हूँ कि श्याम नाम के झूलो में आप आपने बच्चो और इष्ट मित्रो के साथ आकर आनंद लेकर धमज़् लाभ अर्जित करें और इस दिव्य आयोजन को भव्य बनाये।

भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष हुए विभिन्न विवाह समारोहों में शामिल

अशोकनगर। शादी विवाह के इस मौसम में बुधवार को होली पूर्व की शादियों की अंतिम लगन थी, इस दौरान शहर आसपास के क्षेत्र में बहुत से मिलने वालों के विवाह समारोह आयोजित हो रहे थे,इसी दौरान भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र रघुवंशी अपने साथियों के साथ गुना- अशोकनगर -चंदेरी एवं आसपास के ग्रामीण अंचल में विभिन्न विवाह समारोहों में शामिल हुए,एवं वर-वधू को आशीर्वाद प्रदान किया।

ग्राम पंचायत जलालपुर में संकल्प से समाधान अभियान शिविर आयोजित

अशोकनगर। संकल्प से समाधान अभियान के तहत कलस्टर लेवल कैम्प ग्राम पंचायत जलालपुर में आयोजित किया गया। संकल्प से समाधान अभियान में कुल 135 आवेदन प्राप्त हुये, प्राप्?त आवेदनों मे से 35 आवेदनों का तत्काल निराकरण किया गया व शेष आवेदनों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जायेगा। इस कैम्प में नायब तहसीलदार कार्तिकेय मुदगल सहित पटवारी ग्राम, रोजगार सहायक एवं सरपंच उपस्थित थे।

रैली निकाल कर मुख्यमंत्री के नाम दिया ज्ञापन

भारतीय मजदूर संघ ने मनाया विरोध दिवस

सत्ता सुधार ■ सीहोर

भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय आह्वान पर बुधवार को जिला संगठन द्वारा देशव्यापी विरोध दिवस मनाया। इस दौरान कार्यकताओं ने कर्मचारियों व श्रमिकों की विभिन्न मांगों को लेकर रैली निकाली और कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा। इसके पर्व भोपाल नाका पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं भामस के संस्थापक दत्तोपंत ठेंगड़ी के चित्र पर अतिथियों द्वारा माल्यर्पण कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राम परमार ने की। विशेष अतिथि के रूप में पर्व विभाग प्रमुख अनिल शर्मा, वीरसिंह गुर्जर, आंगनवाड़ी संघ की जिलाध्यक्ष उषा राठौर, राज्य कर्मचारी संघ के संभागीय अध्यक्ष गोपालसिंह ठाकुर जिलाध्यक्ष कुंदन राय, दैवेभो कर्मचारी संघ के प्रदेश सचिव विनोद बोयत मौजद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने प्रदेश सरकार के स्तर पर लंबित मांगों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी और संगठन के कार्यकताओं को अपने हक के लिए सदैव संगठित और सक्रिय रहने का आह्वान किया। ज्ञापन का वाचन करते हुए जिला सहमंत्री अनूप चौधरी ने बताया कि भारतीय मजदूर संघ ने विभिन्न शासकीय कर्मचारी, अर्द्ध शासकीय, दैनिक वेतन भोगी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, नगरीय निकायों के कर्मचारियों, रेलवे, डाक विभाग, पेंशनर्स आदि सहित विभिन्न कारखानों में काम करने वाले श्रमिकों, की विभिन्न मांगों को समाहित करते हुए 45 सूत्रीय ज्ञापन तैयार किया है। इसमें प्रमुख रूप से श्रम कानूनों का सभी क्षेत्रों एवं श्रमिक वर्गों में बिना किसी अपवाद के सख्ती से और सार्वभौमिक रूप से पालन सुतनिश्चित किया जाए, की भावना के अनुरूप। ईपीएस-95 के अंतर्गत न्यनतम पेंशन 1,000 से बढाकर 7,500 रुपए प्रतिमाह की जाए, साथ ही महंगाई राहत प्रदान की जाए तथा आयुष्मान भारत योजना से जोड़ा जाए। ईएसआई और ईपीएफ की कवरेज सीमा बढ़ाकर अधिकाधिक श्रमिकों को लाभान्वित किया जाए। ईएसआईसी की वेतन सीमा 21,000 से बढ़ाकर 42,000 तथा ईपीएफ की सीमा 15,000 से बढ़ाकर 30,000 की जाए। भुगतान बोनस अधिनियम, 1965 के अंर्तशत बोनस पात्रता की सीमा वर्तमान वेतन स्तर के अनुरूप बढ़ाई जाए। संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 16 और 21 में निहित सिद्धांतों के अनुरूप योजना कर्मियों और संविदा कर्मियों का नियमितिकरण किया जाए। सामान्य भती पर लगी रोक तत्काल हटाई जाए तथा रोजगार की गारंटी और सेवा सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। कार्यक्रम में भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी एवं कार्यकताओं सहित जिले भर से आंगनबाड़ी कार्यकताओं की उपस्थिति रही।

आशा कार्यकर्ताओं,सुपरवाइजरों से किए वचनों को पूरा करे सरकार

भारतीय मजदूर संघ ने रैली निकालकर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा दिनांक 06 सितम्बर 2023 को आशा कार्यकताओं एवं आशा सुपरवाईजरों की उपस्थिती में की गई घोषणाओं को पूरा कराने बुधवार को भारतीय मजदूर संघ द्वारा विशाल रैली निकालकर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष हरिसिंह रघुवंशी हैरि ने बताया की तत्कालीन मुख्यमंत्री द्वारा आशा कार्यकर्ताओं एवं सुपरवाइजरों से जो वादे किए गए थे उनमें प्रत्येक आशा कार्यकर्ताओं एवं आशा सुपरवाइजरों को प्रतिवर्ष 1 हजार रुपए की वृद्धि की जायेगी।आशा कार्यकर्ताओं की सेवा में सेवानिवृत्ति की कोई आयु सीमा नहीं होगी, क्योंकि आशा कार्यकर्ता शासन की नियमित कर्मचारी नहीं अपितु दैनिक कार्य निष्पादन के आधार पर पारिश्रमिक प्राप्त वाली श्रमिक है। आशा कार्यकर्ताओं को ई.पी.एफ.ओ. एवं ई.एस.आर.सी. के अंतर्गत लाया जाये। आशा कार्यकर्ताओं को सामाजिक सुरक्षा के तहत 18 हजार रुपए प्रतिमाह न्यूनतम एवं आशा सुपरवाईजरों को 30 हजार रुपए वेतन प्रदान किया जाये, एवं उन्हें सरकारी कर्मचारी घोषित कर पेंशन बीमा का लाभ दिया जाये। कार्य के दौरान दुर्घटना एवं मृत्यु होने पर दस लाख रूपये मुआवजा दिया जाये। 29 जुलाई 2023 को म.प्र. शासन द्वारा आशा कार्यकर्ताओं को दिये गये 10 अंक एवं 1 हजार रुपए की वार्षिक वृद्धि को तुरंत लागू किया जाये, साथ ही आशा सुपरवाईजरों की वेतन वृद्धि हेतु सलाहकार समिति का निर्णय तत्काल प्रभाव से लागू किया जाये। आशा कार्यकर्ताओं एवं आशा सुपरवाइजरों को स्कूटी प्रदान की जाये क्योंकि वे ग्रामीण अंचलों से आती हैं, उनके पास अनुकूल सुविधाएं नहीं होती हैं। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने मांग की है कि हमें पूरी उम्मीद है कि मुख्यमंत्री हमारी समस्याओं को गम्भीरता से लेकर यथाशीघ्र समाधान करेंगे। इस दौरान बड़ी संख्या में संगठन के लोग एवं आशा कार्यकर्ता सुपरवाइजर मौजूद रहीं।

गोवर्धन पर्वत उंगली पर उठाकर श्रीकृष्ण ने

इंद्रदेव का कर दिया था अभिमान चकनाचूर

सत्ता सुधार ■ सीहोर

मंगलवार को श्रीमद भागवत कथा में पंडित राजेश शर्माने गोवर्धन पर्वत कथा श्रद्धालुओं के प्रस्तुत करते हुए कहा कि भगवान के समक्ष अभिमान अधिक समय तक चलता नहीं है बृजवासियों पर अंहकार के कारण वर्षाप्रकोप करने वाले इंद्रदेव का गोवर्धन पर्वत उंगली पर उठाकर श्रीकृष्ण ने अभिमान अहंकार चकनाचूर कर दिया था। भगवान केवल भाव प्रेम के भूखे है भगवान के सामने चालाकी दिखाने वालों को सुधारने के किए भगवान लीला भी कर देते है तब हम कहते है, है भगवान हमारी मदद करों। श्रीमद भागवत कथा सुनाते हुए पंडित राजेश शर्माने कहा कि कृष्ण को मारने के लिए कंस द्वारा भेजे गये बकासुर राक्षस ने बगुला का रूप धारण करके कृष्ण को अपनी चोंच से पकड़ लिया। कृष्ण ने बकासुर की चोंच को पकड़ कर दोनों हाथों से फाड़ दिया था जिससे बकासुर का मौक्ष हो गया। श्री कृष्ण की बाल लीलाओं को लेकर पंडित शर्माने बताया कि कृष्ण के द्वारा कालिया नाग, वृणापूत,बकासुर,पूतना, कालिया नाग का अभिमान समाप्त कर दिया गया था। गोवर्धन पर्वत को श्रीकृष्ण ने 7 दिनों तक अपनी छोटी उंगली पर धारण कर लिया था। गोवर्धन पर्वत की दिपावली के अगले दिन पूजन का विधान है। अन्नकर्त महोत्सव का आयोजन होने लगा है। पंडित राजेश शर्माने कहा कि भगवान से यमुना नदी में रहने वाले कालिया नाग की पत्नियों ने क्षमा मांगी और कालिया नाग के प्राणों की रक्षा की विनती की तब दीनदयाल श्री कृष्ण ने कालिया नाग को जीवनदान देकर सकुशल छोड दिया था प्रभू दयाल भी है। कंस के द्वारा भेजे गए तृणावत राक्षस ने बवंडर रूप धारण कर गोकुल में आधी तुफान ला दिया था तृणावत राक्षस ने शिशु श्रीकृष्ण को उठा लिया और आसमान में लेगया तब श्रीकृष्ण ने खुद को भारी वजनदार बना लिया था जिससे असुर की जीवन गति रुक गई। कथा श्रवण करने पहुंचे पर्वविधायक रमेश सक्सेना ने पंडित राजेश शर्माका सत्कार किया। मुख्य यजमान अनिल सक्सेना और परिजनों ने व्यासगादी का पूजना किया। कथा सुनने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन पहुंच रहे है कथा प्रतिदिन दोपहर एक से शाम चार बजे तक हो रही है।

हसनाबाद में श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन, समापन पर भंडारा आज

सत्ता सुधार ■ सीहोर

हसनाबाद में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में श्रद्धा और भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिला। कथावाचक रितिका नागर ने अपनी मधुर वाणी में श्रीमद् भागवत कथा श्रद्धालुओं श्रवण कराई। कथा में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओ ने उपस्थित होकर धर्म लाभ अर्जित किया। पूरे आयोजन स्थल पर भक्ति का वातावरण बना रहा और दूर-दूर से आए लाखों श्रद्धालुओं ने कथा का रसपान किया। कथा में पहुंचकर वरिष्ठ समाजसेवी अखिलेश राय, नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर एवं समाजसेवी तुलसीराम काका सरपंच अखिलेश वर्माविशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने श्रद्धापूर्वक कथा श्रवण कर आयोजन की सराहना की और धर्मकार्यों में सहयोग का संदेश ग्रामीण को दिया। कार्यक्रम में नागर धाकड़ समाज के अध्यक्ष रामलाल नागर नवीन मनोनीत अध्यक्ष क्षेत्रीय नागर धाकड़ समाज सुधार समिति के गुलनारायण नागर वरिष्ठ समाजसेवी धाकड़ समाज संतोष नागर वरिष्ठ समाज सेवी, अशोक नागर विद्यालय संचालक एवं समाजसेवी, प्रभु लाल नागर, प्रहलाद सिंह नागर, प्रहलाद सिंह नागर सहित अन्य श्रद्धालुओं ने कथा में शामिल होकर भक्तिमय वातावरण की प्रशंसा की। समापन अवसर पर गुरुवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है, जिसमें श्रद्धालुओं के लिए प्रसादी की विशेष व्यवस्था की गई। आयोजन समिति ने मैं समस्त श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में पहुंचने की अपील की है

कलेक्ट्रेट की लिफ्ट एक माह से बंद, दिव्यांगों और बुजुर्गों को रोज झेलनी पड़ रही परेशानी

अशोकनगर। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट भवन में अव्यवस्थाओं का आलम बना हुआ है। यहां लगी लिफ्ट पिछले लगभग एक माह से बंद पड़ी है, जिससे दिव्यांग जनों, बुजुर्गों और दूरदराज से आने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक भवन में यह स्थिति व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है। जानकारी के अनुसार पूर्व कलेक्टर आदित्य सिंह के स्थानांतरण के बाद से ही लिफ्ट बंद है, लेकिन अब तक इसे चालु नहीं कराया गया। आज दोपहर सेमर खेड़ी, मुंगावली निवासी 45 वर्षीय दिव्यांग हरि शंकर अपने समधी जगदीश के साथ ट्राई साइकिल की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे थे। लिफ्ट बंद मिलने पर उन्हें सीढ़ियों से ऊपर जाने में दिक्कत हुई। मजबूरन जगदीश को हरि शंकर को गोद में उठाकर कलेक्ट्रेट ऑफिस तक ले जाना पड़ा। हरि शंकर ने बताया कि उन्हें पहले मिली ट्राई साइकिल तीन साल पहले खराब हो चुकी है और नई साइकिल के लिए वे आवेदन करने आए थे।

विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

अशोकनगर। प्रधान जिला न्यायाधीश सतीश चन्द्र शर्मा के मार्गदर्शन में तथा सचिव मनीष अनुरागी एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी हेमंत कुशवाह की उपस्थिति में बुधवार को ए.डी.आर. सेंटर,अशोकनगर में पैरालीगल वालंटियर्स (रिवाइज्ड) योजना 2013 के अंतर्गत एक आवश्यक बैठक सह विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त बैठक का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अशोकनगर द्वारा जिला मुख्यालय एवं तहसील विधिक सेवा समिति मुंगावली, चंदेरी एवं ईसागढ़ में लीगल एड क्लीनिक की स्थापना एवं संचालन संबंधी जारी आदेश के पालन में किया गया। बैठक के दौरान लीगल एड क्लीनिक के सुचारू संचालन, अभिलेख रजिस्टर संधारण, पक्षकारों के साथ व्यवहार, पैरालीगल वालंटियर्स के कर्तव्य एवं दायित्व तथा अन्य आवश्यक बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। साथ ही उपस्थित पैरालीगल वालंटियर्स को उनके दायित्वों के प्रभावी निर्वहन हेतु प्रेरित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित पैरालीगल वालंटियर्स को पहचान-पत्र (आई.डी. कार्ड), लीगल एड क्लीनिक संबंधी बैनर एवं 'न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह' अंतर्गत किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में पैरालीगल वालंटियर्स ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा विधिक सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने के संकल्प को दोहराया।

नई नीति के विरोध में प्रायवेट बस ऑनर्स एसोसियेशन करेगा अनिश्चित कालीन हड़ताल

एसोसिएशन ने सौंपा मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नाम कलेक्टर को ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा स्टेज कैरिज बसों के संचालन बावत लाई जा रही नई नीति के विरोध में प्राइवेट बस ओनर्स एसोसिएशन अनिश्चित कालीन हड़ताल करेगा। एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष रघुवीर सिंह रघुवंशी ने बताया कि एसोसिएशन की मांगों को लेकर बुधवार को मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया।

उन्होंने बताया कि गत 22/02/2026 को सागर में प्रदेश के समस्त बस मालिक तथा संस्थाओं के प्रमुख पदाधिकारियों के साथ नियत बैठक में विचार विमर्श के पश्चात यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि स्टेज कैरिज बसों के संचालन बावत लाई जा रही नई दमनकारी निति के कारण प्रदेश के समस्त बस मालिक आहत है। इस सबंध में हमारी मागों को माना जाये अन्यथा समस्त बस व्यवसायी गण आगामी 2 मार्च से अनिश्चित कालीन हड़ताल पर जायेगे। इस समस्या के निदान हेतु बस संचालक गण के द्वारा कई बार सम्बंधित अधिकारियों इत्यादि के समक्ष निवेदन कर चुके है। परन्तु कोई भी हल नहीं निकल सका है। इस कार्यवाही से जनता को होने वाली परेशानी का जिम्मेदार शासन रहेगा।

यह है प्राइवेट बस ओनर्स एसोसिएशन की मांगे

दिनांक 24/12/2025 को राज पत्र में संशोधन का प्रारूप प्रकाशित किया गया है। उसे वापिस/समाप्त किया जाए। दिनांक 29/01/2026 को राज पत्र में संशोधन का प्रारूप प्रकाशित किया गया है। उसे पूर्ण रूप से समाप्त किया जाए। वर्तमान में जिस व्यवस्था के साथ प्रदेश में बस संचालन किया जा रहा है,उसे यथावत रखा जाये।

जिले को प्राप्त हुई एन.एफ.एल. तथा एच.यू.आर.एल. कंपनी की यूरिया रैक

अशोकनगर। कलेक्टर साकेत मालवीय के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार जिले के कृषकों की मांग अनुसार रासायनिक उर्वरकों की उपलब्धता सतत की जा रही है। जिले को एन.एफ.एल. कंपनी की 2017 में.टन तथा एच.यू.आर.एल. कंपनी की 2209 मे.टन यूरिया की रैक प्राप्त हुई है। डबललॉक केन्द्र अशोकनगर को 1559 मे.टन, डबललॉक केन्द्र मुंगावली को 500 मे.टन, डबललॉक केन्द्र पिपरई को 500 मे.टन एम.पी. एग्रो अशोकनगर 106 मे.टन यूरिया प्रदाय किया गया है। अशोकनगर के निजी विक्रेताओं को आनन्द खाद भण्डार 307 मे.टन, बालाजी एग्रो सेल्स 202 मेट्रिक टन, जैन स्टील 15 मेट्रिक टन,कृषक खाद विक्रय केन्द्र 172, महाकाल ट्रेडर्स 25 मेट्रिक टन, रोशन ब्रदर्श 60 मेट्रिक टन, श्री कृष्णा कृषि क्लीनिक 292 मे.टन., श्री यादव एग्री इंटर प्राईजेज 30 मेट्रिक टन, अखिलेश ट्रेक्टर मुंगावली 20 मेट्रिक टन, जगन्नाथ रमेश चंद्र मुंगावली को 70 मे.टन., मनीष एण्ड कंपनी मुंगावली 20 मेट्रिक टन, बांके बिहारी कृषि सेवा केन्द्र बहादुरपुर को 90 मे.टन, मनोज कुमार देवेन्द्र बहादुरपुर 25 मेट्रिक टन, गणेश कृषि सेवा केन्द्र ईसागढ़ को 207 मे.टन., जगदीश कृषि सेवा केन्द्र ईसागढ़ 15 मेट्रिक टन, कुल 805 मेट्रिक टन यूरिया प्रदाय किया गया है।

ब्रीफ न्यूज

2025 में मेकमाईट्रिप कॉरपोरेट यात्रा की कुल बुकिंग एक अरब डॉलर के पार

नई दिल्ली। यात्रा प्रौद्योगिकी कंपनी मेकमाईट्रिप की कॉरपोरेट यात्रा खंड की कुल बुकिंग 2025 में एक अरब डॉलर के पार हो गई। इस सेवा का लाभ 40 लाख से ज्यादा कर्मचारियों को मिला है। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि उसके कॉरपोरेट मंच क्वेस्ट2ट्रैवल, मायबिज और हैपे पर कुल बुकिंग एक अरब डॉलर से ज्यादा की हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मेकमाईट्रिप के पास 500 बड़ी कंपनियों के ग्राहक हैं। इनमें बीएसई 500 की शीर्ष 150 कंपनियां और पूरे देश के 75,000 छोटे और मझोले व्यवसाय शामिल हैं। मेकमाईट्रिप के सह-संस्थापक और सीईओ राजेश मागो ने कहा कि हमारा कॉरपोरेट यात्रा कारोबार सामान्य उपभोक्ता व्यवसाय की तुलना में नया है लेकिन केवल पांच सालों में यह बहुत तेजी से बढ़ा है।

स्मार्टफोन से जेट की बुकिंग, कम किराए पर विमान 30 सेकंड में बुकिंग

लंदन। अमेरिका और ब्रिटेन में अब प्राइवेट एविएशन कंपनियों द्वारा स्मार्टफोन पर हवाई जहाज बुकिंग की सुविधा दी गई है। कम किराये पर बिना बिचौलिए के 30 सेकंड के अंदर विमान बुक करके उपलब्ध कराने का दावा कंपनियां करने लगी हैं। स्मार्टफोन से बुकिंग का काम, फ्लाई हाउस, जेटली,लेबो डॉट एयरो जैसी कई कंपनियां 30 सेकंड के अंदर विमान बुक करने का वादा करती हैं। इसके पहले अभी तक यह बड़ा सिर दर्द वाला काम होता था। अब विमानन कंपनियों द्वारा अपने विमान की वीडियो उनकी कीमत और अन्य जानकारी स्मार्टफोन पर उपलब्ध करा दी जाती है। फ्लाई हाउस नामक कंपनी ने एक नया फीचर जोड़ा है। उसमें समान रुचि वाले लोगों के लिए पूरी फ्लाइट के बजाय पसंद की कुछ सीटों पर बुकिंग की सुविधा देना शुरू कर दी है। जिसके कारण लोग अपने रुचि वाले लोगों के साथ विमान में यात्रा कर पा रहे हैं।

टोयोटा लैंड क्रूजर 300 की कुल 969 यूनिट्स होगी रिकॉल

नई दिल्ली। भारत में वाहन निर्माता कंपनी टोयोटा ने अपनी लग्जरी एसयूवी लैंड क्रूजर 300 की कुल 969 यूनिट्स को रिकॉल करने का फैसला किया है। एसयूवी में तकनीकी खराबी के चलते यह रिकॉल उन गाड़ियों के लिए जारी किया गया है जिनका निर्माण 4 सितंबर 2024 से 30 सितंबर 2025 के बीच किया गया था। कंपनी के अनुसार, इन वाहनों में ट्रांसमिशन कंट्रोल कंप्यूटर सॉफ्टवेयर में तकनीकी खराबी पाई गई है, जो गाड़ी की गियर शिफ्टिंग और ट्रांसमिशन परफॉर्मेंस को नियंत्रित करता है। सॉफ्टवेयर में मौजूद गड़बड़ी सीधे ड्राइविंग अनुभव और गाड़ी की सुरक्षा पर असर डाल सकती है। बताया गया है कि लैंड क्रूजर 300 में लगे 10-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन में गियर बदलने के लिए लीनियर सोलेनोइड्स का उपयोग होता है। सॉफ्टवेयर की दिक्कत के चलते कुछ खास ड्राइविंग स्थितियों में ट्रांसमिशन कंट्रोल यूनिट और इंजन ईसीयू के बीच तालमेल बिगड़ सकता है, जिससे ओवर-रेविंग की समस्या हो सकती है। इसी जोखिम को देखते हुए टोयोटा ने प्रभावित यूनिट्स की जांच और सॉफ्टवेयर अपडेट करने का निर्णय लिया है।

उपभोक्ताओं को लग सकता है झटका

होली से पहले कंपनियां एलपीजी के रेट करेंगी अपडेट

एजेंसी ■ नई दिल्ली

होली से पहले 1 मार्च को लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) के रेट अपडेट होंगे। ऑयल मार्केटिंग कंपनियां इस दिन नए रेट जारी करेंगी। पिछले पांच साल का ट्रेंड बताता है कि मार्च के महीने में घरेलू और कॉमर्शियल सिलेंडर के रेट बढ़े ही हैं। कॉमरशियल सिलेंडर तो हर बार महंगा हुआ है, जबकि इस दौरान घरेलू एलपीजी सिलेंडर के रेट मार्च में जब भी बदले, उपभोक्ताओं को झटका ही लगा है। दिल्ली में घरेलू एलपीजी सिलेंडर 853 रुपए, कोलकाता में 879, मुंबई में 852.50 और चेन्नई में 868.50 रुपए में मिल रहा है। यह आंकड़े इंडियन ऑयल की वेबसाइट से लिए गए हैं। इसके अनुसार कॉमर्शियल सिलेंडर दिल्ली में 1740.50 रुपए, कोलकाता में 1844.50, मुंबई में 1692 और चेन्नई में 1899.50 रुपए में बिक रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले पांच साल में तीन बार ही मार्च में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के रेट बदले। दो बार 1 मार्च को और एक बार 22 मार्च को। एक मार्च 2023 को घरेलू एलपीजी सिलेंडर 50 रुपए महंगा हो गया था। 6 जुलाई 2022 के बाद रेट में बदलाव हुआ था और दिल्ली में यह 50 रुपए बढ़कर 1103 रुपए पर पहुंच गया था। 14 किलो वाले इस सिलेंडर के दाम कोलकाता में 1129, मुंबई में 1102.50 और चेन्नई में 1118.50 रुपएपर पहुंच गए थे, जबकि साल 2022 में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के रेट में बदलाव 22 मार्च को हुआ। इस दिन भी 50 रुपए का इजाफा हुआ था। रेट में बदलाव 6 अक्टूबर 2021 के बाद हुआ था।

दिल्ली में घरेलू सिलेंडर 949.50 रुपए पर पहुंच गया। इसी तरह कोलकाता में 976, मुंबई में 949.50 और चेन्नई में 965.50 रुपए का हो गया। साल 2021 का मार्च भी घरेलू एलपीजी सिलेंडर के उपभोक्ताओं को झटका ही दिया। 1

मार्च 2021 को घरेलू एलपीजी सिलेंड दिल्ली में 25 रुपए महंगा होकर 819, कोलकाता में 845.50, मुंबई में 819 और चेन्नई में 835 रुपए का हो गया। पिछले साल यानी 2025 में दिल्ली में कॉमर्शियल सिलेंडर के रेट में मामूली बढ़ोतरी हुई थी। एक फरवरी को 19 किलो वाला सिलेंडर यहां 1 फरवरी को 1797 रुपए में बिक रहा था, जो 1 मार्च 2025 को 6 रुपए बढ़कर 1803 रुपए हो गया। कोलकाता में भी इतना ही महंगा होकर 1913, मुंबई में 1756 और चेन्नई मे 1965 रुपए का हो गया था।

साल 2024 में कॉमर्शियल सिलेंडर के रेट में 26 रुपए तक की बढ़ोतरी हुई। 1 मार्च 2024 को यह दिल्ली में 1795 और मुंबई में भी 26 रुपये बढ़कर 1749 रुपये का हो गया। जबकि, कोलकाता में 24 रुपये महंगा होकर 19 किलो वाला एलपीजी सिलेंडर 1911 और चेन्नई में 24 रुपये ही बढ़कर 1961 रुपए का हो गया। साल 2023 में कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के उपभोक्ताओं को बड़ा झटका लगा। दिल्ली में कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 105 रुपये महंगा होकर 2120, कोलकाता में 108 रुपये बढ़कर 2222 रुपये, मुंबई में 106 रुपये उछलकर 2072 रुपये और चेन्नई में 106 रुपये महंगा होकर 2268 रुपये पर पहुंच गए।

सरकार ने की खाद्य तेलों पर आयात शुल्क में बड़ी कटौती, कीमतों में आएगी कमी

कीमतों में पांच से 10 रुपये प्रति लीटर तक की कमी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

खादय तेलों की बढ़ी कीमत से परेशान लोगों को राहत देने के लिए मोदी सरकार ने खाद्य तेलों पर आयात शुल्क में बड़ी कटौती कर दी है। केंद्र सरकार के फैसले के बाद 31 मई से बाजार में खाद्य तेल की कीमतों में गिरावट देखने को मिलेगी। इस कदम का सीधा असर तेल की बोतलों पर छपे अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पर होगा और कंपनियां जल्द ही नए दामों के साथ तेल उत्पाद बाजार में उतारेंगी। खबरों के अनुसार केंद्र सरकार ने कच्चे पाम, कच्चे सोयाबीन और कच्चे सूरजमुखी तेल पर बेसिक कस्टम ड्यूटी कम कर दी है। अब तक कच्चे पाम ऑयल, सोयाबीन और सूरजमुखी तेल पर 20 प्रतिशत आयात शुल्क वसूला जा रहा था, इस अब मोदी सरकार ने घटाकर सीधा 10 प्रतिशत किया है।

चूंकि भारत अपनी खाद्य तेलों की जरूरत का करीब 70 प्रतिशत हिस्सा दूसरे देशों से खरीदकर पूरा करता है, इसकारण टैक्स में हुई 10 प्रतिशत की कटौती सीधे तौर पर घरेलू बाजार में तेल की बोतलों और पैकेटों के दाम नीचे लाएगी। शुल्क में कमी के बाद इन तेलों के आयात की लागत कम होगी, जिससे रिफाइनरी कंपनियों को सस्ता कच्चा माल

मिलेगा। माना जा रहा है कि इसका फायदा सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाएगा।

दरअसल भारत पाम ऑयल के लिए मलेशिया और इंडोनेशिया जैसे देशों पर निर्भर है, जबकि सूरजमुखी तेल यूक्रेन और रूस जैसे देशों से आता है। सितंबर 2024 में जब केंद्र सरकार ने टैक्स बढ़ाया था, तब तेल के दाम अचानक आसमान छूने लगे थे। केंद्र सरकार ने तेल उद्योग से स्पष्ट कहा है कि आयात शुल्क में दी गई राहत का लाभ ग्राहकों तक पहुंचना चाहिए। खाद्य तेल कंपनियां अब अपने स्टॉक और नई खेप के हिसाब से अधिकतम खुदरा मूल्य में संशोधन कर रही हैं। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि अगले कुछ हफ्तों में खुदरा बाजार में कीमतों में पांच से 10 रुपये प्रति लीटर तक की कमी देखने को मिलेगी, हालांकि वास्तविक गिरावट ब्रांड और क्षेत्र के अनुसार अलग-अलग हो सकती है। उद्योग संगठन सॉल्वेंट एक्सट्रेक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने केंद्र सरकार के फैसले का स्वागत किया है। संगठन का कहना है कि इससे घरेलू बाजार में कीमतों पर दबाव कम होकर मांग में सुधार आएगा। भारत अपनी खाद्य तेल जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात के जरिए पूरा करता है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय कीमतों और आयात शुल्क का सीधा असर घरेलू बाजार पर पड़ता है। हालांकि कुछ कृषि विशेषज्ञों ने चिंता जाहिर की है कि आयात शुल्क में कमी से घरेलू तिलहन किसानों को प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ सकता है। सस्ता आयातित तेल बाजार में आने से लोकल उत्पादकों के दाम प्रभावित हो सकते हैं।

छोटे ऋण में 35 फ़ीसदी की कमी, माइक्रो फाइनेंस कंपनियों से नहीं मिल रहा लोन

माइक्रोफाइनेंस कंपनियों से गरीब और मध्यम वर्ग को लोन नहीं मिल पा रहा है। माइक्रो फाइनेंस बैंकों मे छोटे अमाउंट के लोन घटते चले जा रहे हैं। 30000 रुपये तक के ऋण मे लगभग 35 फ़ीसदी की कमी आ चुकी है। माइक्रो फाइनेंस कंपनियां अब सुरक्षित लोन देने और उन लोगों को लोन देना पसंद कर रही हैं। जो समय पर लोन को चुका सकते हैं। प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार 50000 रुपये से ऊपर के लोन में लगातार वृद्धि हो रही है। 50000 रुपये से कम के लोन लगातार घटते चले जा रहे हैं। इसमें 30000 से कम वाले लोन की संख्या सबसे तेजी से घट रही है। महंगाई और बेरोजगारी का असर भी दिखने लगा है।

ट्रंप ने सोलर इंपोर्ट्स पर लगाया 126 प्रतिशत टैरिफ, औंधे मुंह गिरे सोलर कंपनियों के शेयर

एजेंसी ■ मुंबई

सोलर कंपनियों के शेयर बुधवार को बाजार खुलते ही औंधे मुंह गिर गए हैं। सोलर कंपनी वारी एनर्जीज लिमिटेड, प्रीमियर एनर्जी, विक्रम सोलर, वारी रिन्यूएबल तकनीक और इंडोसोलर लिमिटेड के शेयर बुधवार को 15 प्रतिशत तक टूट गए हैं। दरअसल अमेरिका ने भारत से किए जाने वाले सोलर इंपोर्ट्स पर भारी-भरकम ड्यूटी लगा दी है, इससे इंडियन सोलर कंपनियों के शेयर बुधवार को टूट गए हैं। ट्रंप प्रशासन ने भारत से होने वाले सोलर इंपोर्ट्स (सोलर प्रॉडक्ट्स के आयात) पर 126 प्रतिशत की शुरुआती ड्यूटी लगाई है। यह ड्यूटी ट्रंप प्रशासन की तरफ लगाए टैरिफ से अलग होगी।

वारी एनर्जीज लिमिटेड के शेयर बुधवार को 15 प्रतिशत टूटकर 2571.45 रुपये पर जा पहुंचे हैं। वहीं, प्रीमियर एनर्जीज लिमिटेड के शेयर भी 13 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट के साथ 667.05 रुपये पर पहुंच गए हैं। विक्रम सोलर लिमिटेड के शेयर 5 प्रतिशत से ज्यादा लुढ़ककर 171.50 रुपये पर जा पहुंचे हैं। वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज के शेयर भी 5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ 810 रुपये पर पहुंच गए हैं। इंडोसोलर लिमिटेड के शेयरों में भी 5 प्रतिशत की गिरावट आई है। भारत के अलावा, इंडोनेशिया से होने वाले आयात पर भी अमेरिका ने 86 से 143 प्रतिशत के बीच शुरुआती ड्यूटी लगा दी है। लाओस से होने वाले इंपोर्ट पर 81 प्रतिशत की ड्यूटी लगाई गई है। यूएस कॉमर्स डिपार्टमेंट के मुताबिक, फॉरेन सब्सिडीज के आधार पर यह रेट्स तय किए गए हैं, जिससे निर्यातक सस्ते दाम पर प्रॉडक्ट्स बेचकर घरेलू सोलर प्रॉड्यूसर्स को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

मुकेश की रिलायंस इंडस्ट्रीज ने करा दी मौज, अनिल की कंपनियों ने किया निवेशकों को निराश

एजेंसी ■ मुंबई

देश के बड़े उद्योगपति मुकेश और अनिल अंबानी के समूहों की कई कंपनियां शेयर बाजार में दर्ज हैं, उनका बीते छह महीने और एक वर्ष का प्रदर्शन निवेशकों के लिए बिल्कुल अलग तस्वीर पेश करता है। जहां मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली कुछ कंपनियों ने सीमित सकारात्मक रिटर्न दिया, वहीं अनिल अंबानी समूह की कंपनियों ने निवेशकों को भारी नुकसान झेलने पर मजबूर किया।

अनिल के ग्रुप की कंपनियां रिलायंस पावर, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर, रिलायंस होम फाइनेंस और रिलायंस कम्युनिकेशंस में लगातार गिरावट देखने को मिली। छह माह में इन कंपनियों के शेयर 44 से 64 फीसदी तक टूटे, जबकि एक साल में भी 30 से 59 फीसदी तक का निगेटिव रिटर्न दर्ज हुआ। दिवालिया प्रक्रिया में फंसी कंपनियों की स्थिति भी निवेशकों के लिए निराशाजनक रही।

वहीं इसके विपरीत, मुकेश अंबानी के समूह की प्रमुख कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने पिछले एक साल में करीब 19 प्रतिशत का रिटर्न दिया, जो समूह की कंपनियों में सबसे बेहतर रहा। हालांकि, बाकी कंपनियां जैसे नेटवर्क18 मीडिया, हैथवे केबल एंड डेटाकॉम, डेन नेटवर्क्स, रिलायंस इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर, स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी, आलोक इंडस्ट्रीज और जस्ट डायल ने पिछले छह महीने और एक साल, दोनों अवधियों में नकारात्मक रिटर्न ही दिया। इन कंपनियों के शेयर 18 से 36 फीसदी तक टूटे, जबकि एक साल में यह गिरावट 9 से 29 फीसदी के बीच रही।

कुल मिलाकर, बीते एक वर्ष में अनिल अंबानी समूह की किसी भी कंपनी ने निवेशकों को लाभ नहीं पहुंचाया, जबकि मुकेश अंबानी के समूह में सिर्फ रिलायंस इंडस्ट्रीज ही भरोसेमंद निवेश विकल्प बनी रही। यह तुलना साफ दिखाती है कि अंबानी समूह की कंपनियों में निवेश करने वालों के लिए पिछले एक साल में सबसे सुरक्षित और फायदे का सौदा सिर्फ रिलायंस इंडस्ट्रीज ही साबित होती।

2026 मारुति सुजुकी ब्रेजा का डिजाइन फाइनल

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में 2026 मारुति सुजुकी ब्रेजा जल्द ही कदम रखने वाली है। हाल ही में पहली बार बिना कैमोफ्लाज के इसकी तस्वीरें सामने आई हैं, जिससे साफ हो गया है कि मिड-साइकिल फेसलिफ्ट का डिजाइन लगभग फाइनल हो चुका है। एक्सटीरियर में बड़े बदलाव न होते हुए भी कुछ कॉस्मेटिक अपडेट इसे मौजूदा मॉडल से ज़्यादा प्रीमियम और आक्रामक बनाते हैं। स्पाई शॉट्स में रिवाइज्ड फ्रंट बंपर, नया ग्रिल, अपडेटेड अलॉय व्हील्स, पतली साइड क्लैडिंग और रियर में फेसलिफ्टेड टेललाइट्स व बंपर देखे जा चुके हैं। ओवरऑल बॉक्सी सिल्हूट बरकरार रहेगा, लेकिन नई ब्रेजा का लुक ज्यादा स्पोर्टी महसूस होगा। इंटीरियर में इस बार बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। माना जा रहा है कि इसमें बड़ा 10.25-इंच या 10.1-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया जाएगा।

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने चांदी की कीमतों में तेजी रही। इनके वायदा भाव भी ऊपर आये। घरेलू बाजार में सोने के वायदा भाव 1,60,800 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,66,200 रुपये पर रहे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना चांदी के कारोबार में बढ़त रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज उछाल के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल अनुबंध आज 1,008 रुपये बढ़कर 1,60,977 रुपये के भाव पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,59,969 रुपये पर था। वहीं एक समय यह अनुबंध 864 रुपये बढ़कर 1,60,833 रुपये के भाव पर कामकाज कर रहा था। ये 1,61,072 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 1,60,611 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव 1,80,779 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे।

दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च अनुबंध आज 5,200 रुपये बढ़कर 2,65,944 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,60,744 रुपये था। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया।

वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। कॉमेक्स पर सोना आज 5,160 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 5,176.30 डॉलर प्रति औंस था। सोने के भाव इस साल 5,586.20 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। वहीं कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 87.16 डॉलर के भाव पर खुले। इसका पिछला बंद भाव 87.50 डॉलर था। एक समय ये 1.75 डॉलर की तेजी के साथ 89.25 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

परेशानी | **बैंकिंग सिस्टम धीमा, जितना कैश निकल रहा है, उतना नहीं आ रहा वापस**

बैंगलुरु में एटीएम पर कैश की किल्लत, नहीं मिल रहे 500 रुपए के नोट

एजेंसी ■ नई दिल्ली

आईटी हब बैंगलुरु में इन दिनों एटीएम पर कैश की किल्लत देखने को मिल रही है। शहर के कई इलाकों में लोग एक एटीएम से दूसरे एटीएम तक भटक रहे हैं लेकिन पर्याप्त नकदी नहीं मिल पा रही है। खासतौर पर 500 रुपए के नोट की उपलब्धता बेहद सीमित है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकारी और निजी दोनों बैंक अचानक बढ़ी नकदी मांग के दबाव में हैं। बैंकों के पास कैश की सप्लाई पूरी तरह रुकी नहीं है लेकिन निकासी में तेजी आने से एटीएम समय पर रिफिल नहीं हो पा रहे हैं। परिणामस्वरूप मशीनों में सीमित मात्रा में ही कैश डाला जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बैंकिंग सूत्रों का कहना है कि करंट और ओवरड्राफ्ट खातों से बड़े पैमाने पर नकदी निकाली जा रही है। निर्माण, प्रॉपर्टी डेवलपमेंट और सरकारी सिविक प्रोजेक्ट्स से जुड़े कारोबारी और ठेकेदार मजदूरी व अन्य भुगतान के लिए नकद का इस्तेमाल कर रहे हैं। आम तौर पर यह पैसा कुछ दिनों में बैंकिंग सिस्टम में वापस लौट आता है लेकिन हाल के हफ्तों में यह चक्र धीमा पड़ा यानी जितना कैश निकल रहा है, उतना वापस नहीं आ रहा है।

शहर में नगर निगम चुनाव प्रस्तावित हैं, वहीं पड़ोसी राज्यों केरल और तमिलनाडु में भी आगामी महीनों में विधानसभा चुनाव होना हैं। कुछ जानकारों का मानना है कि चुनावी

तैयारियों के चलते नकदी की मांग बढ़ सकती है। हालांकि इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि लगातार बढ़ती नकद निकासी शुरुआती चेतावनी संकेत मानी जाती है। आरबीआई करेंसी की उपलब्धता पर नजर रखे हुए है और जरूरत पड़ने पर संतुलन बहाल करने के उपाय कर सकता है। इस बीच बैंकों ने ग्राहकों को डिजिटल बैंकिंग का ज्यादा इस्तेमाल करने की सलाह दी है, ताकि नकदी पर दबाव कम किया जा सके। बैंक एटीएम में रिफिल को प्राथमिकता देने की बात कह रहे हैं लेकिन फिलहाल 500 रुपए के नोट की कमी लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी है।

खुदरा ऋण बकाया दिसंबर तिमाही में 18.1 फीसद बढ़कर 162 लाख करोड़ पहुंचा

मुंबई। खुदरा ऋण का बकाया दिसंबर तिमाही में 18.1 फीसदी बढ़कर 162 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया। सोने की कीमतों में तेजी, त्योहारी मांग और जीएसटी दरों में कटौती से कर्ज वितरण को बढ़ावा मिला है। मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। इस रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर-दिसंबर, 2025 तिमाही के दौरान खुदरा ऋण में सबसे बड़ा हिस्सा रखने वाला आवासीय ऋण खंड 10.5 फीसदी बढ़कर 43 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। वहीं, सोने के बदले कर्ज यानी स्वर्ण ऋण में 44.1 फीसदी की वृद्धि हुई और इसका बकाया 16.2 लाख करोड़ रुपए हो गया। इस दौरान व्यक्तिगत ऋण खंड का बकाया भी 11.6 फीसदी बढ़कर 15.9 लाख करोड़ रुपए हो गया।

रिपोर्ट के मुताबिक जीएसटी दरों में कटौती से वाहन कर्ज में 14.6 फीसदी, दोपहिया वाहन ऋण में 12.3 फीसदी और टिकाऊ उपभोक्ता सामान ऋण में 14.3 फीसदी की सालाना वृद्धि दर्ज की गई। आलोच्य अवधि में एकल स्वामित्व वाली इकाइयों द्वारा लिए गए ऋण का बकाया 26.2 फीसदी बढ़ा। परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर 30 से 180 दिन की देरी वाले खुदरा ऋणों का अनुपात घटकर दिसंबर, 2025 में 2.8 फीसदी रह गया, जो एक साल पहले 3.2 फीसदी था।

ब्रीफ न्यूज

हायर सेकेण्डरी के गणित विषय की परीक्षा में एक नकल प्रकरण दर्ज

मुरैना। माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा आयोजित हायर सेकेण्डरी बोर्ड परीक्षाएँ जिले में संचालित की जा रही हैं। जिला शिक्षा अधिकारी बी.एस. इंदौलिया ने जानकारी देते हुए बताया कि इस परीक्षा में कुल 8,106 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 7,886 परीक्षार्थी उपस्थित रहे तथा 220 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा के दौरान शासकीय कन्या हाईस्कूल, नूराबाद में एक नकल प्रकरण दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि जिले के सभी परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई थीं तथा परीक्षा का संचालन निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ।

जिला पंचायत सीईओ ने हायर सेकेण्डरी बोर्ड परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

मुरैना। माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार बुधवार, 25 फरवरी 2026 को आयोजित हायर सेकेण्डरी बोर्ड परीक्षा (गणित विषय) के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत कमलेश कुमार भार्गव ने मुरैना जिले के तीन परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, खड़ियाहार, सिहोनिया एवं मिरघान का अवलोकन किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने परीक्षा कक्षों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की तथा केंद्राध्यक्षों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा का संचालन स्वतंत्र, सुव्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न होता पाया गया। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा, गोपनीयता एवं अनुशासन संबंधी व्यवस्थाएँ संतोषजनक रहीं।

अवैध रूप से रेत का उत्खनन करने वाले आरोपी को एक वर्ष का सश्रम कारावास, जुर्माना

मुरैना। न्यायालय अमित प्रताप सिंह न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी मुरैना द्वारा आरोपी धर्मेन्द्र पुत्र सुरेन्द्र सविता आयु 27 वर्ष निवासी ग्राम गलैथा भूरी सिंह का पुरा थाना बागचीनी को अवैध रूप से रेत का उत्खनन करने एवं संरक्षित दुर्लभ वन्य प्राणियों एवं उनके प्राकृतिक निवास स्थान को नष्ट किए जाने के आरोप में सिद्ध पाते हुए वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की धाराओं के अंतर्गत एक वर्ष के सश्रम कारावास एवं 7000 रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। मीडिया सेल प्रभारी श्रीमती रश्मि अग्रवाल ने बताया कि 13 मई 2018 को शाम करीब 04:30 बजे स्थान डाबरपुरा घाट के गुढ़ा चंबल क्षेत्र के अंतर्गत राष्ट्रीय चंबल अभ्यारण्य में ट्रॉली एवं ट्रैक्टर सोनालिका 745 डीआई नीले रंग का जिसका पंजीयन नंबर एम.पी. 06 ए.ए. 4332 को बिना अनुमति प्रवेश निषेध होते हुये अनाधिकृत/अवैध रूप से प्रवेश किया एवं उक्त वाहन से अवैध रूप से रेत का उत्खनन करने के लिए राष्ट्रीय चम्बल अभ्यारण्य में प्रवेश कर वहां पाये जाने वाले संरक्षित दुर्लभ वन्य प्राणियों एवं उनके प्राकृतिक निवास स्थान को क्षति पहुंचायी एवं उक्त वाहन से भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 41 के अंतर्गत वन उपज के अभिवहन को विनियमित करने के लिए बनाये गये नियम के उल्लंघन में वन उपज रेत का अवैध रूप से परिवहन किया गया।

बड़ोखर, ओव्हर ब्रिज एवं अंडर ब्रिज पर दिन भर लगा रहा जाम, एंबुलेंस फंसने से मरीजों की आई आफत

सत्ता सुधार ■ मुरैना

शहर की यातायात पुलिस कहां व्यवस्था संभाल रही है, इसका जनता को नहीं पता है, लेकिन इतना पता है कि शहर में जगह-जगह जाम लगने से लोग परेशान है। एंबुलेंस में आने वाले मरीज भी जाम में फंसकर दम तोड़ रहे हैं, लेकिन यातायात पुलिस आराम फरमा रही है या फिर हाईवे पर अवैध वसूली में जुटी हुई है। शहर की एमएस रोड सहित ओव्हर ब्रिज एवं फाटक बाहर इलाके में हालात बिगड़ते जा रहे हैं और पूरे दिन जाम की स्थिति बनी रहती है। जब कभी ओवर ब्रिज चौराहे पर एक पुलिसकर्मी दिखाई देता है जो व्यवस्था संभालने में पर्याप्त नहीं है।

शहर में बुधवार की दोपहर यातायात की बदहाल तस्वीर देखने को मिली। ये हम नहीं कह रहे, ये आरोप तो शहर के लोग लगा रहे है।

अम्बाह बायपास स्थित निवासी लोकेन्द्र तोमर ने बताया कि जब वो बुधवार को बाइक पर घर से बाजार आने के लिए निकले तो उनको सबसे पहले बड़ोखर और नंदेपुरा चौराहे पर जाम मिला, जहाँ वाहनों की लंबी कतार लगी हुई थी और एम्बुलेंस भी फंसी थी। वहां से निकलकर रामनगर तिराहे पर पहुंचे तो ओवरब्रिज जाने वाले रास्ते पर भी जाम लगा मिला, जब उन्होंने पीछे हटकर अंडरब्रिज रास्ते से होकर बाजार आने का सोचा तो अंडरब्रिज पर पहुंचकर देखा कि उसमें भी लंबा जाम लगा है और बाइक सवार फंसे है। उन्होंने बताया कि शहर की यातायात व्यवस्था खराब हो चुकी है इस कोई देखने वाला नहीं है।

यातायात व्यवस्था ध्वस्त करने में ई-रिक्शा की महत्वपूर्ण भूमिका

शहर की बदहाल होती यातायात व्यवस्था के लिए जहां प्रशासन एवं पुलिस दोषी है तो वहीं लगातार बढ़ती ई-रिक्शा की संख्या ने हालात और बिगाड़ दिए हैं। एमएस रोड के अलावा किसी भी मार्ग पर देखें तो अन्य वाहन कम लेकिन ई-रिक्शा हर तरफदिखाई देंगे। लापरवाही से ई-रिक्शा का संचालन चालक कर रहे हैं और कहीं भी उसे रोक कर खड़े हो जाते हैं। शहर के स्टेशन प्रवेश द्वार के सामने तो सुबह से शाम तक जाम ही जाम नजर आता है। पूर्व में प्रशासन एवं परिवहन विभाग द्वारा ई-रिक्शा का रूट बनाने और अतिशीघ्र कारवाही करने की बात कही, लेकिन उस मामले को भी 3 महीने से अधिक समय हो चुका है, मगर एक ही रूट पर हजारों ई-रिक्शा दौड़ रहे हैं, जिससे पूरी यातायात व्यवस्था ध्वस्त हो गई है।

अज्ञात बदमाशों ने जनरल स्टोर की दुकान से की चोरी, पीछा कर रही पुलिस पर किए फायर

सत्ता सुधार ■ जौरा

जिले के जौरा थाना क्षेत्र में पुरानी रेलवे स्टेशन के पास एक दुकान से चोरी कर कर निकल रहे दो संदिग्ध लोगों को जब पुलिस ने रोका तो वह भागने लगे और पीछा करने पर आरोपियों ने पुलिसकर्मियों पर फायर ठोक दिए। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार एवं बुधवार की रात को गश्ती दल के आरक्षक विपिन कुमार, मेघराज रूनीपुर रोड रेल की पटरी के पास पैदल गस्त कर रही थे। रात्रि 3:30 के आसपास मुंह से कपड़ा बांधे हुए दो संदिग्ध युवक आरक्षकों को नजर आए। दोनों को आवाज लगाई, कौन हो, आवाज लगते ही दोनों बदमाश भागने लगे। आरक्षकों ने पीछा किया तो बदमाशों ने फायर कर दिया। फायर की घटना रेल की पटरी बल्लू त्यागी के मकान

के पास हुई है और पीछा करने पर भी बदमाश भाग निकले। घटना की जानकारी मिलते ही नगर निरीक्षक दर्शन शुक्ला, सब इंस्पेक्टर पंकज यादव, प्रवेंद्र सिंह तोमर आदि पुलिस टीम को लेकर मौके पर पहुंचे और वहां मौजूद नागरिकों से घटना की विस्तृत जानकारी भी ली। बीती रात ही पुराने रेलवे स्टेशन के पास जनरल स्टोर की दुकान चलाने वाले शैंकी जैन की दुकान से भी अज्ञात चोर हजारों का सामान चुरा कर ले गए। शैंकी जैन का कहना है कि अज्ञात चोर दुकान से राजश्री की पुड़िया, सिगरेट, बीड़ी के समान सहित लगभग 12000 से 15000 रूपए भी चुरा ले गए हैं। चोरों द्वारा दुकान के पिछले हिस्से की दीवाल को तोड़कर चोरी की है, कुछ सामान बाहर भी पड़ा मिला, जिसे चोर नहीं ले जा सके। बदमाशों द्वारा फायर किए जाने की घटना पर से नागरिकों का कहना था कि यदि गश्ती दल का बदमाशों से सामना नहीं होता तो बदमाश रात में कोई भी बड़ी वारदात भी कर सकते थे।

इनका कहना है...

रूनीपुर रोड रेल की पटरी के आसपास रात में गश्ती दल को अज्ञात बदमाश दिखे, गश्ती दल ने उन्हें टोका तो वह रेल की पटरी एवं त्यागी के मकान के पास फायर कर भाग गए। जनरल स्टोर की दुकान से चोरी की भी घटना हुई है। दोनों प्रकरणों में वैधानिक कार्यवाही कर रहे हैं।

दर्शनलाल शुक्ल, थाना प्रभारी, जौरा

नाबालिक के साथ छेड़छाड़ करने वाला आरोपी गिरफ्तार

मुरैना। जिले की पहाड़गढ़ थाना पुलिस ने नाबालिक बच्ची के साथ छेड़छाड़ कर दुष्कर्म का प्रयास करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कार्यालय में पेश किया और जेल भेज दिया। बताया जाता है कि 22 फरवरी 2026 की शाम 4 बजे फरियादिया मानसी (परिवर्तित नाम) कट्टौली में अपने खेत पर चारा लेने गई थी, तभी पीछा करते हुए

आरोपी दीपू उर्फ दीपक वहां आया और छेडछाड़ कर दुष्कर्म का प्रयास किया। फरियादिया की उक्त रिपोर्ट पर आरोपी के विरूद्ध थाना पहाडगढ़ में मामला दर्ज किया गया। एसडीओपी कैलारस उमेश कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में राजेन्द्र परिहार थाना प्रभारी पहाडगढ द्वारा टीम गठित कर आरोपी की गिरफ्तारी हेतु मुखबिर सक्रिय किए गए। परिणामस्वरूप पॉस्को में वांछित आरोपी दीपू उर्फदीपक पुत्र परशराम कुशवाह को ग्राम कट्टौली से गिरफ्तार किया गया। उक्त गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया है।

बोर्ड परीक्षाओं की व्यवस्थाओं को लेकर कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने किया 2 विद्यालयों का औचक निरीक्षण

गुना। जिले में संचालित बोर्ड परीक्षाओं की व्यवस्थाओं का जायजा लेने हेतु कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने शहर के शारदा स्कूल, कैंट तथा पीएम श्री एकीकृत शासकीय कन्या विद्यालय गुना का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने परीक्षा कक्षों में पहुंचकर व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने विद्यार्थियों की उपस्थिति, बैठने की व्यवस्था, प्रश्नपत्र वितरण प्रणाली तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की विस्तार से जांच की। कलेक्टर कुछ समय तक कक्षाओं में परीक्षा संचालन की प्रक्रिया भी देखते रहे। कलेक्टर श्री कन्याल ने इनविजिलेटर (कक्ष निरीक्षक) से चर्चा करते हुए पूछा कि परीक्षा संचालन में किसी प्रकार की समस्या तो नहीं आ रही है। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि प्रश्नपत्र समय पर परीक्षा केंद्रों तक पहुंच रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षाएं शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हों। विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी व्यवस्थाएं चुस्त-दुरुस्त रखने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही संबंधित अधिकारियों को पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। इस औचक निरीक्षण में जिला शिक्षा अधिकारी राजेश गोयल सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित रहे।

सबलगढ़ नपा अध्यक्ष व उसके परिवार को ब्लैकमेल करने वाले दो आरोपियों पर मामला दर्ज

सबलगढ़। नगर पालिका परिषद सबलगढ़ के अध्यक्ष सोनेराम सिंह धाकड़ एवं उसके परिवार को ब्लैकमेल करने की दृष्टि से लगातार सोशल मीडिया पर फर्जी फोटो वीडियो पोस्ट डालकर रुपए मांगने वाले दो नामजद एवं एक अन्य आरोपी के विरुद्ध आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। मामला दर्ज करने के बाद पुलिस ने एक आरोपी सपन सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। सबलगढ़ नगर पालिका अध्यक्ष सोनेराम सिंह धाकड़ ने सबलगढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि सपन सिंह जादौन निवासी कोलिया थाना सबलगढ जिला मुरैना का रहने वाला है। इस व्यक्ति ने अपनी फेसबुक आई.डी. पेज से मेरे बारे में अश्लील भाषा एवं माँ की गालियों का उपयोग कर फर्जी खबरें एवं वीडियो प्रसारित की जा रही है, जिससे मेरी छबि धूमिल हो रही है। मुझे व मेरे परिवार को मानसिक कष्ट हो रहा है, जिससे मेरा परिवार बेहद पीड़ा में है और यदि मेरा परिवार उक्त पीड़ा एवं तनाव से परेशान होकर स्वयं के साथ किसी भी प्रकार की कोई अप्रीय घटना घटित होती है या की जाती है तो उसकी संपूर्ण जिम्मेदारी सपन सिंह जादौन की होगी। श्री जादौन द्वारा मुझ पर भृष्टाचार का आरोप लगाकर मुझे बदनाम किया जा रहा है और रूपयों की मांग की जा रही है। पूर्व से ही यह व्यक्ति कई सभ्रान्त नागरिकों को टारगेट कर बीडियो बनाकर ब्लेकमेलिंग का काम करता चला आ रहा है। यह उसने अपना धन्धा बना लिया है। ऐसे ही इसने अपनी फेसबुक आईडी से मेरे पुत्र शैलेन्द्र सिंह धाकड उर्फ निक्की मो.नं. 8815840442 पर एक लिंक भेजकर 10,00,000 (दस लाख) रूपये की मांग की है। मेने मजबूर होकर सपन सिंह जादौन द्वारा भेजे गये क्यू आर कोड पर जो उसके सहयोगी शिवेन्द्र सिह का है, पर बेटे के फेन पे से 10000 (दस हजार) रूपये डालने पड़े। सोनेराम सिंह धाकड़ ने पुलिस को आरोपी द्वारा डाले गए फोटो वीडियो क्यूआर कोड एवं व्हाट्सएप चैट आदि की प्रतिबिंब सौंपी है और फेसबुक आईडी बंद करवाने की मांग की है। पुलिस ने रिपोर्ट पर से सपन सिंह एवं शिवेंद्र सहित एक अन्य के विरुद्ध आईटी एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

वेटरनरी डॉक्टर की तैयारी कर रहे युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, पुलिस मामले की जांच में जुटी

मुरैना। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के रजई का पुरा गांव में बीती रात्रि वेटनरी डॉक्टर की तैयारी कर रहे एक युवक ने घर के अंदर अज्ञात कारण के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह जब परिजन जागे, तब घटना का पता चला और पुलिस को सूचना दी। पुलिस द्वारा पीएम करवाकर लाश परिजनों को सौंप दी है और मामले की जांच कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अजय पुत्र बच्चू सिंह भारती उम्र 30 रजई का पुरा मुंगावली थाना सिविल लाईन ने वेटनरी डॉक्टर का डिप्लोमा कंप्लीट कर लिया था और तैयारी कर रहा था।

मंगलवार-बुधवार की देर रात माता-पिता एवं परिवार के अन्य सदस्य बाहर के कमरे में सो रहे थे और अजय अंदर के कमरे में सोने चला गया। सुबह जब परिजन जागे और अजय को जगाने पहुंचे तो दरवाजा खोलते ही सभी के होश उड़ गए। अजय फांसी के फंदे पर कमरे में लटका मिला। इस घटना से घर में कोहराम मच गया और पड़ोसी एकत्रित हो गए। घटना की सूचना तत्काल सिविल लाइन थाना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को फंदे से नीचे उतारा। युवक ने आत्महत्या किस कारण के चलते की, फिलहाल घरवाले भी कोई बताने को तैयार नहीं है। पुलिस द्वारा मृतक का पीएम करवाकर लाश उसके परिजनों को सौंप दी गई है तथा मामले की जांच कर रही है।

आजीविका होली मेले का शुभारंभ महापौर ने किया

सत्ता सुधार ■ मुरैना

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर चंबल संभाग अंतर्गत मुरैना मुख्यालय में आयोजित आजीविका होली मेले का शुभारंभ महापौर श्रीमती शारदा सोलंकी द्वारा किया गया। यह मेला पंडित रामप्रसाद बिस्मिल शहीद संग्रहालय परिसर में 25 एवं 26 फरवरी को आयोजित किया जा रहा है। शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लाइव टेलीकास्ट के माध्यम से मेले को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए स्व-सहायता समूहों की महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण में ऐसे आयोजनों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत कमलेश कुमार भार्गव, जिला परियोजना प्रबंधक दिनेश

सिंह तोमर, मेला प्रभारी वीरेश भदौरिया, उमेश राजौरिया तथा वायपी सचिन धोते सहित भिण्ड, मुरैना एवं श्योपुर जिलों की स्व-सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित रहीं। मेले में भिण्ड, मुरैना एवं श्योपुर के स्व-सहायता समूहों द्वारा लगाए गए विभिन्न स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे। इन स्टॉलों पर होली पर्व से संबंधित पारंपरिक उत्पाद जैसे देशी गुजिया, झार के लड्डू एवं गुलरिया प्रदर्शित और विक्रय हेतु उपलब्ध रहे। अतिथियों ने इन व्यंजनों का स्वाद चखा तथा समूहों के कार्यों की सराहना की।

कार्रवाई प्रकरण में धारा 25,27 आर्म्स एक्ट का इजाफा कर गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया है

मां-बेटी की मारपीट कर फायरिंग करने वाला आरोपी गिरफ्तार

सत्ता सुधार ■ मुरैना

सिविल लाइन थाना अंतर्गत द्वारकाधीश गार्डन के पास रास्ते में लगी गाड़ी को हटाने की कहने पर आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए मां बेटी की जमकर मारपीट की और फायरिंग कर दहशत फैला दी। घटना की रिपोर्ट पर से पुलिस ने मामला दर्ज कर तत्काल कार्रवाई करते हुए 6 घंटे के अंदर आरोपी को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त हथियार बरामद किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार को फरियादिया रामा यादव पत्नि राजपाल यादव उम्र 45 साल निवासी सिकरवार गली ने रिपोर्ट दर्ज

कराई कि सुबह करीबन 11:30 बजे वह अपने प्लॉट 12 बीघा द्वारिकाधीश गार्डन के पास खाना लेकर गई थी, रास्ते में गाडी लगे होने से मैंने सूरज भदौरिया से गाड़ी हटाने के लिए बोला तो इसी बात के ऊपर से सूरज भदौरिया ने मेरी व मेरी बेटी के साथ मारपीट की एवं पिस्टल से हवाई फायर किये। फरियादिया की रिपोर्ट पर से आरोपी के विरूद्ध अप.क्र. 84/26 धारा 115 (2), 296 (ए), 125,351 (2) बीएनएस का पंजीवद्ध कर विवेचना मे लिया गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर नगर पुलिस अधीक्षक मुरैना श्रीमती दीपाली चन्दौरिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सिविल लाईन द्वारा थाना स्तर पर गठित पुलिस टीम के साथ घटना स्थल के आस-पास सीसीटीव्ही फुटेज चैक किए गए एवं मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया। थाना प्रभारी उदयभान सिंह ने अपनी टीम के साथ 6 घण्टे के अंदर आरोपी सूरज भदौरिया पुत्र मान सिह भदौरिया उम्र 25 साल निवासी दुर्गादास वाली गली को गुर्जर मार्केट के पास को महाराजपुर रोड़ से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त 32 बोर की अवैध पिस्टल मय 1 जिंदा राउण्ड के जब्त की गई। प्रकरण में धारा 25,27 आर्म्स एक्ट का इजाफा कर गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया है।

फूड विभाग ने 5 मिठाई की दुकानों से लिए मिठाइयों के नमूने

सत्ता सुधार ■ जौरा

खाद्य पदार्थ विशेष कर मिठाईयां में मिलावट की आशंका एवं होली के त्यौहार को देखते हुए कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ द्वारा खाद्य पदार्थ हलवाइयों की दुकानों पर आकस्मिक निरीक्षण एवं खाद्य सामग्री के नमूने लेकर सैंपलिंग की कार्यवाही के दिए गए।

निर्देशों के पालन में जौरा में खाद्य सुरक्षा अधिकारी महेंद्र सिंह सिरोहिया, अनिल प्रताप सिंह परिहार की टीम द्वारा पांच स्थानों पर नमूने लेकर सैंपलिंग की कार्रवाई की गई। इस दौरान जोधपुर मिष्ठान भंडार की दुकान से मलाई की बर्फी का नमूना लेकर सैंपलिंग की गई दूसरी कार्यवाही चित्रकूट मिष्ठान भंडार पुराने बस स्टैंड के पास की दुकान पर कार्रवाई करते हुए मलाई के लड्डू एवं बेसन के लड्डू का नमूना लिया तथा सैंपलिंग की गई तीसरी कार्यवाही अग्रवाल मिष्ठान भंडार के यहां पर की गई यहां से मावा का नमूना लिया गया। चौथी कार्यवाही गिर्राज मिष्ठान भंडार की दुकान पर की गई उनके यहां से सोन पापड़ी का नमूना लिया व मोर मुकुट मिष्ठान भंडार की दुकान से मावा एवं सोनपपड़ी मिठाई के नमूने लेकर सैंपलिंग की गई।

ब्रीफ न्यूज

मैकेनिक कटोरा लेकर कलेक्टर के पास पहुंचा

हरदा। कलेक्ट्रेट में मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान एक मैकेनिक अपनी मजदूरी का भुगतान न मिलने पर कटोरा लेकर पहुंचा। खिरकिया निवासी भोला सैनी ने बताया कि सिराली नगर परिषद ने चार महीने पहले उससे एक कचरा गाड़ी की मरम्मत करवाई थी, जिसका भुगतान अभी तक नहीं किया गया है। सैनी के अनुसार, उसने कचरा वाहन की मरम्मत की थी और उसमें 8,000 रुपये का यूरिया क्वालिटी सेंसर भी लगाया था। मरम्मत और पुर्जे सहित कुल 12,500 रुपए का भुगतान उसे मिलना था। मैकेनिक ने आरोप लगाया कि भुगतान के लिए बार-बार अनुरोध करने और जिला कार्यालय में जनसुनवाई के साथ-साथ 181 पर शिकायत करने के बावजूद उसे पैसे नहीं मिले। उसकी शिकायतें बिना उसकी सहमति के निराकृत कर दी गई। सैनी का दावा है कि नगर परिषद ने झूठी जानकारी दी कि उसने कोई वाहन ठीक नहीं किया या कोई पुर्जा नहीं लगाया, और उसे पैसे वसूलने का प्रयास करने वाला बताया। इस मामले पर कलेक्टर जैन ने कहा कि संबंधित व्यक्ति ने गाड़ी की मरम्मत का काम किया था और उसके भुगतान के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि, कलेक्टर ने यह भी बताया कि जब मैकेनिक को गाड़ी से निकाला गया पुराना सेंसर वापस करने को कहा गया, तो उसने किसी और गाड़ी का सेंसर दे दिया। कलेक्टर जैन ने आशंका जताई कि मैकेनिक ने वास्तविक सेंसर देने में धोखाधड़ी की है। उन्होंने नगर पालिका अधिकारियों को मैकेनिक का बनता भुगतान करने और यदि धोखाधड़ी हुई है तो उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं।

जसवाड़ी के आयुष्मान आरोग्य मंदिर को मिला गुणवत्ता प्रमाणपत्र

खण्डवा। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की राष्ट्रीय गुणवत्ता मूल्यांकन प्रणाली की टीम ने गत 29 दिसम्बर 2025 को आयुष्मान आरोग्य मंदिर जसवाड़ी में स्वास्थ्य सुविधाओं का वर्चुअली मूल्यांकन किया था। मूल्यांकन के दौरान उन्होंने ओ.पी.डी. कक्ष, दवा वितरण कक्ष, स्टोर कक्ष, रिकॉर्ड संधारण एवं संबंधित कर्मचारियों के मूल्यांकन के साथ साथ मरीजों को दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में भी ग्रामीणजनों से चर्चा की थी।

13 श्रद्धालुओं ने रक्तदान कर 'ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग' के दर्शन किए

खण्डवा। रक्तदान के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से तीर्थस्थल ओंकारेश्वर में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए मंगलवार से जिला प्रशासन द्वारा एक नई पहल शुरू की गई है। इसके तहत ओंकारेश्वर में रक्तदान करने पर ज्योतिर्लिंग मंदिर मे वी.आई.पी. प्रोटोकॉल अनुसार दर्शन करने की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध होने लगी है। कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने बताया कि पहले दिन मंगलवार को कुल 13 श्रद्धालुओं ने ओंकारेश्वर में आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदान कर निःशुल्क प्रोटोकॉल दर्शन सुविधा का लाभ लिया।

150 खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, निमाड़ के युवाओं में प्रतिभा के साथ जुनून और प्रतिस्पर्धी ऊर्जा की झलक

रॉयल निमाड़ ईगल्स के लिए खंडवा में क्रिकेट ट्रायल्स संपन्न

सत्ता सुधार ■ खंडवा

मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग (सिंधिया कप) 2026 के लिए डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय खंडवा एवं आईसेक्ट समूह की पुरुष क्रिकेट टीम 'रॉयल निमाड़ ईगल्स' के गठन के अंतर्गत खंडवा के जिमखाना क्रिकेट ग्राउंड, सूरजकुंड में आयोजित चयन ट्रायल्स सफलतापूर्वक संपन्न हुए। समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि ट्रायल्स में निमाड़ एवं आसपास के जिलों से आए लगभग 150 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए बैटिंग, बॉलिंग और विकेटकीपिंग में अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। सुबह से शुरू हुए ट्रायल्स में खिलाड़ियों ने फिटनेस ड्रिल्स, नेट प्रैक्टिस और मैच सिमुलेशन के माध्यम से अपनी तकनीक, अनुशासन और खेल समझ का प्रदर्शन किया। चयन प्रक्रिया को पारदर्शी और प्रतिस्पर्धात्मक बनाए रखने के लिए खिलाड़ियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन चयन समिति द्वारा तकनीकी मापदंडों और मैच परिस्थितियों के आधार पर किया गया। सुनील जैन ने बताया कि ट्रायल्स के दौरान युवा खिलाड़ियों में उच्च स्तर का आत्मविश्वास, खेल के प्रति समर्पण और प्रतिस्पर्धी भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली।आईसेक्ट समूह द्वारा टीम स्वामित्व के साथ खेल विकास की दिशा में की गई यह पहल क्षेत्रीय प्रतिभाओं को संरचित मंच प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। 'रॉयल निमाड़ ईगल्स' का उद्देश्य केवल टीम निर्माण तक सीमित न रहकर खिलाड़ियों को दीर्घकालिक प्रशिक्षण, पेशेवर मार्गदर्शन और प्रतिस्पर्धी अवसर उपलब्ध कराना है, ताकि वे राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकें। आईसेक्ट समूह के कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने ट्रायल्स में खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि 'निमाड़ क्षेत्र में क्रिकेट प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। इन ट्रायल्स में खिलाड़ियों ने जिस अनुशासन, जुनून और खेल समझ का प्रदर्शन किया है, वह भविष्य के लिए अत्यंत सकारात्मक संकेत है। यह चयन प्रक्रिया खिलाड़ियों के लिए केवल अवसर नहीं, बल्कि एक संगठित विकास यात्रा की शुरुआत है। हमारा प्रयास है कि क्षेत्रीय प्रतिभाओं को पेशेवर प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धी मंच देकर उन्हें राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाया जाए।

नई दमनकारी नीतियों के खिलाफ पनप रहा आक्रोश

बस एसोसिएशन द्वारा आंदोलन की चेतावनी

सत्ता सुधार ■ हरदा

नई दमनकारी नीतियों के खिलाफ बस एसोसिएशन का आक्रोश तेजी से पनप रहा है। 24 दिसंबर 2025 को राजपत्र में प्रकाशित के स्टेज कैरिज बसों के संचालक के लिए लाई जा रही नई दमनकारी नीति वापस नहीं ली गई तो आगामी 2 मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जायेगी। ऐसोशियेशन की 22 फरवरी को आयोजित बैठक में यह निर्णय लिया गया । निर्णय के अनुसार एकजुट होकर आंदोलन की राजनीति तय कर लिये हैं।

समस्या के अनदेखी

नई नीति से उत्पन्न समस्याओं से अवगत कराया गया जिसकी घोर अनदेखी की जा रही है। समस्याओं को देख सुनकर अनदेखा किया जा रहा है। तीन सूत्रीय मांगपत्र मुख्यमंत्री, परिवहन मंत्री, मुख्य सचिव, सचिव परिवहन मध्य प्रदेश मंत्रालय, परिवहन आयुक्त भोपाल को भेजकर समस्याओं से अवगत कराया गया है। मांग नहीं मानी जाने पर 2 मार्च से आंदोलन शुरू किया जायेगा। आंदोलन अनिश्चितकालीन होगा।

वाहन फिटनेस को बड़ी परेशानी

वाहन फिटनेस को लेकर परेशानी काफी बढ़ गई है। हरदा बस एसोसियेशन के अध्यक्ष भूपेश पटेल, उपाध्यक्ष राहुल पटेल ने जिला कलेक्टर को आवेदन देकर वाहन फिटनेस को लेकर हो रही परेशानी से अवगत कराते हुए फिटनेस सुविधा पुनः चालू करने की मांग की है। पहले यह सुविधा थी अब बंद है जिसके कारण 100 में 150 किलोमीटर जाना पड़ रहा है । धन समय का अपव्यय हो रहा है।

आर.टी.ओ. को फिटनेस देने की सुविधा हो : जायसवाल

राहुल जायसवाल का कहना है कि फिटनेस सेंटर जहां नहीं है वहां आर.टी.ओ. द्वारा फिटनेस दिया जा रहा है। इसी तरह हरदा में भी आर.टी.ओ. को फिटनेस देने की सुविधा प्रदान की जाए।

संशोधन समाप्त किया जाय: पटेल

बस एसोशियेशन के अध्यक्ष भूपेश पटेल का कहना है कि 29 जनवरी 2026 राजपत्र में जो संशोधन किया गया है। उसे पूर्ण रूप से समाप्त किया जाये जिससे बसों का परिचालन संचालन सुचारू रूप से हो सके। वर्तमान में जिस व्यवस्था के साथ प्रदेश में बसों का संचालन किया जा रहा है उसे यथावत रखा जाये। अध्यक्ष भूपेश पटेल, उपाध्यक्ष राहुल पटेल ने आगामी राजनीति से शासन प्रशासन को अवगत करा दिया है।

हरदा में फिटनेस सेंटर शुरू होने के पहले आर.टी.ओ. से फिटनेस सुविधा प्रदान करने के संबंध में दिशा निर्देश प्रदान करने की पहल की जाये जिससे बस संचालकों को किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो सके। अब देखना यह है कि बस संचालकों की इस परेशानी को ध्यान में रखते हुए जिला कलेक्टर द्वारा कौन सा कदम उठाया जाता है।

पति को जिलाबदर किए जाने पर पत्नी की गुहार

कलेक्टर जनसुनवाई में पहुंची उर्मिला जैन, दस्तावेज व भरण पोषण सहायता की मांग

सत्ता सुधार ■ खंडवा

पति के खिलाफ की गई जिलाबदर कार्रवाई को असत्य साक्ष्यों पर आधारित बताते हुए सन्मति नगर निवासी उर्मिला जैन ने मंगलवार को कलेक्टर जनसुनवाई में आवेदन प्रस्तुत कर न्याय की गुहार लगाई। उन्होंने प्रशासन से मामले से जुड़े सीसीटीवी फुटेज, रोजनामचा एवं अन्य दस्तावेज उपलब्ध कराने के साथ-साथ परिवार के भरण-पोषण के लिए शासकीय सहायता दिलाने की मांग की है।

तीन छोटे बच्चों के साथ आर्थिक संकट: आवेदिका उर्मिला जैन ने बताया कि उनके पति अमित जैन पिता राजेन्द्र जैन को जिला बदर कर जिले से बाहर कर दिया गया है। उनके तीन छोटे बच्चे – 5 वर्षीय अविरल, 4 वर्षीय जतन और 1 वर्षीय माधव – हैं। उर्मिला ने बताया कि वह 9-10वीं तक शिक्षित हैं और किसी प्रकार का रोजगार नहीं जानतीं। पति के बाहर रहने से परिवार के सामने आर्थिक संकट गहरा गया है और भरण-पोषण तक की समस्या उत्पन्न हो गई है।

सीसीटीवी फुटेज और दस्तावेज उपलब्ध कराने की मांग: आवेदन में उन्होंने 17 अगस्त 2025 की कथित घटना से संबंधित थाना मोघट रोड के सीसीटीवी फुटेज, रोजनामचा साना तथा सीसीटीएनएस की 24 घंटे की प्रमाणित प्रतिलिपि उपलब्ध कराने की मांग की है। उनका कहना है कि इन दस्तावेजों की आवश्यकता उन्हें आगे की न्यायिक कार्यवाही के लिए है। उर्मिला जैन ने आवेदन में यह भी मांग की है कि पति की गिरफ्तारी की सत्यता परखने के लिए थाना प्रभारी का नार्को परीक्षण कराया जाए तथा उसकी रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए, ताकि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच हो सके।

श्री ओंकारेश्वर मंदिर का प्रसाद डाक से घर घर तक पहुंचाने के लिए पोस्टल सेवा का सीएम ने किया शुभारंभ

सत्ता सुधार ■ खंडवा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डाक व्यवस्था में निर्णायक परिवर्तन आये हैं। एक समय सिर्फ चिट्ठियां पहुंचाने वाला विभाग अब बाबा महाकाल और ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर के प्रसाद के वितरण के लिए नई पोस्टल सेवा लागू करने तक अपनी यात्रा तय कर चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को उज्जैन में शिप्रा नदी किनारे स्थित कार्तिक मेला ग्राउंड में आयोजित ग्रामीण डाक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने की। इस अवसर पर उन्होंने उज्जैन के प्रसिद्ध स्थानों के संकलन पर आधारित पिक्टोरियल पोस्ट कार्ड का विमोचन भी किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्रामीण डाक सेवक हमारे सैनिक तथा हमारी ताकत है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में डाक विभाग सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के नेतृत्व में डाक विभाग नई ऊंचाइयों को छू रहा है। मध्यप्रदेश में 16,800 से ज्यादा ऊर्जावान ग्रामीण डाक सेवक ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने का काम कर रहे है। केंद्रीय संचार मंत्री श्री सिंधिया ने इस अवसर पर कहा कि सभी ग्रामीण डाक सेवक मेरे परिवार के सदस्य हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में डाक विभाग देश के विकास में अपनी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर रहा है। हमारा संकल्प है कि देश के डाक विभाग को विश्व की सबसे बड़ी लाजिस्टिक शक्ति के रूप में स्थापित करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारा डाक सेवक अपनी सेवाएं दे रहा है। सर्दी, गर्मी, बरसात की परवाह किए बगैर डाक सेवक अपने कर्तव्य का निर्वाह कर रहा है।

एसडीएम की मौजूदगी में खत्म हुई हड़ताल

सत्ता सुधार ■ हरदा/सिराली

नगर में सफाई कर्मियों की हड़ताल के चलते उत्पन्न हुई अव्यवस्था के बीच फुटकर व्यापारी संघ ने आगे बढ़कर सफाई की जिम्मेदारी संभाली। व्यापारियों ने स्वच्छता का संदेश देते हुए विभिन्न स्थानों पर झाड़ू लगाकर और कचरा एकत्रित कर सफाई अभियान चलाया। अभियान की शुरूआत सब्जी मंडी क्षेत्र से की गई। इसके बाद थाना परिषद के सामने, पुराना बस स्टैंड, गांधी चौक और मस्जिद के पास सफाई की गई। हड़ताल के कारण नगर में अनेक स्थानों पर कचरा जमा हो गया था, जिससे आमजन और ग्राहकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। फुटकर व्यापारी संघ के अध्यक्ष शेख

असलम ने कहा कि स्वच्छता केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए सभी को अपनी भूमिका निभानी चाहिए। व्यापारियों की इस पहल को स्थानीय नागरिकों ने सराहा इधर जिला फुटकर व्यापारी संघ ने सफाई कर्मियों की मांगों का समर्थन किया। सफाई कर्मी गांधी चौक पर हड़ताल पर बैठे थे जहां एसडीएम तहसीलदार सीएमओ मौके पर पहुंचकर उनसे चर्चा की। संबंधित मांगों पर आश्वासन दिए जाने के बाद सफाई कर्मियों ने हड़ताल को समाप्त करने की घोषणा की हड़ताल समाप्त होने से नगर में नियमित सफाई व्यवस्था बहाल होने की उम्मीद जताई जा रही है।

बेहतर उपचार से हीमोग्लोबिन स्तर 1.7 से बढ़कर 8.1 हुआ

जिला अस्पताल के डॉक्टर्स के प्रयासों से कमलेश को मिला नया जीवन

सत्ता सुधार ■ खंडवा

फेंफड़ों के टी.बी. रोग से ग्रस्त हरदा जिले के ग्राम कमताड़ा निवासी कमलेश पिता प्रेमलाल उम्र 28 वर्ष के हीमोग्लोबिन का स्तर घटकर मात्र 1.7 रह गया था। गम्भीर स्थिति को देखते हुए परिजन उन्हें गत दिनों श्री दादाजी धूनीवाले जिला चिकित्सालय सह नंदकुमार सिंह चौहान शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय खंडवा में लेकर आए जहां उसे टी.बी. स्पेशलिस्ट डॉ. नितिन कपूर ने स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा कमलेश का छाती का एक्स-रे एवं अन्य जांच करवाई। जांच में स्थिति की गम्भीरता देखते हुए डॉ. नितिन कपूर एवं टीम जिसमें असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. संदीप परिहार, डॉ. स्नेह जनविदे तथा वैशाली चंदवानी के सहयोग से तुरंत मरीज को भर्ती कर इलाज प्रारंभ किया गया। डॉ. कपूर ने बताया कि मरीज को अति गंभीर एनीमिया भी था। डॉ. कपूर ने बताया कि जिला अस्पताल में कमलेश को 4 बोतल खून चढ़ाया गया, जिससे स्थिति में पहले से बेहतर सुधार हुआ। मरीज को समझाया गया कि वह हिम्मत न हारे, बल्कि डॉक्टर के निर्देशों का पालन करे, तो पूरी तरह ठीक हो जाएगा। डॉ. नितिन कपूर ने बताया कि पिछले 10-12 दिनों के लगातार इलाज से कमलेश की स्थिति में काफी सुधार है और वह पहले से काफी बेहतर स्थिति में है। अब कमलेश का हीमोग्लोबिन बढ़कर 8.1 ग्राम हो गया है तथा अभी भी जिला अस्पताल में भर्ती होकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ले रहा है। कमलेश ने बताया कि जिला अस्पताल खण्डवा के डॉक्टर्स के प्रयासों से उसे नया जीवन मिला है, इसके लिए वह सभी डॉक्टर्स का आभार प्रकट करता है। कमलेश ने बताया कि अस्पताल में पूरा इलाज व जांचें निशुल्क होने तथा डॉक्टरों एवं स्टाफ के अच्छे व्यवहार से वह बहुत खुश है।

कौशल विकास योजना के तहत सोलर पी.वी. इंस्टालर का प्रशिक्षण 4 मार्च से

खण्डवा। शासकीय महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, खंडवा में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजनांतर्गत सोलर पी.वी. इंस्टालर का 2 से 3 माह का लघु अवधि प्रशिक्षण 4 मार्च से प्रारंभ हो रहा है। इस प्रशिक्षण से युवाओं को सोलर पैनल को इंस्टाल करने संबंधित प्रशिक्षण दिया जायेगा। आईटीआई के प्राचार्य अश्विन बमनका ने बताया कि सफलतापूर्ण प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए रोजगार की भरपूर संभावनाएं हैं। इस प्रशिक्षण में निःशुल्क पंजीयन की प्रकिया शुरू हो चुकी है। इस प्रशिक्षण में सम्मिलित होने के लिए आवेदक 10वीं कक्षा तथा आईटीआई एवं पॉलीटेक्निक डिप्लोमा उत्तीर्ण होना चाहिए। इस प्रशिक्षण के लिए आवेदक की आयु सीमा 18 से 45 वर्ष निर्धारित है। इस प्रशिक्षण के लिए इच्छुक युवा http://www.skillindiadigital.gov.in/ पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए आवेदक महिला आईटीआई, सिहाड़ा रोड़, खंडवा में संपर्क कर सकते हैं।

विधिक सेवा प्राधिकरण, खंडवा को आईएसओ 9001 एवं 14001 प्रमाण पत्र मिला

खण्डवा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय खंडवा को मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानको के अनुरूप कार्य करने पर क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम के लिए आईएसओ प्रमाण पत्र क्रमांक 9001 एवं एनवायरमेंटल मैनेजमेंट सिस्टम के लिए आईएसओ प्रमाण पत्र क्रमांक 14001 प्रदान किया गया। आईएसओ टीम, नई दिल्ली के प्रतिनिधि शिवांशु तिवारी द्वारा औपचारिक रूप से प्रमाण पत्र प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, खंडवा ममता जैन को प्रदान किया गया। इस अवसर पर दिव्यांगजनों के लिए सहायक उपकरण भी वितरित किये गये। कार्यक्रम में अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खंडवा ममता जैन ने दिव्यांग राजू चौहान, राम सिंह घौहान, अमरदास चौहान को ट्राई साइकिल वितरित की गई। इसके साथ ही पात्र हितग्राहियों को बैसाखी एवं वाकिंग स्टिक भी प्रदान की गई। प्रधान न्यायाधीश श्रीमती जैन ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा कि न्याय केवल न्यायालय तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक कमजोर वर्ग तक पहुंचना ही सच्ची न्याय सेवा है। उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, खण्डवा को यह प्रमाण पत्र मिलना इस बात का प्रमाण है कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, खण्डवा द्वारा पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था के साथ साथ पर्यावरण संरक्षण के मानकों का पालन करते हुए जनहितकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सफलतापूर्वक किया जा रहा है। कार्यक्रम में विशेष न्यायाधीश उत्सव चतुर्वेदी, प्रधान न्यायाधीश, कुटुंब न्यायालय योगराज उपाध्याय, द्वितीय जिला न्यायाधीश अनिल चौधरी, प्रथम जिला न्यायाधीश अरविंद सिंह टेकाम, तृतीय जिला न्यायाधीश आशीष प्रताप सिंह चतुर्थ जिला न्यायाधीश वीरेन्द्र जोशी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ठाकुर प्रसाद मालवीय, जिला रजिस्ट्रार अरविंद सिंह, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पियूष भावे सहित पैरालीगल वालंटियर्स एवं न्यायालय के कर्मचारीगण भी उपस्थित थे।

ब्रीफ न्यूज

निगम परिषद की बैठक आज दोपहर 12 बजे से

सागर। नगर निगम परिषद का साधारण सम्मेलन 28 फरवरी शनिवार को दोपहर 12 बजे से निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार, महापौर श्रीमती संगीता सुशील तिवारी,निगम आयुक्त राजकुमार खत्री,सभी पार्षदों एवं अधिकारियों कर्मचारियों की उपस्थिति में पुराने नगर निगम कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की जावेगी जिसमें नगर विकास एवं सौंदर्यीकरण के विभिन्न विषयों पर विचार विमर्श उपरांत निर्णय लिए जाएंगे।

बुंदेलखंड स्तरीय किसान एवं आजीविका समूह सम्मेलन 26 फरवरी को

सागर। गढ़ाकोटा रहस लोकोत्सव 2026 के अंतर्गत 26 फरवरी 2026, गुरुवार को सायं 4 बजे रहस मेला मैदान, गढ़ाकोटा में बुंदेलखंड स्तरीय किसान एवं ग्रामीण-शहरी आजीविका समूहों का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर किसानों और आजीविका समूहों को संबोधित करेंगे।सपूर्ण बुन्देलखण्ड सहित रहली विधानसभा क्षेत्र में किसान भाईयों के लिए सिंचाई सुविधाओं के विस्तार हेतु कोपरा मध्यन परियोजना, आपचंद मध्यम परियोजना, कैथ मध्यम परियोजना मिडवासा मध्यम परियोजना जैसी सिंचाई परियोजना को गति प्रदान करने वाले सुनार नदी को नर्मदा नदी से जोड़ने की स्वीकृति प्रदान करने वाले, कोपटरा मध्यम परियोजना को केन बेतवा परियोजना से लिंक करने की स्वीकृति देने वाले, सागर-गढ़ाकोटा-दमोह मार्ग को फोरलेन की स्वीकृति देने वाले रहली विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न शहरी एवं ग्रामीण विकास व निर्माण योजनाओं को स्वीकृति एवं गति देने वाले ष्विकास पुरुषष् तथा ष्कृषि कल्याण वर्षष् में किसानों की आय बढ़ाने के लिए भावांतर योजना, उड़द प्रोत्साहन योजना, प्राईस सपोर्ट स्कीम लागू करने वाले किसानों के हितेषी, तथा शहरी एवं ग्रामीण आजीविका मिशन के द्वारा महिलाओं की जिन्दगी में रोशनी लाने वाले एवं प्रदेश भर की लाडली बहिनों के लाडले भैया प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुन्देलखण्ड स्तरीय किसान एवं ग्रामीण-शहरी आजीविका समूहों के सम्मेलन को संबोधित करने के लिए पधार रहे है।रहली विधायक एवं पूर्व मंत्री श्री गोपाल भार्गव ने क्षेत्र के सभी किसान भाइयों एवं आजीविका समूहों की बहनों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

खुरई सिविल अस्पताल में एमएलसी रजिस्टर लेकर एक व्यक्ति फरार, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

खुरई/सागर। सिविल अस्पताल में सुरक्षा की भारी चूक का एक मामला सामने आया है। यहाँ एक मरीज अस्पताल का महत्वपूर्ण मेडिको-लीगल केस (एम एल सी) रजिस्टर लेकर फरार हो गया। अस्पताल परिसर में सुरक्षा गार्डों की तैनाती के बावजूद हुई इस घटना ने प्रशासनिक चौकसी की पोल खोल दी है।

प्रबंधन नियमों का पालन करते हुए शहर को स्वच्छ एवं प्रदूषणमुक्त बनाए रखने में सहयोग करें

कुलपति निवास में कचरा जलाकर प्रदूषण फैलाने पर ननि ने जारी किया नोटिस

सत्ता सुधार ■ सागर

नगर निगम सागर आयुक्त राजकुमार खत्री के निर्देशानुसार स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत शहर की स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण को लेकर व्यापक स्तर पर गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। निगम की टीम द्वारा लगातार वार्डों का भ्रमण कर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण एवं आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। बुधवार को सागर के सिविल लाइन क्षेत्र में सफाई व्यवस्था के निरीक्षण के दौरान कुलपति निवास परिसर में कचरा जलाकर प्रदूषण फैलाते पाए जाने पर कुलपति को नोटिस जारी करने की कार्रवाई की गई। स्वच्छता अधिकारी राजेश सिंह राजपूत ने बताया कि सिविल लाइन स्थित कुलपति निवास पर कचरा जलाया जा रहा था, जिससे पर्यावरण प्रदूषण हो रहा है।यह कृत्य ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016 का उल्लंघन है। नोटिस में उल्लेख किया गया है कि निर्धारित समयावधि में संतोषजनक जवाब प्रस्तुत न करने की स्थिति में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे कचरा जलाने जैसी गतिविधियों से बचें तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का पालन करते हुए शहर को स्वच्छ एवं प्रदूषणमुक्त बनाए रखने में सहयोग करें।

सार्वजनिक दीवारों पर पोस्टर-पंपलेट लगाने वालों पर संपत्ति विरूपण की कार्रवाई के साथ ही चालानी कार्रवाई होगी: निगमायुक्त/ नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री के निर्देशानुसार स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत नगर निगम द्वारा शहर की स्वच्छता और सौंदर्यीकरण को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। निगमायुक्त ने स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावित करने वाले तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।निगमायुक्त ने स्पष्ट कहा है कि शहर की स्वच्छता को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी व्यक्ति या संस्था को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने स्वच्छता अधिकारी राजेश सिंह राजपूत को निर्देशित किया है कि सभी 8 जोनों के अंतर्गत आने वाले वार्डों में ज़ोन प्रभारी नियमित निरीक्षण करें और यह सुनिश्चित करें कि किसी भी सार्वजनिक दीवार, शासकीय भवन या पेंटिंग की गई दीवारों पर पोस्टर-पंपलेट न लगाए जाएं। यदि निरीक्षण के दौरान किसी संस्था या व्यक्ति द्वारा पोस्टर या पंपलेट लगाए जाना पाया जाता है तो संबंधित के विरुद्ध संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए चालानी कार्रवाई भी की जाए। निगमायुक्त ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि सागर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में सभी नागरिक, स्कूल, छात्र ,सामाजिक संस्थाएं एवं व्यावसायिक संगठन सक्रिय सहभागिता करें, ताकि स्वच्छ सर्वेक्षण प्रतियोगिता में नगर को बेहतर रैंक प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि स्वच्छ शहर केवल प्रशासन के प्रयासों से नहीं, बल्कि जनभागीदारी से ही संभव है। अतः सभी नागरिक सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें और नगर को स्वच्छ, सुंदर एवं आदर्श बनाने में अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

गढ़ा पंचायत में 50 लाख के कार्यों में भ्रष्टाचार के आरोप...

जांच न होने पर भाजपा युवा नेता आकाश ठाकुर ने उठाए सवाल, कहा—दोषी साबित हुआ तो सजा स्वीकार

सत्ता सुधार ■ बीना/सागर

ग्राम पंचायत गढ़ा में कराए गए निर्माण कार्यों में कथित रूप से भारी अनियमितताओं का मामला सामने आया है। भाजपा युवा नेता आकाश ठाकुर ने मंगलवार को बीना स्थित एक निजी होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता में पंचायत प्रतिनिधियों पर गंभीर आरोप लगाए।उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत में हुए निर्माण कार्यों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की शिकायत ग्रामीणों द्वारा एसडीएम एवं जनपद पंचायत बीना के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को लिखित रूप में की गई, लेकिन अब तक न तो जांच दल मौके पर पहुंचा और न ही कोई ठोस कार्रवाई की गई। ठाकुर ने आरोप लगाया कि राजनीतिक संरक्षण के चलते अधिकारी जांच से बच रहे हैं।

एसडीएम से मिलने नहीं मिला समय

आकाश ठाकुर ने कहा कि वे शिकायत लेकर एसडीएम से मिलने पहुंचे, लेकिन दो घंटे इंतजार के बाद भी उन्हें समय नहीं दिया गया। वहीं एक अन्य पदाधिकारी को बिना अनुमति सीधे चेंबर में प्रवेश मिला। उन्होंने इसे पक्षपातपूर्ण रवैया बताते हुए सवाल उठाया।

निर्माण कार्यों में गड़बड़ी के आरोप

ठाकुर के अनुसार ग्राम पंचायत गढ़ा में लगभग 50 लाख रुपये के निर्माण कार्य कराए गए, जबकि वास्तविक खर्च 10 लाख रुपये से अधिक नहीं हुआ होगा। उन्होंने सरपंच, सचिव सचिन एवं सहायक सचिव पर आरोप लगाते हुए कहा कि–श्मशान घाट की बाउंड्री वॉल का कोई स्पष्ट अस्तित्व नहीं है।निर्माण कार्यों में पुराना व खराब सामग्री उपयोग की जा रही है।नाली निर्माण में कमजोर लोहे का जाल लगाया गया है।पानी की टंकी चारों ओर से लीकेज हो रही है, जो खतरे का कारण बन सकती है।कुएं की मुंडेर में पुरानी ईंटें और मिट्टी मिली बजरी का उपयोग किया गया है।

पंचायत पोर्टल पर अपलोड फोटो व बिल पर सवाल

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पंचायत पोर्टल पर अपलोड किए गए निर्माण कार्यों के फोटो और बिल स्पष्ट नहीं हैं, जिससे पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न लगते हैं। ठाकुर ने ग्राम पंचायत गढ़ा के गोदना एवं रामनगर गांवों में हुए विकास कार्यों की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

'भ्रष्टाचार किसी भी दल में हो, स्वीकार नहीं'

जब उनसे पूछा गया कि वे स्वयं भाजपा से जुड़े हैं और सरपंच का परिवार भी भाजपा से संबंधित है, तो उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार किसी भी दल में हो, वह स्वीकार्य नहीं है। अंत में उन्होंने कहा कि यदि उनके आरोपों में जरा भी असत्यता पाई जाती है तो वे जो भी दंड दिया जाएगा, उसे स्वीकार करने को तैयार हैं।

बाइक अनियंत्रित होकर गिरी, जनपद अध्यक्ष घायल

सत्ता सुधार ■ खुरई/सागर

नगर के खैरा नाका रेलवे फाटक के पास जनपद पंचायत अध्यक्ष मोटरसाइकिल से अनियंत्रित होकर गिर पड़े, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद सागर रैफर कर दिया गया। मिली जानकारी अनुसार जनपद पंचायत अध्यक्ष जमना प्रसाद अहिरवार अपने गांव खैरा जा रहे थे। तभी रेलवे फाटक के पास गाड़ी अनियंत्रित होकर गिर पड़ी।जिससे जनपद पंचायत अध्यक्ष बुरी तरह घायल हो गए। सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। एंबुलेंस की सहायता से घायल को प्राथमिक उपचार हेतु सिविल अस्पताल में भर्ती कराया।जहां से उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद सागर रेफर कर दिया गया है ।

मम्मी ने भेजा है कहकर घर में घुसा ठग, मंगलसूत्र लेकर फरार हुआ

खुरई/सागर। नगर के चंदेल वार्ड से ठगी का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहाँ एक शातिर ठग ने घर में अकेली महिला को अपनी बातों के जाल में फंसाकर मंगलसूत्र लेकर रफू चक्कर हो गया। घटना रविवार दोपहर करीब 3 बजे की है। चंदेल वार्ड की रहने वाली पूजा विश्वकर्मा अपने घर पर अकेली थीं। तभी एक अज्ञात व्यक्ति उनके पास पहुँचा। उसने खुद को परिवार का परिचित बताते हुए कहा कि तुम्हारी मम्मी ने मुझे भेजा है, उन्हें तुम्हारी शादीशुदा जिंदगी की समस्याओं की फिक्र है। उस व्यक्ति ने महिला को बातों में फंसाकर कहा कि वह झाड़-फूंक के जरिए सब ठीक कर देगा। उसने पूजा से उनकी शादी का जोड़ा और मंगलसूत्र मंगवाया। पूजा उसकी बातों में आ गई, ठग ने हाथ की सफाई दिखाते हुए महिला को चावल की एक पुड़िया थमा दी और मंगलसूत्र चुपके से अपनी जेब में रख लिया। जब तक महिला कुछ समझ पाती, आरोपी मौके से रफूचक्कर हो चुका था। ठगी का एहसास होने के बाद पीड़ित महिला ने तुरंत खुरई थाने पहुँचकर अपनी शिकायत दर्ज कराई है।

आत्म स्वरूप में स्थित होकर ही परमात्म अनुभूति कर सकते हैं: राजयोगिनी नीलम दीदी

सत्ता सुधार ■ खुरई/सागर

ब्रह्माकुमारीज द्वारा नगर के महाकाली मंदिर प्रांगण टीन शेड में चल रही कथा के दूसरे दिन आत्म ज्ञान और परमात्म ज्ञान को लेकर कथा का वाचन किया। इसमें कथावाचिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी नीलम दीदी ने कहा कि वास्तव में हम सभी मनुष्य आत्माएं परमपिता परमात्मा शिव की संतान हैं। जब हम अपने आत्म स्वरूप में स्थित होते हैं तभी हम परमात्म अनुभूति कर सकते हैं। प्रत्येक आत्मा मूल स्वरूप में सत्व गुण से युक्त, सतो प्रधान है अर्थात सात दिव्य गुणों - प्रेम, सुख, शांति, ज्ञान, पवित्रता, शक्ति और आनंद। सभी आत्माएं इन सात गुणों का स्वरूप हैं लेकिन आज आत्म विस्मृति से हम इन गुणों को भूल कर शक्तिहीन हो गए हैं। जब जीवन में सदुणों को धारण करेंगे, उन्हें जीवन का अंग बनाएंगे तो आत्मा फिर से शक्तिशाली बन जाएगी। उन्होंने परमात्मा का परिचय देते हुए कहा कि हम ईश्वर की याद से सातों गुना से भरपूर रह सकेंगे।क्योंकि भगवान सर्वगुणों का सागर है। अमरनाथ है, बैद्यनाथ है , वह हमारा परमपिता है। कथा के दौरान बच्चों ने एक नुक्कड़ नाटक के माध्यम से संदेश दिया कि वर्तमान में डिजिटल रावण कौन है अर्थात फेसबुक, व्हाट्सएप, गूगल, यूट्यूब का ज्यादा इस्तेमाल करने से वह हमारे लिए रावण के समान हमारे जीवन को दुखी बनाने वाला बन सकता है। हमें डिजिटल व्यसन से भी दूर रहना चाहिए। इसीलिए ईश्वर की याद, ईश्वर का ज्ञान हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है । अंत में भोलेनाथ की आरती की गई। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

थाना क्षेत्र के दो अलग-अलग प्रकरणों में शातिर आरोपी गिरफ्तार

सागर। पुलिस अधीक्षक श्री विकाश कुमार शाहवाल के निर्देशन, वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री लोकेश कुमार सिंहा के पर्यवेक्षण में थाना मोतीनगर पुलिस द्वारा दो अलग-अलग प्रकरणों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक शातिर एवं आदतन अपराधी को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की गई है। 27 जनवरी 2026 को फरियादी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि आरोपी राजा उर्फ अब्दुल सेन/सोनू वाल्मीकि ने उसके घर में घुसकर गाली-गलौज की, विरोध करने पर मारपीट कर चोट पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी।

कार्यक्रम की शुरूआत माँ सरस्वती, रानी अवन्तीबाई लोधी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई

राजकीय विश्वविद्यालय में मनाया गया 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस'

सत्ता सुधार ■ सागर

रानी अवन्तीबाई लोधी विश्वविद्यालय, सागर के विज्ञान संकाय द्वारा 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत माँ सरस्वती, रानी अवन्तीबाई लोधी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे माननीय कुलगुरू प्रो. विनोद कुमार मिश्रा ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के महत्व को बताते हुए कहा कि विज्ञान हमारे परिवार से लेकर दैनिक जीवन में भी सम्मिलित होता है । सुबह जल्दी उठने का भी महत्त्व है जिसमें सूर्य की किरणों से ऊर्जा ग्रहण करने का विज्ञान है।

न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत, आर्कमिडीज के घनत्व का सिद्धांत, वाणिज्य के मांग और पूर्ति का सिद्धांत और रजनीश आदि के तर्कपूर्ण वैज्ञानिक सिद्धांतों के साथ विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से विज्ञान के महत्व को बताया । उन्होंने कहा कि विज्ञान पीपल के पेड़ में ऑक्सीजन मानता है लेकिन धार्मिक आस्था से जोड़कर देखते हैं तो उसमें भगवान् का निवास होता है । विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. शक्ति जैन ने सभी को बधाई दी और विज्ञान के शाब्दिक अर्थ को स्पष्ट करते हुए लगभग सभी समस्याओं का समाधान विज्ञान में मिल जाता है । अर्थशास्त्र भी एक विज्ञान है।विज्ञान के नियमों में परिवर्तन की गुंजाईश नहीं होती लेकिन कला के नियम परिवर्तनशील होते हैं । कला विज्ञान से आगे है, सभी के अपने-अपने नीति नियम होते हैं और सबका अपना-अपना एक विशिष्ट महत्व होता है। भौतिक विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. नीलम सिंह ने विषय प्रवर्तन में विज्ञान दिवस के महत्व और सर सीवी रमन के योगदान के बारे में अपने विचार साझा किये । परीक्षा नियंत्रक डॉ. रजनी दुबे ने दैनिक जीवन से लेकर अकादमिक जगत में विज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला।

ब्रीफ न्यूज

शास्त्री ने टीम को सही रणनीति और संयोजन से उतरने की सलाह दी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का कहना है कि अब टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर-8 में मिली करारी हार से सबक लेते हुए आगे के मैचों में सही संयोजन से उतरना होगा। इस मैच में मिली हार के बाद प्रबंधन के कई फैसलों पर भी सवाल उठे हैं। ऐसे में अब टीम के ऊपर बचे हुए दोनो मैचों को बड़े अंतर से जीतने का दबाब है। शास्त्री का कहना है कि अब टीम को अपने संयोजन पर फिर से विचार करना होगा। शास्त्री ने कहा, आप लगातार 12 मैच जीतते हैं, तो एक खराब दिन आना तय है। शायद यही वह बदलाव है जिसकी भारत को जरूरत थी। यह टीम को अपनी रणनीति और संयोजन पर फिर से सोचने के लिए मजबूर कर सकता है। इस हार से उन्होंने यह सीख लिया होगा कि अब चीजों को हल्के में नहीं लिया जा सकता है क्योंकि सुपर 8 में अगर एक और मैच हारते हैं तो बाहर हो जाएंगे।

इटली में महिला क्रिकेटर के यौन शोषण का मामला सामने आया

रोम। इटली में एक महिला क्रिकेटर के यौन शोषण के आरोपों के बाद क्रिकेट बोर्ड से जुड़े एक अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है। महिला क्रिकेटर के आरोपों के बाद ऑर्डिनेटर प्रबाथ एक्नेलिगोडा को क्रिकेट फेडरेशन ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। फेडरेशन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि इस मामले की जांच फेडरल प्रॉसिक्यूटर करेगा। यौन शोषण का ये मामला पिछले साल का बताया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक फेडरेशन ने कहा, साल 2025 के दौरान फेडरेशन की अध्यक्ष ने एथलीट्स और इससे जुड़े दूसरे पक्षों की पूर्ण सुरक्षा की अपनी जिम्मेदारियों का पालन करते हुए आरोपी अधिकारी को हर तरह की फेडरल से बाहर किये जाने का आदेश दिया है।बोर्ड ने अपने बयान में कहा कि हालातों का पूरी तरह से आंकलन अभी नहीं किया गया है।

अफ्रीकी बॉलर ने 21 पायदान की छलांग से मचाई सनसनी

आईसीसी रैंकिंग में भूचाल, बुमराह की टॉप-10 में एंट्री

एजेंसी ■ अहमदाबाद

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अभी सुपर-8 के मुकाबले खेले जा रहे हैं। इस बीच आईसीसी की ओर से ताजा रैंकिंग जारी कर दी गई है, जिसमें बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। कई गेंदबाजों ने टी20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 चरण में शानदार प्रदर्शन के दम पर लंबी छलांग लगाई है, जबकि भारतीय स्पिनर ने अपनी बादशाहत बरकरार रखी है। कुल मिलाकर इस ताजा आईसीसी रैंकिंग ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है।

कॉर्बिन बॉश सीधा टॉप-3 में पहुंचे

गेंदबाजों की रैंकिंग में भारत के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती अब भी शीर्ष पर काबिज हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ महंगे साबित होने के बावजूद उनकी नंबर-1 कुर्सी बची रही। वरुण के 790 रेटिंग पॉइंट हैं। हालांकि, सबसे लंबी छलांग साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज कॉर्बिन बॉश ने लगाई है। उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात यानी खिलाफ तीन विकेट झटके और फिर सुपर-8 मैच में भारत के खिलाफ महज 12 रन देकर 2 शिकार किए। इसके चलते उन्होंने 21 पायदान की उछाल मारते हुए सीधे तीसरे स्थान पर कब्जा जमा लिया है। इससे वरुण चक्रवर्ती और दूसरे स्थान पर काबिज राशिद खान की कुर्सी पर खतरा पैदा हो गया है।

मैथ्यू फोर्ड ने लगाई 23 पायदान की छलांग

इंग्लैंड के आदिल रशीद चौथे स्थान पर कायम हैं। पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद को 2 स्थान का नुकसान हुआ है और अब वह 5वें स्थान पर लुढ़क गए हैं। एडम जम्पा 2 स्थान की छलांग लगाते हुए छठे पायदान पर पहुंच गए हैं। टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज मैथ्यू फोर्ड ने भी कमाल किया है। उन्होंने 23 स्थानों की लंबी छलांग लगाई है और सीधा 7वें पायदान पर कब्जा कर लिया है। भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने भी टॉप-10 में दमदार एंट्री की। बुमराह सात पायदान ऊपर चढ़कर आठवें नंबर पर पहुंच गए हैं।

गौरतलब है कि टी20 वर्ल्ड कप 2026 जैसे-जैसे नॉकआउट स्टेज की तरफ बढ़ रहा है, उसका सीधा असर आईसीसी रैंकिंग पर पड़ रहा है। सुपर-8 के बाकी मुकाबलों के साथ यह उतार-चढ़ाव और तेज हो सकता है। अब देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले मैचों के बाद किस खिलाड़ी की किस्मत चमकती है और कौन टॉप पर अपनी पकड़ मजबूत रखता है।

सेमीफाइनल की उम्मीदें बनाने जिम्बाब्वे को 60 रनों के अंतर या 12 ओवर में हराना होगा

भारतीय टीम और जिम्बाब्वे का मैच आज

एजेंसी ■ चेन्नई

भारतीय क्रिकेट टीम आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप सुपर 8 के अपने दूसरे मैच में गुरुवार को जिम्बाब्वे से खेलेगी। भारतीय टीम को पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका से करारी हार मिली थी। ऐसे में अब उसे सेमीफाइनल की संभावनाएं बनाये रखने के लिए जिम्बाब्वे को बड़े अंतर से हराना होगा। दक्षिण अफ्रीका से मिली 76 रनों की हार के साथ ही भारतीय टीम का नेट रन रेट काफी कम हो गया है। जिसे सुधारने के लिए उसे काफी अंतर से बचे हुए दोनो मुकाबलों में जीत हासिल करनी होगी। इसके लिए उसे जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 190 से ज्यादा रन बनाने के बाद जिम्बाब्वे को 130 रनों के अंदर समेटना होगा क्योंकि भारतीय टीम को कम से कम 60 से ज्यादा रनों से जीत चाहिये। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए इंडिया को जिम्बाब्वे को 130 रन के अंदर रोकाने के बाद 10 से 12 ओवर में लक्ष्य हासिल करना होगा। ये यूं कहें कि भारतीय टीम को अगला मैच 70 रनों के अंतर से जीतने के अलावा 12 ओवर के अंदर लक्ष्य हासिल करना होगा। इसके बाद वेस्टइंडीज को भी बड़े अंतर से हराना होगा। इसके अलावा ये भी उम्मीद करनी होगी कि दक्षिण अफ्रीका अपने सभी मैच जीत जाए।

तिलक को कोहली जैसी भूमिका निभानी चाहिये : कैफ

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने बल्लेबाज तिलक वर्मा से कहा है कि वह विराट कोहली की तरह पारी को संवारने की भूमिका निभाऐं। कैफ का मानना है कि तिलक को तेजी से खेलने की जगह अपना स्वाभाविक खेल खेलना चाहिये। वहीं टीम प्रबंधन को भी ये स्पष्ट रूप से बताना चाहिए कि उनकी भूमिका कैसी होगी है। कैफ ने कहा कि हर टीम को एक ऐसे बल्लेबाज की जरूरत होती है जो पारी को संभाले और अंत तक लेकर जाए। उनका मानना है कि तिलक में वह क्षमता है और उन्हें उसी जिम्मेदारी पर ध्यान देनी की बात कही जानी चाहिए। एशिया कप में शानदार प्रदर्शन कर भारतीय टीम को जीत दिलाकर तिलक ने दिखाया था कि वह दबाव में लंबी पारी खेल सकते हैं पर टी20 विश्वकप में अपने कमजोर प्रदर्शन के कारण वह आलोचकों के निशाने पर हैं। तिलक इस बार पांच मैचों में 118 के स्ट्राइक रेट से 107 रन ही बना पाये है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर-8 मैच में तेजी से खेलने के प्रयास में उन्होंने शुरुआत में ही विकेट गंवा दिया। इसी को देखते हुए कैफ का मानना है कि उन्हें आक्रामक रुख अपनाने की जरुरत नहीं है। इसके लिए टीम में कई अन्य बल्लेबाज हैं। कैफ ने तिलक को विराट की भूमिका अपनाने की सलाह दी। कोहली टी20 क्रिकेट में आम तौर पर एक छोर संभले रहते थे। वह पारी को संभलते हुए जरूरत पड़ने पर शॉट भी लगा देते थे। तिलक अगर इसी भूमिका पर बरकरार रहते हैं, तो वे टीम के लिए अधिक उपयोगी साबित हो सकते हैं।

इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी

एजेंसी ■ कोलंबो

पाकिस्तान के खिलाफ सुपर-आठ मुकाबले में जीत के साथ ही इंग्लैंड की टीम टी20 विश्व कप 2026 सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। इंग्लैंड ने इससे पहले हुए सुपर-आठ मुकाबले में श्रीलंका को हराया। अपने दूसरे सुपर-8 मुकाबले में कप्तान हैरी ब्रूक की शानदार शतकीय पारी से इंग्लैंड ने पाकिस्तान को दो विकेट से हरा दिया। इस मैच पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक टीम ने 164 रन बनाये और इंग्लैंड को जीत के लिए 165 रनों का लक्ष्य दिया। जिसे इंग्लैंड टीम ने कप्तान हैरी के शतक से 2 विकेट रहते हासिल कर लिया। हैरी टी20 विश्व कप के इतिहास में शतक लगाने वाले इंग्लैंड के पहले खिलाड़ी हैं। अब सेमीफाइनल के बचे अब तीन स्थानों के लिए कुल 7 दावेदारों के बीच मुकाबला है। सुपर-8 में शामिल अभी कोई टीम से टूर्नामेंट से बाहर नहीं हुई है।

पाकिस्तान: इंग्लैंड से हार के बाद भी पाक टीम अभी तक सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर नहीं हुई है। पाक का अंतिम मैच श्रीलंका से है। अगर पाकिस्तान वह मैच जीतता है और न्यूजीलैंड की टीम अपने अगले दोनों मैच हारती है तो पाक टीम सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। वहीं अगर इंग्लैंड टीम एक भी मैच जीतती है तो तब फैसला नेट रन रेट के आधार पर होगा।

भारत: भारतीय टीम की स्थित सबसे कठिन है। पहले सुपर-8 मैच में दक्षिण अफ्रीका से मिली 76 रनों से हार के कारण भारतीय टीम का नेट रन रेट निगेटिव में है। ऐसे में उसे अपने दोनो बचे हुए मैच बड़े अंतर से जीतने के साथ ही अन्य मैचों के परिणामों पर भी नजर रखनी होगी।

श्रीलंका: मेजबान श्रीलंका को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए सबसे पहले अपने बचे दो मुकाबले न्यूजीलैंड और पाकिस्तान से अच्छे अंतर से जीतने होंगे। खिलाफ जीतने होंगे। अगर श्रीलंका ऐसा करता है तो उनके अधिकतम 4 अंक होंगे। ऐसे में उन्हें प्रार्थना करनी होगी कि कीवी टीम सुपर-8 में एक मैच हारे जिससे उसके अंक 3 से आगे न हों।

मिलान में चैम्पियंस लीग फुटबॉल के प्लेऑफ मुकाबले में जीत के बाद उत्साहित बोडो ग्लीम्टस के खिलाड़ी।

एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर की तैयारियों में लगी है भारतीय टीम

बेंगलुरु। भारतीय महिला हॉकी टीम आजकल मुख्य कोच शॉर्ड मारिन के मार्गदर्शन में एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर की तैयारियों में लगी है। टीमें में शामिल उभरती हुई मिडफील्डर साक्षी राणा भी अभ्यास में लगी हुई है और अपनी ओर से और बेहतर प्रदर्शन करना चाहती है। साक्षी का कहना है कि वह हर दिन यही सोचकर मैदान पर उतरती हैं कि उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। इस शिविर में मुख्य कोच मारिन के अलावा वैज्ञानिक सलाहकार वेन लोम्बार्ड भी खिलाड़ियों की सहायता कर रहे हैं। वहीं साक्षी ने कहा, हर दिन मैं यह सोचकर बाहर निकलती हूं कि मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। अगर मैं क्वालिफाइंग राउंड में खेलती हूं, तो मेरा लक्ष्य टीम की जीत में योगदान देना है। आजकल हम हर दिन अभ्यास कर रहे हैं और कोच द्वारा बनायी योजना को पूरी तरह लागू करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोचिंग स्टाफ टीम की कमजोरियों पर विशेष ध्यान दे रहा है। फिटनेस, ताकत और रिकवरी पर लगातार काम हो रहा है। लोम्बार्ड खिलाड़ियों को शारीरिक क्षमता और रिकवरी के महत्व को समझा रहे हैं। साक्षी ने कहा कि सीनियर खिलाड़ियों से भी पूरा सहयोग मिल रहा है। टीम में सकारात्मक माहौल है और सभी खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। कोच ने साक्षी को मैदान में संवाद शैली भी ठीक करने को कहा है। वह सेंटर मिडफील्ड में खेलती हैं, इसलिए खेल को तेजी से पढ़ना और सही समय पर पास देना उसके लिए सबसे जरूरी है।

आईपीएल के कारण टी20 क्रिकेट का बेहतर खिलाड़ी बना हूं : एनगिडी

मुम्बई। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) खेलने का लाभ उन्हें मिला है। एनगिडी के अनुसार आईपीएल में मिले अनुभवों से ही उनकी गेंदबाजी बेहतर हुई है। इस तेज गेंदबाज के अनुसार टी20 अंतरराष्ट्रीय नहीं बल्कि आईपीएल के कारण उनका गेंदबाजी कौशल बेहतर हुआ है। वह 2018 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ जुड़े थे और इस दौरान उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला। इस दौरान उन्होंने वेस्टइंडीज के ड्वेन ब्रावो से धीमी गेंद की बारीकियां सीखी और तब से उनकी गेंदबाजी भी बदल गयी। इसी कारण वह इस बार विश्वकप में अच्छी गेंदबाजी करने में सफल रहे हैं। एनगिडी के अनुसार जब वह पहली बार आईपीएल खेलने के लिए उतरे तो उस सत्र में उन्हें ज्यादा अवसर नहीं मिले थे पर नेट्स में समय बिताने से उनकी गेंदबाजी निखर गयी।

फरहान बन सकते हैं सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज

एजेंसी ■ कोलंबो

पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने टी20 विश्वकप में अबतक जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए एक शतक और दो अर्धशतकों के साथ ही सबसे अधिक रन बनाने वालों की सूची में अपना स्थान बनाया है। फरहान ने इंग्लैंड के खिलाफ हुए सुपर-8 मुकाबले में भी 63 रनों की पारी खेली। इस 63 रनों की पारी के साथ ही उनके नाम इस टूर्नामेंट की पांच पारियों में कुल 283 रन हो गए हैं। अब फरहान को विश्वकप में सबसे अधिक रनों के विराट कोहली के रिकॉर्ड को तोड़ने के के लिए केवल 37 रनों की जरुरत है। विराट ने 2014 टी20 विश्वक कप में सबसे अधिक 319 रन बनाये थे। अब पाक को सुपर-8 का अंतिम मैच श्रीलंका से खेलना है जिसमें फरहान के पास विराट का रिकार्ड तोड़ने का मौका है।

विश्वकप में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज

319 - विराट कोहली (2014), 317 - तिलकरत्ने दिलशान (2009), 303 - बाबर आजम (2021), 302 - महेला जयवर्धने (2010), 296 - विराट कोहली (2022), 295 - तमीम इकबाल (2016), 289 - डेविड वॉर्नर (2021), 283 - साहिबजादा फरहान (2026), 281 - मोहम्मद रिजवान (2021), 281 - आर गुरबाज (2024), 273 - विराट कोहली (2016)

ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और इंग्लैंड के साथ खेलेगी दक्षिण अफ्रीकी टीम : सीएसए

प्रिटोरिया। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने कहा है कि उनकी टीम आने वाले समय में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और इंग्लैंड के साथ टेस्ट और सीमित ओवरों की सीरीज खेलेगी। इसी का कार्यक्रम उसने जारी किया है। सीएसए के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 24 से 30 सितंबर के बीच किंग्समीड स्टेडियम से शुरू होगी। वहीं इसके बाद टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीसी) के लिए तीन टेस्ट मैच खेलेगी। ये मैच नौ अक्टूबर से डरबन में खेले जाएंगे। इसके बाद गकेबरहा में 18 अक्टूबर से और न्यूलैंड्स में 27 अक्टूबर से तीसरा टेस्ट खेला जाएगा। इसके बाद बांग्लादेश से दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इसका पहला मैच 15 से 19 नवंबर तक वांडरर्स स्टेडियम में होगा, जबकि दूसरे मैच 23 से 27 नवंबर तक सेंचूरियन में खेला जाएगा।

वहीं इसके बाद 1 से 7 दिसंबर के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेली जाएगी। इसके अलावा 10 से 13 दिसंबर के बीच टी-20 मुकाबले किम्बरली, बेनोनी और सेंचुरियन में खेले जाएंगे। इसके बाद इंग्लैंड के साथ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 17 दिसंबर से वांडरर्स स्टेडियम में शुरू होगी। इसके बाद में पारंपरिक बॉक्सिंग डे टेस्ट और न्यूलैंड्स क्रिकेट ग्राउंड में नए साल का टेस्ट होगा। दक्षिण अफ्रीका का घरेलू सीजन 10 जनवरी से इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के साथ समाप्त होगा। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कार्यकारी अधिकारी फोलेत्सी मोसेकी ने कहा, हम इन तीनों टीमों के साथ खेलने को लेकर उत्साहित हैं। इससे हमारी टीम और बेहतर होकर उभरेगी।

वाराणसी जिले में एक लाख लोगों ने संपत्ति कर नहीं दिया। ऐसे में नगर निगम ने सख्ती दिखाते हुए 1264 बकायेदारों की संपत्ति सील किया है। एक लाख से अधिक भवन स्वामियों ने अब तक संपत्ति कर नहीं दिया है। इस पर अब नगर निगम ने सख्ती दिखाई है। बकायेदारों को नोटिस भी दिया जा चुका है। फिर भी कर जमा नहीं किया गया।

बरसाना में लठामार होली शुरू....

अद्भुत, अद्वितीय, अलौकिक....बरसाना की लठामार होली में लाठियों से बरसा प्रेम

रंगीली गली में हुरियारों का भव्य स्वागत

सत्ता सुधार ■ मथुरा

बरसाना में लठामार होली का उल्लास छाया हुआ है। गलियों में जमकर अबीर-गुलाल उड़ रहा है। रसिया गीतों से गलियां गूंज उठी हैं। देश-विदेश से आए श्रद्धालु राधा रानी के जयकारों के बीच होली उत्सव का आनंद ले रहे हैं। मथुरा के बरसाना में लठामार होली का उल्लास छाया हुआ है। नंदगांव के हुरियारों का बरसाना की रंगीली गली पहुंचते ही भव्य स्वागत किया गया। हेलीकॉप्टर से फूलों की बारिश हुई। इसके बाद हुरियारिनों ने लाठियों से प्रेम बरसाया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस अद्भुत और अलौकिक दृश्य के साक्षी बने।

भक्तों और पुलिस के बीच हुई नोकझोंक: विश्व प्रसिद्ध लठामार होली की अलौकिक झलक पाने के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं को इस बार प्रशासनिक व्यवस्थाओं के बीच भारी परेशानियों से गुजरना पड़ा। दूर दराज पार्किंग स्थलों से पैदल चलकर मेला क्षेत्र तक पहुंचने वाले श्रद्धालु जगह जगह बनाए गए बैरियरों पर रोक टोक से जूझते नजर आए। आस्था के साथ पहुंचे भक्त प्रशासन की सख्ती में जकड़े दिखाई दिए और कई स्थानों पर भक्तों तथा पुलिस के बीच नोकझोंक के दृश्य भी सामने आए। मेला क्षेत्र में बने तमाम बैरियरों पर श्रद्धालु पुलिस से आगे जाने की अनुमति मांगते दिखे। कभी इस नाके पर तो कभी उस नाके पर भक्त मिन्नत करते रहे, लेकिन पुलिस ने सख्ती बनाए रखी। कई जगह श्रद्धालुओं और पुलिस के बीच कहासुनी और नोकझोंक भी देखने को मिली। दर्शन की जल्दी और बार बार रोक टोक के कारण श्रद्धालु परेशान नजर आए। दूरस्थ पार्किंग स्थलों से पैदल चलकर आने वाले श्रद्धालुओं को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ी।

अंबर से बरसी गुलाब की पंखुड़ियां

लठामार होली के उल्लास के बीच रंगीली गली पहुंचे नंदगांव के हुरियारों का इस बार अनोखे अंदाज में स्वागत किया गया। आसमान से बरसी गुलाब की पंखुड़ियों ने पूरे माहौल को भक्तिरस और उल्लास से सराबोर कर दिया। हेलीकॉप्टर से की गई पुष्प वर्षा को देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे और चारों ओर जयकारों की गूंज सुनाई देने लगी। जैसे ही नंदगांव के हुरियारे रंगीली गली पहुंचे, उसी समय आकाश से गुलाब की पंखुड़ियां बरसने लगीं। श्रद्धालुओं ने इस अद्भुत दृश्य को उत्साह के साथ देखा और पंखुड़ियों की वर्षा के बीच हुरियारे आगे बढ़ते रहे। पूरा वातावरण राधे-राधे के जयघोष और होली के रसिया से गूंज उठा।हेलीकॉप्टर से हुई पुष्प वर्षा ने लठामार होली के उल्लास को और भी भव्य बना दिया। श्रद्धालुओं ने इसे राधारानी की कृपा का प्रतीक मानते हुए इस पल को अपने मोबाइल कैमरों में कैद किया।

सीएम योगी के जापान दौरे में मिले मेगा निवेश प्रस्ताव

11 हजार करोड़ रुपए के समझौता ज्ञापनों पर किए गए हस्ताक्षर

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे के पहले दिन औद्योगिक निवेश को लेकर महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। विभिन्न जापानी कंपनियों के साथ लगभग 11 हजार करोड़ रुपए के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

जिन कंपनियों के साथ करार हुआ है उनमें कुबोता कारपोरेशन, मिंडा कारपोरेशन, जापान एविएशन इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री, नागासे एंड कंपनी लिमिटेड, सीको एडवांस, ओएंडओ ग्रुप, फूजी जैपनीज जेवी और फूजीसिल्वरटेक कंक्रीट प्रा. लि. शामिल हैं। ये समझौते कृषि यंत्र निर्माण, औद्योगिक मशीनरी निर्माण, जल और पर्यावरण अवसंरचना समाधान, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, औद्योगिक प्रिंटिंग एवं ग्राफिक्स, हॉस्पिटैलिटी और रियल एस्टेट जैसे विविध क्षेत्रों से जुड़े हैं। इससे विनिर्माण क्षमता के विस्तार और औद्योगिक सहयोग को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। कुबोता कारपोरेशन, वर्ष 1890 में स्थापित जापान की एक अग्रणी बहुराष्ट्रीय कंपनी है और जिसका मुख्यालय ओसाका में स्थित है। यह कृषि और औद्योगिक मशीनरी निर्माण में वैश्विक पहचान रखती है। कंपनी ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, इंजन और निर्माण उपकरण के साथ साथ जल और पर्यावरण अवसंरचना समाधान जैसे पाइप, पंप और ट्रीटमेंट सिस्टम के क्षेत्र में भी कार्यरत है। एस्कॉर्ट्स कुबोता लिमिटेड के साथ सहयोग के माध्यम से कंपनी भारत में अपने विनिर्माण विस्तार और फार्म मैकेनाइजेशन क्षेत्र में उपस्थिति को मजबूत कर रही है।

मिंडा कारपोरेशन, जो स्पार्क मिंडा समूह का हिस्सा

मिंडा कारपोरेशन, जो स्पार्क मिंडा समूह का हिस्सा है, ऑटोमोटिव कंपोनेंट निर्माण में अग्रणी भारतीय कंपनी है। यह मैक्ट्रॉनिक्स, वायरिंग हार्नेस, प्लास्टिक इंटीरियर, सेंसर और ईवी समाधान उपलब्ध कराती है। जापान एविएशन इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री जिसे जेएई के नाम से जाना जाता है, ऑटोमोटिव और एयरोस्पेस सेक्टर के लिए एडवांस कनेक्टर्स और इलेक्ट्रॉनिक इंटरफेस समाधान में विशेषज्ञता रखती है। नागासे एंड कंपनी लिमिटेड, एक विविधीकृत जापानी ट्रेडिंग और टेक्नोलॉजी कंपनी है जो केमिकल्स, एडवांस्ड मैटेरियल्स, मोबिलिटी सॉल्यूशंस और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में सक्रिय है। इन कंपनियों के बीच सहयोग से ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स और एडवांस कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा।

सीको एडवांस जापान मूल की कंपनी है जो उच्च प्रदर्शन स्क्रीन प्रिंटिंग इंक और कोटिंग सॉल्यूशंस के लिए जानी जाती है। इसके उत्पाद ऑटोमोटिव डीकल्स, इंडस्ट्रियल ग्राफिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स पैनल, ग्लास प्रिंटिंग और कंज्यूमर अप्लायंसेज में उपयोग होते हैं। कंपनी भारत में अपनी विनिर्माण इकाई के माध्यम से विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों को आपूर्ति कर रही है। इसके अतिरिक्त ओ एंड ओ ने हॉस्पिटैलिटी और रियल एस्टेट क्षेत्र में निवेश को लेकर समझौता किया। पहले दिन हुए इन समझौतों को भारत और जापान के बीच औद्योगिक सहयोग को नई गति देने वाला कदम माना जा रहा है।

ब्रीफ न्यूज

बेईली मैरेज हाल के पास दो पक्षों में मारपीट, फायरिंग की भी चर्चा

बस्ती। मौके पर चर्चा है कि कलवारी थाना क्षेत्र के एक कंक्रीट से ईंट बनाने वाले व्यवसायी व नगर थाना क्षेत्र में कंक्रीट से ईंट बनाने वाले व्यवसायी के बीच पैसे को लेकर कई दिनों से विवाद चल रहा था। दोनों पक्ष उक्त मैरिज हॉल के पास आमने-सामने आ गये। कलवारी थाना क्षेत्र के लुंबिनी दुद्धी मार्ग पर स्थित बेईली गांव के मैरेज हाल पर दो पक्षों में विवाद के बाद मारपीट शुरू हो गई। इसी बीच एक पक्ष से फायरिंग किये जाने से अफरा तफरी मच गई। घटना मंगलवार रात करीब साढ़े आठ बजे की बताई जा रही है। सूचना पर कलवारी थानेदार भारी पुलिस बल के साथ पहुंचे। पुलिस ने स्थिति संभालते हुए जांच शुरू कर दिया है।

दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, दो युवकों की मौत

अमेठी। यूपी के अमेठी में बुधवार को दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। आगे की कार्रवाई की जा रही है। हादसा बाजार शुकुल थाना क्षेत्र के फुंदनपुर के पास माइनर पुलिया के पास हुआ। मूल रूप से बाहरपुर के पूरे जबर निवासी योगेंद्र सिंह (18) और किशनी निवासी अलाउद्दीन (25) हादसे का शिकार हुए। अलाउद्दीन के पिता मोहम्मद अजीज ने बताया कि वह मंगलवार को देहरादून से घर आया था। बुधवार को गौरीगंज में ड्राइविंग लाइसेंस के लिए फोटो खिंचवाकर लौट रहा था। हादसे की सूचना मिलते ही गर्भवती पत्नी आफरीन बदहवास हो गई। दो वर्ष पूर्व ही उसकी शादी हुई थी।

बसपा विधायक के घर आयकर विभाग का छापा

योगी सरकार के मंत्री ने खोला मोर्चा, दी चेतावनी

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

लखनऊ में बुधवार को बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के घर और कार्यालय पर आयकर विभाग की टीमों ने छापेमारी की। इसे लेकर भाजपा सरकार में मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने गहरी नाराजगी दिखाई है और आईटी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। एक्स पर जारी किए गए बयान में उन्होंने कहा कि विधायक उमाशंकर सिंह दो वर्ष से अधिक से जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। यदि उनके जीवन को कोई हानि होती हैं तो ये संवेदनहीन संस्थाएं जिम्मेदार होंगी।

दरअसल, दिनेश प्रताप सिंह उमाशंकर सिंह के रिश्तेदार हैं। दिनेश सिंह की बेटी उमाशंकर सिंह के घर ब्याही है। बसपा विधायक के अस्वस्थ होने के दौरान आयकर विभाग की कार्रवाई पर उन्होंने गहरी नाराजगी जताते हुए एक्स पर लिखा कि बलिया के रसड़ा से विधायक उमाशंकर सिंह के घर मेरी बेटी ब्याही है। उनके घर में आज आयकर विभाग की टीम छापा मार रही है। देश-प्रदेश के राजनेता, आयकर सहित सभी संस्थाओं को पता है कि उमाशंकर सिंह दो वर्ष से अधिक से जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। वर्तमान परिस्थितियों में उनके लिए धनार्जन नहीं सांसें बचाने में ही सारा समय और धन व्यय हो रहा है। सभी व्यवसाय लगभग बंद हो गए हैं। आज अपने आवास में आइसोलेशन में रह रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा कि विधानसभा का सत्र एक विधायक के लिए महत्वपूर्ण होता है, लेकिन एक घंटे के लिए भी नहीं जा सके। इस समय उनके घर पर नर्स या डॉक्टर को भी जाने की अनुमति नहीं है। यदि उनके जीवन को कोई हानि होती हैं तो ये संवेदनहीन संस्थाएं जिम्मेदार होंगी। इस प्रकार की परिस्थितियों में भी माननीय न्यायालय दया के आधार पर याचिका स्वीकार करके दोष मुक्त कर देते हैं। किंतु, इस कठिन दौर में भी कौन संवेदनहीन राजनेता या संस्था हो सकती हैं जो ऐसी परिस्थितियों में भी पीड़ा देने की सोच सकता है।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के समर्थन में कांग्रेस का प्रदर्शन

लखनऊ में अविमुक्तेश्वरानंद के समर्थन में लगीं होर्डिंग

सत्ता सुधार ■ वाराणसी

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। दिन-ब-दिन इस मामले को लेकर सियासत गरमा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को शंकराचार्य के समर्थन में कांग्रेस पार्टी के नेता व कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। कहा कि शंकराचार्य के खिलाफ षणयंत्र रचा जा रहा है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं में कहासुनी भी हुई। इससे पहले कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने केदारघाट स्थित विद्या मठ जाकर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से भेंट की और कहा कि शंकराचार्य का आशीर्वाद लिया है। संतों का अपमान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संत समाज के सम्मान और सनातन परंपरा की रक्षा को लेकर कांग्रेस प्रतिबद्ध है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कहा कि संतों और धर्माचार्यों की गरिमा को ठेस पहुंचाना भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा के खिलाफ है। काशी सदियों से संत परंपरा की पवित्र भूमि रही है जहां संतों का सम्मान सर्वोपरि माना जाता है। कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे पर तथ्य और प्रमाण के साथ जनता के बीच सच्चाई रखेगी। कांग्रेस पार्टी इस लड़ाई को सड़क से दन तक पूरी ताकत के साथ लड़ेगी और संत समाज के सम्मान से कोई समझौता नहीं करेगी। कांग्रेस नेता ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के समर्थन और सरकार पर निशाना साधते हुए होर्डिंग लगाई। इसमें लिखा कि 'जब नाश मनुज पर छाता है, पहले विवेक मर जाता है'। इतना ही होर्डिंग में सीएम योगी को सनातन विरोधी भी बताया। कांग्रेस नेता आर्यन मिश्रा की तरफ से लगाई गई इन होर्डिंग्स में लिखा गया कि 'स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के सम्मान में, कांग्रेस पार्टी मैदान में'।

50 लाख रुपए की ठगी में अंतरराज्यीय गिरोह के तीन आरोपी गिरफ्तार

वाराणसी। वाराणसी जिले में 50 लाख से अधिक की साइबर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के तीन आरोपियों गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के पास से 10 मोबाइल, 9 सिम कार्ड, 200 एपीके फाइलें और विभिन्न एप मिले। फेसबुक पर फर्जी आईडी से क्रेडिट कार्ड बनाने और लिमिट बढ़ाने का विज्ञापन देकर 50 लाख से अधिक की साइबर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के तीन आरोपियों को प्रतिबिंब सेल और साइबर क्राइम थाने की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड के नाम से हूबहू दिखने वाले कूटरचित एपीके फाइल डाउनलोड कराने समेत अन्य माध्यमों से लोगों की कमाई लूटते थे। आरोपियों के पास से 10 मोबाइल, 9 सिम कार्ड, 200 एपीके फाइलें और विभिन्न एप मिले। आरोपियों में बलिया का अनीश वर्मा, झारखंड, देवघर का निवासी टुकटुक कुमार पंडित और पुरुषोत्तम कुमार है। पुलिस लाइन में डीसीपी क्राइम आकाश पटेल ने बताया कि गिरोह लोगों को क्रेडिट कार्ड बनवाने, लिमिट बढ़ाने के नाम पर फंसाता था। पीड़ित को वीडियो कॉल कर उसके वर्तमान क्रेडिट कार्ड का विवरण लेते थे।

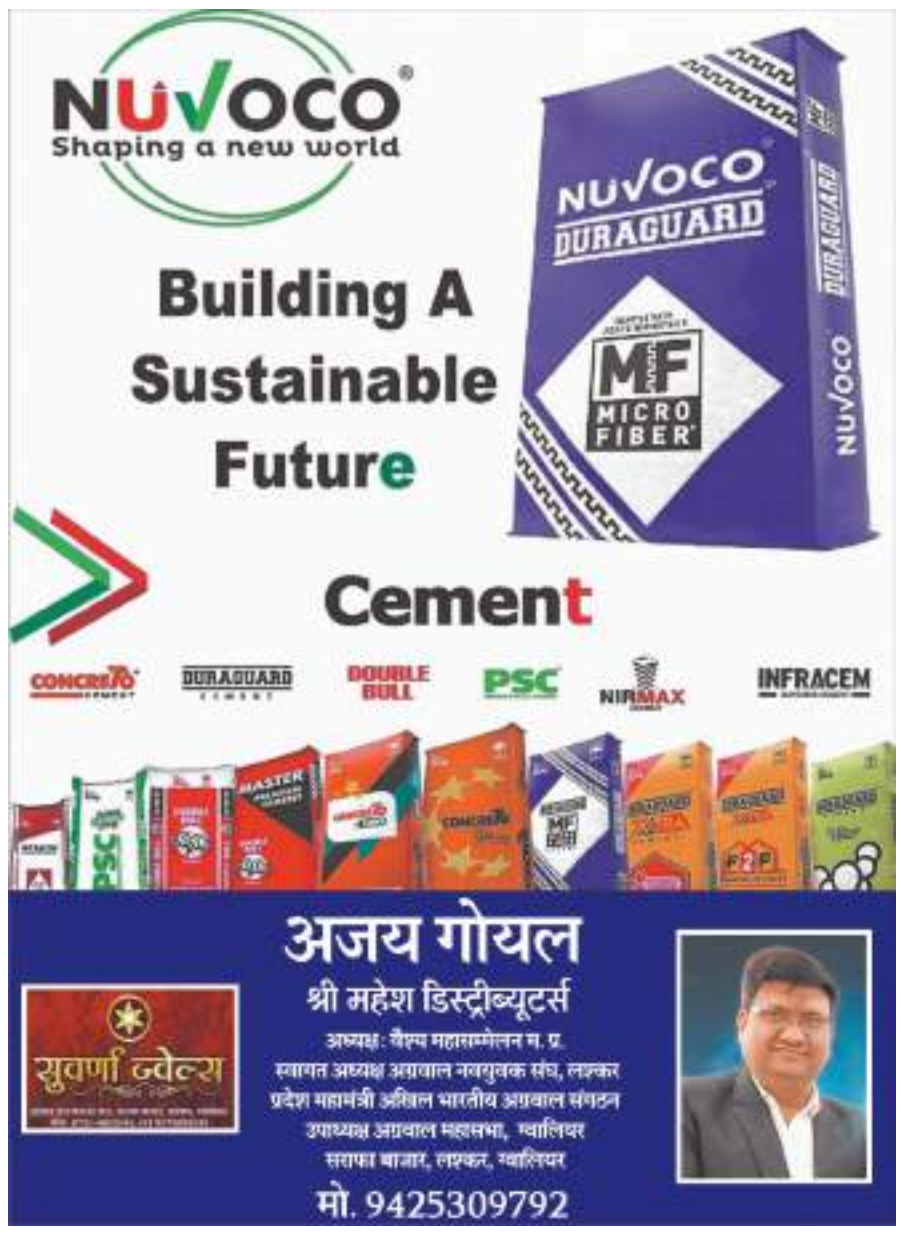

राजनीति आशीष पांडेय उत्तर प्रदेश के पहले उम्मीदवार किए घोषित

2027 में 50 फीसदी सीटों पर ब्राह्मण प्रत्याशी उतारेगी बसपा!

सत्ता सुधार ■ कानपुर

विधानसभा चुनाव 2027 में बहुजन समाज पार्टी प्रदेश की 50 प्रतिशत सीटों पर ब्राह्मण प्रत्याशी उतारने की तैयारी में है। होली के बाद पार्टी कानपुर मंडल की 27 सीटों में से करीब 10 सीटों पर प्रभारियों की घोषणा कर सकती है। यूजीसी प्रकरण के बाद विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर उत्तर प्रदेश की राजनीति में अचानक से ब्राह्मण बिरादरी का दखल बढ़ गया है जिससे राजनीतिक दलों खासकर विपक्षी दलों की ओर से इस पर विशेष अमल किया जा रहा है। बहुजन समाज पार्टी इस पर पकड़ बनाने में सबसे आगे दिखाई दे रही है। पार्टी प्रमुख मायावती के निर्देशन में पदाधिकारियों की ओर से इस फार्मूले पर काम भी शुरू कर दिया गया है। तय किया गया है कि यूपी में बसपा 40 से 50 सीटों पर ब्राह्मण प्रत्याशी उतार सकती है। जालौन के माधौगढ़ सीट से इसकी शुरुआत भी हो चुकी है। बताया जा रहा है कि प्रत्येक विधानसभा सीट पर चार-चार दावेदारों का पैनल बनाकर उनको कसौटी पर परखा जा रहा है। इन्हीं में से एक को पहले विधानसभा क्षेत्र प्रभारी और बाद में प्रत्याशी घोषित कर दिया जाएगा। प्रभारी बनाने के बाद उसी को प्रत्याशी घोषित करने के लिए बसपा उसी विधानसभा क्षेत्र में बड़ा सम्मेलन करेगी। अकेले कानपुर मंडल की बात करें तो यहां कुल 27 विधानसभा सीटें हैं। फिलहाल बसपा के पास यहां एक भी विधायक नहीं है।

10 सीटों पर प्रभारियों की घोषणा की संभावना

पूरे प्रदेश की बात करें तो प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों में से बलिया की रसड़ा सीट से एक मात्र उमाशंकर सिंह बसपा विधायक हैं। होली बाद कानपुर मंडल की करीब 10 सीटों पर प्रभारियों की घोषणा हो सकती है। बसपा इस बार पार्टी ज्यादातर सीटों पर अपनी पकड़ बनाना चाहती है, यही वजह है कि विधानसभा प्रभारियों के नाम फाइनल करने के लिए उसने संगठन में फेरबदल किया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता नौशाद अली को कानपुर मंडल सहित आगरा, मेरठ और लखनऊ मंडल का प्रमुख बनाया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक गोपाल श्रीवास्तव, द्वारा मेसर्स डीबी कॉर्प लिमिटेड 10-11 सेक्टर बी इंडस्ट्रियल एरिया गोविंदपुरा भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं तृतीय तल, सी ब्लॉक, मानसरोवर काम्पलेक्स भोपाल से प्रकाशित। स्थानीय संपादक-अभिषेक शर्मा*, मोबाईल न. 6261052058, सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा। आर एन आई नम्बर-एमपीएचआईएन/2017/72467, मोबाईल न. 9893126900, 7869966100, प्रतियां बुक कराने एवं एजेंसी लेने हेतु संपर्क करें-जाहिद हुसैन-9826278877, ई मेल- sattasudharbpl@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। 0755-4002626, 4939910